* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची 05 सितंबर, 2025, शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 316, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी, संवत 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

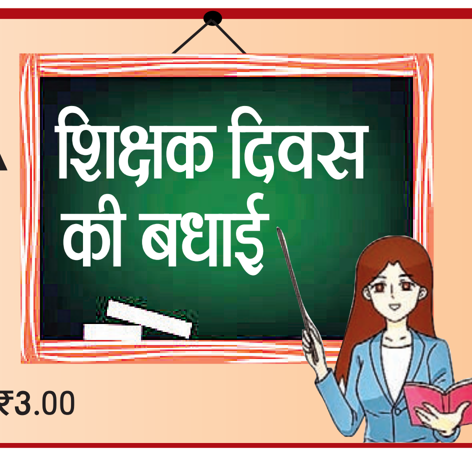

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

मुख्यमंत्री रिनपास के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल हुए

हेमंत देंगे रिनपास को संजीवनी

- आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जायेगाः मुख्यमंत्री
- टेली मेंटल हेल्थ वीडियो कांफ्रेंसिंग सेवा और डिजिटल अकादमी का किया शुभारंभ
- पोस्टल स्टांप, स्मारिका और चार पुस्तकों का भी विमोचन डॉक्टर किये गये सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलाइड साइंस) में जल्द कई बदलाव देखने को मिलेंगे। रिनपास में आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जायेगा। यहां जो भी कमियां होगी, उसकी विस्तृत समीक्षा कर उसे दूर किया जायेगा। यहां मानसिक मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिले, उनका अत्याधुनिक तरीके से इलाज की समुचित व्यवस्था हो, इस दिशा में राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठायेगी। मुख्यमंत्री गुरुवार को रिनपास के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सेवा, समर्पण और विश्वास के गौरवशाली सौ वर्ष पूरे होने पर रिनपास से जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। जिस तरह लोग मानसिक अवसाद की गिरफ्त में आ रहे हैं। वैसे में उन्हें बेहतर काउंसलिंग और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। हालांकि कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसे रिनपास जैसे संस्थान में आने की नौबत आये, लेकिन मानसिक परेशानी, मजबूरी और परिस्थिति कई लोगों को यहां तक आने को मजबूर करती है। ऐसे में यहां आने वाले मनोरोगी पूरी तरह स्वस्थ होकर जायें, इसके लिए यहां इलाज की बेहतर से बेहतर व्यवस्था व्यवस्था की जायेगी।

इन्हें किया गया सम्मानितः रिनपास के अवकाश प्राप्त निदेशक डॉ पीके चक्रवर्ती, डॉ एनएन अग्रवाल, डॉ अशोक कुमार प्रसाद, डॉ अशोक कुमार नाग और डॉ केके सिंह, रिटायर्ड मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ प्रवीण कुमार, सेवानिवृत फैकल्टी मेंबर डॉ एएन वर्मा तथा डॉ केसी सेंगर अहम सेवा तथा योगदान के लिए सम्मानित किये गये। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, विधायक राजेश कच्छप, विधायक सुरेश कुमार बैठा, झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, बेंगलुरु की निदेशक डॉ प्रतिमा मूर्ति, चीफ पोस्ट मास्टर जेनरल (झारखंड परिमंडल) विधान चंद्र रॉय, रिनपास के निदेशक डॉ अमूल रंजन सिंह समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

इलाज में आधुनिक तकनीकों का हो इस्तेमाल

हेमंत सोरेन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के इलाज में अत्याधुनिक तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की दिशा में हमें आगे बढ़ना होगा। रिनपास में मरीजों की मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए जो भी डिजिटल चिकित्सा तकनीक की जरूरत होगी, उसे उपलब्ध कराया जायेगा।

मरीज को छोड़ कर चले जाते हैं कई परिजन

मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जतायी कि कई परिजन अपने मरीज को यहां छोड़ कर चले जाते हैं और फिर उन्हें कभी लेने भी नहीं आते हैं। वहीं, कई बार घरों में ही मनोरोगी को अलग-अलग तरीके से 'कैद' कर रखा जाता है, जो हमारे परिवार और समाज के लिए अच्छा नहीं है। ऐसी परिस्थिति में मानसिक मरीजों की मन:स्थिति कैसी होती होगी, उसकी कल्पना हम नहीं कर सकते हैं। ऐसे में मानसिक समस्या से ग्रसित मरीजों तक सहजता और सरलता के साथ हमारी व्यवस्थाएं पहुंचे, इसके लिए गंभीरता से पहल करने की जरूरत है।

रिनपास की स्थापना करनेवाले काफी दूरदर्शी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1925 में जब मनोचिकित्सा के क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना हुई थी, उस वक्त इसकी क्या जरूरत रही होगी, यह हम तो नहीं बता सकते हैं, लेकिन आज जिस तरह ऐसे संस्थान की अहमियत बढ़ चुकी है, वह बताने के लिए काफी है कि जिन्होंने भी आज से सौ वर्ष पहले रिनपास की नींव रखी होगी, वे कितने दूरदर्शी रहे होंगे। यह संस्थान पिछले 100 वर्षों से लोगों की सेवा में समर्पित है। यह सेवा भाव अनवरत जारी रहे, इसे और भी बेहतर बनायेंगे।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में दो जवान शहीद, एक घायल

- शहीद जवानों को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में बुधवार रात 10 लाख के इनामी टीएसपीसी कमांडर शशिकांत के दस्ते के साथ पुलिस की भीषण मुठभेड़ हुई। इसमें जिला पुलिस बल के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम शहीद हो गये, जबकि एक जवान रोहित कुमार घायल हैं। देर रात 2 बजे घायल जवान को इलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया। डॉ सुशील और डॉ प्रवीण सिद्धार्थ की टीम ने उनका इलाज किया।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि जिस इलाके में मुठभेड़ हुई, वह टीएसपीसी के 10 लाख इनामी कमांडर शशिकांत गंझू का क्षेत्र है। जहां मुठभेड़ हुई है, वहां के गांव में करमा उत्सह मनाया जा रहा था। पुलिस को सूचना थी कि शशिकांत गंझू वहां मौजूद है। इसी सूचना पर पुलिस बुधवार की शाम 7 बजे के करीब सर्च ऑपरेशन के लिए निकली हुई थी। इस दौरान पुलिस जब वहां पहुंची, तो पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है, जबकि दो जवान शहीद हुए हैं।

पलामू की पुलिस कप्तान रीष्मा रमेशन ने अस्पताल पहुंच कर घायल जवान का हालचाल लिया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा। हम नक्सली गतिविधियों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डीआइजी नौशाद आलम के अनुसार जिला पुलिस, आइआरबी और एसटीएफ की 2 टीम सर्च ऑपरेशन में गयी थी। आइजी अभियान ने दावा किया कि झारखंड में 95 प्रतिशत नक्सली गतिविधियां समाप्त हो चुकी हैं और यह घटना 'बुझने से पहले दीये की आखिरी लौ' जैसी है।

मोदी को गाली देने के मामले में एनडीए का बिहार बंद मिलाजुला

पटना (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां को गाली देने के मामले में एनडीए ने गुरुवार को बिहार बंद किया। पूरे राज्य में सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक एनडीए के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और दुकानें बंद करायी। चौक-चौराहों को जाम किया। इस दौरान समस्तीपुर, बेगूसराय, छपरा, हाजीपुर, दरभंगा में समेत 12 जिलों में दो से तीन घंटे नेशनल हाइवे जाम किया गया। गाड़ियों की लंबी लाइन लग गयी। बंद को लेकर कांग्रेस और राजद ऑफिस की सुरक्षा बढ़ायी गयी थी। साथ ही पटना में दो हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात किये गये।

GD GOENKA SCHOOL
Thrive. For Life.
(Under The Aegis of GD Goenka Group)

Ranchi
Jharkhand

Dear stakeholders we should encourage our children to think out of box but first they should unbox what they already have.

Happy Teacher's Day

Dr. Sunil Kumar
(Principal)

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 05 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

मिशन त्रिशूल: इधर बिहार में राहुल यात्रा निकालते रहे, उधर आरएसएस चुपके से अपना काम करता रहा

■ वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ी भीड़ से महागठबंधन उत्साहित, उधर घर-घर घुस चुका आरएसएस

राकेश सिंह
संपादक

बिहार में आरएसएस के 16 हजार स्वयंसेवक एक्टिव, घूम रहे गांव-गांव, टोला-टोला

आजाद सिपाही खास

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देशभर से 10 हजार स्वयंसेवक बिहार में तैनात कर दिये हैं। ये सभी स्वयंसेवक पटना, मुजफ्फरपुर, सीवान, भागलपुर सहित सीमांचल और मगध के गांवों-शहरों में एक्टिव हैं। चाय की टपरी से लेकर गांव की चौपाल, मंदिरों से लेकर आम आदमी तक अपने विचारों को लेकर पहुंच रहा है आरएसएस। हर गांव में करीब 10 से 15 स्वयंसेवक ग्रास रूट लेवल पर काम कर रहे हैं। आरएसएस की इसी स्ट्रैटेजी से भाजपा ने पहले हरियाणा और फिर दिल्ली में सरकार बनायी थी। लेकिन झारखंड में उसे सफलता हासिल नहीं हो पायी थी, क्योंकि यहां आरएसएस से ज्यादा केंद्र से भेजे गये बड़े चेहरे हावी हो गये थे, जिन्होंने राज्य के बड़े चेहरों को शिथिल कर दिया था। लेकिन इस बार भाजपा ने झारखंड के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से सबक लेते हुए अपनी रणनीति में सुधार किया है।

उत्तर और दक्षिण बिहार में साइलेंटली काम

आरएसएस ने बिहार को दो प्रांत उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में बांटा है। उत्तर बिहार का काम मुजफ्फरपुर और दक्षिण बिहार का काम पटना से संचालित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक बिहार में पिछले दो महीने से देशभर के 10 हजार स्वयंसेवकों ने डेरा डाल रखा है। राज्य में भी करीब छह हजार कार्यकर्ता हैं। कुल 16 हजार स्वयंसेवक इस वक्त जमीन पर एक्टिव हैं। आरएसएस का काम करने का अपना स्टाइल है। आरएसएस साइलेंटली काम करता है और रिजल्ट देने में भरोसा करता है। हर राज्य की जनता अलग है, मुद्दे भी अलग हैं, इसलिए रणनीति भी अलग होती है। आरएसएस सोशल मीडिया पर नहीं, जमीन पर उतरता है। स्वयंसेवक घर-घर पहुंचते हैं। लोगों का मन टटोलते हैं, उनसे जुड़ते हैं।

रूठों को मनाना, कन्फ्यूज मतदाताओं को बताना

आरएसएस की एक टीम घर-घर जाकर मतदाताओं की लिस्ट तैयार कर चुकी हैं। ये टीमें उन वोटरों को मना रही हैं, जिसके मन में भाजपा या एनडीए के लिए थोड़ी भी दुविधा है। स्वयंसेवक कन्फ्यूज वोटर को बिहार के लिए सही पार्टी चुनने में मदद कर रहे हैं। वैसे आरएसएस के प्रांत प्रचारक इस बात का जिक्र करते हैं कि वे पार्टी का नाम लिये बगैर काम करते हैं, उसके प्रचारक कहते हैं कि जो राज्य और लोगों का विकास कर सके, उसे वोट दीजिये। फिलहाल आरएसएस की स्ट्रैटेजी के हिसाब से घर-घर जाकर लोगों की कैटेगरी के हिसाब से लिस्ट बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। ये लिस्ट तीन हिस्सों में बंटी है। पहली भाजपा के पक्के वोटर, दूसरी कन्फ्यूज वोटर और तीसरी रूठे वोटर। वहीं आरएसएस की दूसरी टीमों ने लिस्ट के मुताबिक लोगों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। ये टीमें वोटरों को मुद्दे, उनके फायदे-नुकसान के बारे में बताती हैं।

किस पार्टी ने क्या वादा किया था, कितना पूरा किया, किस पार्टी ने बिहार को नुकसान पहुंचाया और किसने बेहतर काम किया। इन टीमों का काम कन्फ्यूज वोटरों के दिमाग में स्पष्टता लाना है। आरएसएस ने एक प्रयोग हरियाणा में किया था। एनडीए या भाजपा के नाराज वोटरों को मनाने के लिए कुछ वरिष्ठ स्वयंसेवकों की टीमें बनायी गयी थीं। इनका काम लोगों की शिकायतें सुनना था। वे उनसे मिलते, उनकी बातें सुनते थे। उन्हें गुस्सा उतारने देते थे। इसी रणनीति के हिसाब से बिहार में आरएसएस सक्रिय है।

महिला वोटरों पर फोकस, उनके लिए अलग स्ट्रैटजी

बिहार में महिला वोटर निर्णायक हैं। उनके लिए अलग से रणनीति बनी है। आरएसएस से जुड़े महिला संगठन ये काम को अंजाम दे रहे हैं। ये टीमें अलग-अलग उम्र की महिलाओं से मिल रही हैं। घरेलू और पेशेवर महिलाओं के लिए अलग टीमें हैं। आरएसएस ने एक सर्वे भी किया है। उसी के हिसाब से कैटेगरी बनायी गयी है। सर्वे को आधार मानते हुए साथ महिलाओं की लिस्ट तैयार की गयी है। उनके साथ टीमें बैठक कर रही हैं। महिलाओं से पूछा जा रहा है कि उनकी सीट पर कौन सा नेता बेहतर है। पूछा जा रहा है कि उनका नेता कैसा हो और उन्हें किसकी सरकार चाहिए। महिलाएं घर से लेकर बाहर तक हर चीज से प्रभावित होती हैं और करती भी हैं। घर का राशन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कों का माहौल, इनसे जुड़े ऐसे कुछ सवाल महिलाओं से पूछे जा रहे हैं।

फिर उनके जवाब पर मंथन किया जा रहा है। इससे कोई एक चेहरा या फिर उनकी पसंद की सरकार की इमेज निकल कर सामने आये। इसी के आधार पर प्रत्याशियों का भाग्य भी तय होता है कि टिकट मिले तो किसे मिले।

बिहार में आरएसएस की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां आरएसएस की शुरुआत से ही शाखाएं चल रही हैं। जब मार्च 2025 में आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत बिहार आये थे, तो उन्होंने स्वयंसेवकों से बात की थी और मिशन त्रिशूल शुरू करने का ऐलान किया। मिशन त्रिशूल की रणनीति राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास पर आधारित है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में आरएसएस ने अलग-अलग सीटों पर 50 हजार से ज्यादा बैठकें की थीं। इनके जरिये वोटरों को भाजपा के पक्ष में एकजुट किया गया। बिहार में भी इसी तरह काम हो रहा है।

गेम चेंजर है मोदी सरकार का जीएसटी रिफार्म

राकेश सिंह

■ आम आदमी अब जोड़-घटाव करने लगा है कि कहा कितना फायदा

■ ट्रंप के 50% टैरिफ वाली फुलझड़ी का जवाब भी है जीएसटी 2.0

■ देश को नवरात्र की सौगात के साथ महंगाई से भी राहत

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिले की प्राचीर से वादा किया था कि वह जीएसटी का सरलीकरण करेंगे और महज 20 दिन में ही उन्होंने इसे पूरा कर अब तक का शायद सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक लगाया है। खुद पीएम मोदी ने जीएसटी काउंसिल के फैसले का स्वागत करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए इसे मजबूत कदम बताया है। मोदी सरकार ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। जीएसटी काउंसिल के फैसले से यह उद्देश्य हासिल हो गया है। इस फैसले के बाद देश में त्यौहार शुरू होने से पहले ही दिवाली जैसी रौनक है। इस रोशनी से आम आदमी का चेहरा भी चमक रहा है और शेयर बाजार में भी हरा रंग छाया हुआ है। जीएसटी से जुड़ी नयी खबर ने आम लोगों और निवेशकों दोनों को राहत दी है। जीएसटी काउंसिल के फैसलों का असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। इन बदलावों को 22 सितंबर से लागू किया जायेगा। सरकार ने इस बार रोजमर्रा की कई जरूरी चीजों पर जीएसटी दरें घटा दी हैं। इसका फायदा दुकानों से सामान खरीदते समय आम लोगों को कम कीमत चुकाने के रूप में मिलेगा। सबसे बड़ी राहत खाने-पीने के सामान पर दी गयी है। ब्रेड, रोटी और छेना-पनीर पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसके अलावा 33 जरूरी दवाइयों के दाम कम कर दिये गये हैं, जिससे इलाज का खर्च भी घटेगा। जीवन बीमा पर भी पूरी तरह जीएसटी छूट दी गयी है, जिससे पॉलिसी खरीदना अब और सस्ता हो जायेगा। जीएसटी के इस सरलीकरण से मोदी सरकार ने विपक्ष के तमाम हथकंडों की एक झटके में हवा निकाल दी है। क्या है जीएसटी का यह सरलीकरण और इसका क्या होगा असर? **इसे आसान शब्दों में समझने की कोशिश करते हैं।**

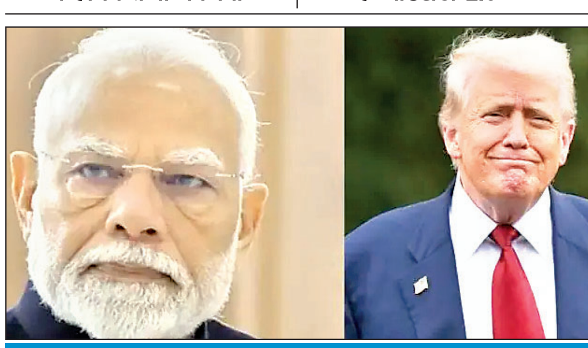

अमेरकिी के टैरिफ वॉर का जवाब

अमेरिका के साथ तनाव के बीच भारत ने ये सुधार किये हैं। डोनाल्ड ट्रंप अपने बतुके टैरिफ को सही ठहराने पर अड़े हुए हैं। मामला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाये गये 50% टैरिफ को सही ठहराया है। प्रशासन का कहना है कि ये टैरिफ यूक्रेन में शांति लाने के लिए जरूरी हैं। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉयर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हुए कहा कि टैरिफ को हटाना अमेरिका के लिए आर्थिक तबाही ला सकता है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25% टैरिफ व्यापार घाटे के कारण और 25% रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया है। अमेरिका की ओर से लगाये गये टैरिफ के नुकसान से नये अप्रत्यक्ष सुधार काफी हद तक भरपाई कर सकते हैं। 50% टैरिफ भारत के करीब 7 लाख करोड़ रुपये के व्यापार को प्रभावित करता है। 27 अगस्त से टैरिफ लागू होते ही पंजाब के इंडस्ट्रियल सेक्टर के ऑर्डर रुक गये। इससे इंडस्ट्री को 30 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा। इनमें कपड़ा, मशीन टूल्स, फास्टनर्स, ऑटो पार्ट्स, स्पोर्ट्स और लेदर, खेती उपकरणों की इंडस्ट्रीज शामिल हैं। वहीं 15 अगस्त को पीएम मोदी का ऐलान ट्रंप के टैरिफ को काउंटर करने का इशारा था। उन्होंने ट्रंप के टैरिफ का तोड़ जीएसटी कम करके निकाला। देश में जीएसटी कम करने से घरेलू मांग बढ़ेगी, जिससे खपत भी बढ़ेगी। यानी भारत सरकार टैरिफ से होने वाले नुकसान को घरेलू आमदनी से कवर करेगी। हालांकि जीएसटी कम होने से सीधा फायदा ग्राहकों को होगा। इससे इकोनॉमी में जो गैप आने का अनुमान था, वो कम हो सकता है। आरबीआइ की रेट कट्स, बजट में इनकम टैक्स में छूट और इन्फ्लेशन कम होने से ये खपत बढ़ेगी।

मोदी सरकार ने जीएसटी में सुधार कर न केवल देश में आर्थिक सुधारों का नया अध्याय लिखा है, बल्कि यह कदम राजनीतिक दृष्टिकोण से भी ऐतिहासिक कहा जा सकता है। ये सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनायेंगे और छोटे व्यापारियों के लिए व्यापार आसान करेंगे। जीएसटी काउंसिल ने मौजूदा 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर केवल दो स्लैब पांच फीसदी और 18 फीसदी को लागू रखने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस कदम से कर ढांचे को सरल बनाने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

अब सिर्फ दो प्रमुख स्लैब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने लंबे समय से चली आ रही कर प्रणाली की जटिलताओं को सरल बनाते हुए केवल दो प्रमुख स्लैब, 5 और 18 प्रतिशत लागू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही विशेष वस्तुओं के लिए एक विशेष स्लैब भी निर्धारित किया गया है। 12 और 28 प्रतिशत वाले स्लैब को खत्म कर देना कर प्रणाली को न केवल और सरल बनायेगा, बल्कि आम जनता और उद्योग जगत दोनों के लिए पारदर्शिता भी लायेगा। यह कदम मोदी सरकार की उस सोच को दशार्ता है, जिसमें सुधार केवल आर्थिक संतुलन तक सीमित नहीं, बल्कि सीधे-सीधे आम लोगों की जेब तक पहुंचते हैं।

विकास की रणनीति

आर्थिक जानकार बताते हैं कि जीएसटी की सफलता के लिए कर प्रणाली को और आसान बनाना जरूरी था। इसलिए जीएसटी में सिर्फ दो टैक्स स्लैब- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रखे जाने चाहिए। विशेषज्ञों ने पहले ही इस बात पर जोर दिया था कि करों में नरमी राजस्व का त्याग नहीं, बल्कि विकास की रणनीति है। उनके अनुसारविकृतियों को कम करके भारत उपभोग बढ़ा सकता है, अनुपालन बढ़ा सकता है और समय के साथ भारी कर संग्रह कर सकता है। इससे विकसित अर्थव्यवस्था बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को बल मिलेगा। कुल मिलाकर जीएसटी में यह बड़ा सुधार मोदी सरकार के 'साधारण कर-सरल जीवन' के दृष्टिकोण को मजबूती देता है। इससे जहां जनता को रोजमर्रा के खर्चों में राहत मिलेगी, वहीं उद्योगों को स्थिर और पारदर्शी कर ढांचा मिलेगा।

राजनीतिक फायदा भी मिलेगा

अगर राजनीतिक फायदे की बात की जाए तो बिहार चुनाव नजदीक है। पश्चिम बंगाल भी कतार में है। ऐसे में जीएसटी जैसे फैसले से देश के हित के साथ ही चुनावी फायदा भी मिल सकता है। जीएसटी से सीधा फायदा मिडिल क्लास और लोअर-मिडिल क्लास को मिलेगा, जो भाजपा का बड़ा वोटर बेस है। दीवाली का फेस्टिव सीजन आने वाला है, सस्ती खरीदारी से सरकार की 'जन-हितैषी' की छवि बनेगी। लेकिन राजनीतिक से ज्यादा जीएसटी रिफार्म की मुख्य वजह ट्रंप का टैरिफ है। अगर यह फैसला अब भी नहीं लिया जाता, तो जीडीपी पर बहुत बुरा असर पड़ सकता था।

अब विस्थापन और पुनर्वास समस्या से छुटकारे का इंतजार

प्रशांत झा

■ हेमंत सोरेन एक-एक कदम बढ़ाते हुए वादा पूरा कर रहे

■ तीन अलग-अलग एकेडमी का भी किया गया गठन

■ राज्य की सांस्कृतिक, साहित्य और कला को दिशा मिलेगी

राज्य के लिए विस्थापन और पुनर्वास एक गंभीर समस्या है। यह नासूर झारखंड की अपनी जननी नहीं है। वर्ष 2000 में राज्य गठन के समय अभिशाप के रुप में झारखंड को यह समस्या मिली थी। हर सरकार में विस्थापन और पुनर्वास एक अहम मुद्दा रहा। हर सरकार ने इसे हल करने की दिशा में कदम उठाने का वादा किया। यह नहीं कह सकते कि पूर्व की सरकार ने इस दिशा में प्रयास नहीं किये। लेकिन सफलता नहीं मिली, तो प्रयास करने के तरीके और मंशा पर सवाल जरूर खड़े होते हैं। इसलिए यह यक्ष प्रश्न आज भी खड़ा है कि क्या विस्थापन और पुनर्वास की समस्या का निदान हो गया? जवाब हर कोई देगा, नहीं। जो दिख भी रहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में जब मौजूदा सरकार का गठन हुआ, तो विस्थापन और पुनर्वास की समस्या मुंह खोले खड़ी उन्हें मिली। राज्य की सड़कों से लेकर विधानसभा सदन तक मुद्दा उठता रहा। अगर आपको हेमंत सोरेन सरकार की पहली कैबिनेट बैठक याद हो, तो हेमंत की बातों को याद करें। उन्होंने वादा किया था कि विस्थापन और पुनर्वास की समस्या का हल निकाला जायेगा। इसके लिए कदम उठाये जा रहे हैं। हेमंत अपने वादे को भूले नहीं। तमाम झंझावतों के बीच धीरे-धीरे एक-एक कर अपने वादों को पूरा कर रहे हैं। बीते मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में उन्होंने झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग (गठन, कार्य, दायित्व) नियमावली 2025 को मंजूरी दी। हेमंत सोरेन हर समय, हर जगह, हर वकतव्य में राज्य की संस्कृति, कला, साहित्य की महत्ता को बताते हैं। इन्हें बचाने और संजोने की बात करते हैं। उन्होंने यह भी साबित किया कि यह केवल उनके भाषण का अंश नहीं है। उनकी सरकार सचमुच राज्य की कला, संस्कृति, साहित्य आदि को संरक्षित करने और संवारने की मंशा रखती है। इसलिए कैबिनेट से इस से संबिंधत अलग-अलग एकेडमी का भी गठन किया। अब इन सभी को धरातल पर उतारने की बारी है। जनता को उम्मीद है कि विस्थापन और पुनववास आयोग हो या अलग-अलग एकडमी, जल्द ही इनके काम धरातल पर दिखने लगेंगे। क्योंकि हेमंत सरकार के बढ़ते एक-एक कदम में सफलता दिख रही है।

कला, संस्कृति और साहित्य को मिलेगी नयी दिशा

झारखंड की सांस्कृतिक, कला और साहित्यक धरोहर किसी से छिपी नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका कई बार प्रदर्शन हो चुका है। राज्य को वाहवाही मिली है। इस धरोहर को आगे बढ़ाना और संरक्षित करना राज्य के लोगों का दायित्व है। यह दायित्व तभी पूरा हो सकता है, जब सरकार मददगार हो। सरकार की मंशा विरासत में मिली इन चीजों को संवारने की हो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साबित कर दिया है कि वह इन चीजों को संवारने की बात केवल अपने भाषणों तक सीमित नहीं रखते हैं। उनकी सरकार कला, संस्कृति और साहित्य को सही मायने में संवारने की इच्छा रखती है। यह पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में लिये गये निर्णय से साफ हो गया है। हेमंत सरकार कैबिनेट ने झारखंड राज्य साहित्य एकेडमी, संगीत-नाट्य एकेडमी और ललित कला एकेडमी के गठन को मंजूरी दी। राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की एकेडमी है। जिसका लाभ दिख रहा है। इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने-विचार आदान-प्रदान करने का मंच मिल रहा है। उन्हें आगे बढ़ने का मौक मिल रहा है। आयोग उन्हें मदद कर रहा है। राज्य स्तर पर झारखंड राज्य साहित्य एकेडमी, संगीत-नाट्य एकेडमी और ललित कला एकेडमी एकेडमी के गठन के बाद निश्चय ही इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण जगी है। आने वाले समय में ये एकेडमी क्रियाशील होंगे, तो लाभ भी धीरे-धीरे दिखने लगेगा।

1.57 लाख परिवारों को होगा लाभ

राज्य में विभिन्न कारणों से 1.57 लाख परिवार विस्थापित हैं। जो वर्षों से विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर दिन समस्या का सामना कर रहे हैं। इनमें एक उम्मीद जगी है। वहीं, इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है कि कुछ आवश्यक कार्य जैसे, सड़क, अस्पताल, बांध, डैम आदि के लिए भविष्य में विस्थापन नहीं होगा। जब विकास के जरूरी काम होंगे तो विस्थापन भी होगा। मौजूदा समय में लोग जमीन देने से हिचकते हैं। विस्थापन, बेरोजगारी और जमीन छीनने का डर सताता है। नतीजतन योजनाओं को धरातल पर उतारने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जब ये पूर्व में विस्थापित लोगों को देखेंगे कि उनकी समस्याओं का निदान हो गया है। उन्हें हर सुविधा मिल रही है। जमीन, रोजगार, जीवनयापन जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वो पूर्व की तरह या उससे अच्छा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। तो विरोध करने वालों की संख्या खुद कम होने लगेगी। लिहाज विस्थधापन आयोग का गठन और नियमावली का तैयार कर हेमंत सरकार ने पहली सीढ़ी सफलता से चढ़ ली है। अब विस्थापन और पुनर्वास आयोग के सही दिशा में क्रियाशील करना है। इसके बाद पूर्व के विस्थापितों की समस्याओं का निदान होगा, तो भविष्य में विस्थापन और पूनर्वास की समस्या भी खड़ी नहीं होगी।

विस्थपितों के हितों की रक्षा होगा

झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग (गठन, कार्य, दायित्व) नियमावली 2025 का उद्देश्य ही विस्थापितों के हितों की रक्षा करना और उनके पुनर्वास के लिए काम करना है। आयोग विस्थापित व्यक्तियों और परिवारों का सामाजिक और आर्थिक अध्ययन करेगा, सामाजिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों और समुदायों की पहचान करेगा, पुनर्वास के लिए सुझाव देगा, सरकारी संस्थाओं को आंकड़े उपलब्ध करायेगा, पुनर्वास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगा। नियमावली के तहत आयोग में एक अध्यक्ष होंगे। जिन्हें सामुदायिक विकास कार्यक्रमों और विस्थापन तथा पुनर्वास के क्षेत्र में 10 वर्षों का कार्य अनुभव रखना आवश्यक होगा। जो सदस्य होंगे, उनमें प्रशासनिक सेवा का रिटायर अधिकारी जो संयुक्त सचिव स्तर से कम का न हो, जिला जज स्तर के विधि विशेषज्ञ, एसटी, एससी और ओबीसी समुदाय से तीन सदस्य और संबंधित क्षेत्र के उपायुक्त, जिला परिषद के अध्यक्ष, संबंधित प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष और पारंपरिक ग्राम प्रधान होंगे। आयोग काम सही तरीके से कर सके इसके लिए सरकार आयोग को समय-समय पर अनुदान के रूप में राशि उपलब्ध करायेगी। जिससे आयोग अपने कार्यों को प्रभावी ढंग से कर सके। सरकार पहली सीढ़ी चढ़ चुकी है, इसलिए लोग विस्थापन और पूनर्वास आयोग के गठन को लेकर प्रसन्नता जाहिर कर रहे हैं। हर वर्ग और हर क्षेत्र से हेमंत सरकार को बधाई दी जा रही है।

नेहा महतो झारखंड ओलंपिक संघ की वरीय उपाध्यक्ष बनीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड तीरंदाजी संघ की वरीय उपाध्यक्ष एवं बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी (सिल्ली) की अध्यक्ष नेहा महतो को झारखंड ओलंपिक संघ का वरीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। झारखंड ओलंपिक संघ के सेक्रेटरी जनरल मधुकांत पाठक ने बताया कि अध्यक्ष आर के आनंद द्वारा नेहा महतो को वरीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पूर्व में 2015 में श्रीमती नेहा महतो के नेतृत्व में बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी को खेल और बाल कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के हाथों राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह सम्मान अकादमी को खिलाड़ियों और बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया था। मधुकांत पाठक ने नेहा महतो को पत्र लिख कर सूचित किया है कि झारखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष आरके आनंद ने उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों, खेल के क्षेत्र में विशेष योगदान और बाल कल्याण के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय भूमिका के लिए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। पत्र में कहा गया है कि नेहा महतो ने झारखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों सहित पूरे राज्य में तीरंदाजी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। यह जानकारी केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान ने दी है।

जल्द जारी होंगे 15वें वित्त आयोग के अनुदान

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह से गुरुवार नयी दिल्ली में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सचिव की मुलाकात हुई। बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग के अनुदान को शीघ्र स्वीकृत करने पर बल दिया गया। दीपिका पांडे सिंह ने स्पष्ट किया कि झारखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राम पंचायतों को सशक्त कर ग्रामीण विकास को नयी दिशा देना है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि 15वें वित्त आयोग की अगली किस्त शीघ्र जारी की जाये, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे गांव-गांव तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि अनुदान जारी होने से ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आधारभूत संरचनाएं मजबूत होंगी। इस पर पंचायती राज मंत्रालय के सचिव ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान आरजीएसए के अंतर्गत अतिरिक्त फंड सहायता, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 प्रशिक्षण, सैटेलाइट आधारित दूरस्थ शिक्षा सुविधा, ग्राम पंचायतों का सोलराइजेशन तथा यूनिफाइड पंचायत डिजिटलाइजेशन से संबंधित प्रस्ताव भी रखे गये। इस अवसर पर उनके साथ विभागीय सचिव मनोज कुमार, निदेशक (पंचायती राज, झारखंड) राजेश्वरी बी तथा भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के निदेशक विपुल उज्जवल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एसबीयू के आकाश बने गूगल स्टूडेंट एंबेसडर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे विवि के एमसीए, थर्ड सेमेस्टर के छात्र आकाश कुमार सिंह का चयन गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर के तौर पर किया गया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें गूगल ने सीमित समय सीमा के भीतर रु. 19,500 प्रति वर्ष वाले गूगल- वन एआई प्रो प्लान की सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को निःशुल्क उपलब्ध करवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस योजना में जेमिनी 2.5 प्रो, नोटबुक एलएम, इमैजेन 4, वियो 3, गूगल कैनवास, टू टीबी क्लाउड स्टोरेज जैसे अत्याधुनिक एआई टूल्स शामिल होंगे।

एसबीयू के छात्र के गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर के तौर पर चयन पर विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान,महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष – कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृष – चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

मिथुन – आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रूचि बढ़ेगी।

कर्क – काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह – आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

कन्या – बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला – समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

वृश्चिक – कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

धनु – आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर – नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ – रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन – किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

DELHI PUBLIC SCHOOL
SAIL Township, Dhurwa, Ranchi- 834004
Ph: 7673822220/21, Web: www.dpsranchi.com, E-mail:info@dpsranchi.com
Happy Teacher's Day 2025
A teacher's gentle guidance holds the eternal power to shape futures, ignite curiosity and spark dreams that light the path ahead. This Teachers' Day, we bow in reverence to the nation builders who empower generations to dream boundlessly, explore fearlessly and achieve gloriously.
Delhi Public School, Ranchi, salutes the relentless spirit of all educators and extends warm wishes on this special day.
Dr. Jaya Chauhan (Principal) & School Management

NANHE KADAM ... a play school
CHAIN OF PREMIUM PRE-SCHOOL
OUR BRANCHES:
1 COMING SOON
First week of October' 25 (Tentatively)
KANKE ROAD BRANCH
New Lake Avenue, Near Cambrian Public School Ranchi, Ph.: 9153971354
2 Line Tank Road, Behind Firayalal, Ranchi | Ph. : 7280045007
3 A-376, Ashok Nagar, Gate No. 6 (Nr. Argora Chowk) Ranchi, | Ph. : 7280045001
4 Near Milanee Club, Bijulia, Ramgarh Cantt, Ramgarh | Ph. : 9153971352
Every child is unique and special to us. We don't treat everyone in a same way. We deal every child in that way, as they need because a genuine child's plea is
Don't teach me the way you can, teach me the way I can.
Founder Director
Mrs. Vibha Singh
Happy Teachers Day

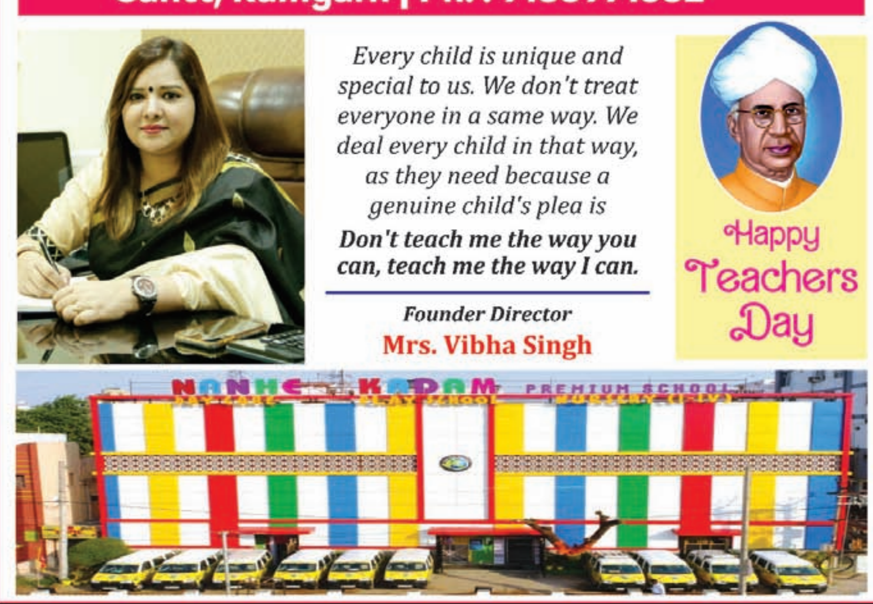

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND | 10000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY | 150+ QUALIFIED, EXP. & MOTIVATED FACULTY | 150+ ACRE CAMPUS
Where dreams BECOME REALITY
300+ | 1500+ | LABS | RAGGING FREE CAMPUS

CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
Faculty of Engg. & Tech
B.Tech
Civil Engineering
Electrical and Electronic Eng.
Computer Science & Eng.
CSE (Artificial Intelligence)
CSE (Cyber Security)
Polytechnic / Diploma
Civil Engineering
Mechanical Eng.
Electrical and Electronic Eng.
Computer Science & Eng.
Electrical Engineering
Faculty of Law
LL.B. B.A. LL.B. B.B.A. LL.B
Faculty of Management
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA)
Faculty of Information Tech.
Bachelor of Computer Application (BCA)
Master of Computer Application (MCA)
Post Graduation in Computer Application (PGDCA)
Faculty of Education
Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
M.A (Education)
Faculty of Arts & Social Science
B.A (Hindi) B.A (English) B.A (Sanskrit)
B.A (Economics) B.A (Psychology)
B.A (Sociology) M.A (Hindi) M.A (English)
M.A (Sanskrit) M.A (Economics)
M.A (Psychology) M.A (Sociology)
Faculty of Pharmacy
Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)
Faculty of Dental Science
Bachelor of Dental Surgery (BDS)
Master of Dental Surgery (MDS)
Faculty of Homeopathy
Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
M.D Homeopathy B.Sc Medical Pathology
B.Sc Medical Biochemistry B.Sc Medical Microbiology
M.Sc Medical Microbiology
M.Sc Medical Pathology
M.Sc Medical Biochemistry
Faculty of Nursing & Allied Health Science
Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
General Nursing and Midwifery (GNM)
Auxiliary Nurse Midwives (ANM)
Paramedical
OT DMLT ECG X-RAY
Medical in Sanitary Inspector
Medical in Ophthalmic Assistant
Medical in Certificate in Dresser
Library Science
B.Lib.I.Sc. M.Lib.I.Sc
Faculty of Science
B.Sc. (Mathematics) B.Sc. (Chemistry) B.Sc. (Physics)
B.Sc. (Botany) B.Sc. (MLT) B.Sc. (Zoology)
B.Sc. (Pathology) B.Sc. (Biochemistry) B.Sc. (Microbiology)
M.Sc. (Mathematics) M.Sc. (Chemistry) M.Sc. (Physics)
M.Sc. (Botany) M.Sc. (Zoology) M.Sc. (Physiology)
M.Sc. (Biochemistry) M.Sc. (MLT) M.Sc (Microbiology)
Faculty of Commerce
B.Com M.Com
TRANSPORT FACILITIES | HOSTEL FACILITIES | LUSH GREEN CAMPUS | WI-FI CAMPUS | WORLD CLASS INFRASTRUCTURE | 100% PLACEMENT ASSISTANCE
Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand | https://bdsu.ac.in/

राम टहल चौधरी इन्टर महाविद्यालय
(GAVS (Regd.) Charitable Mission, Ranchi द्वारा संचालित)
पी0 एच0 ई0 डी0, बुटी, राँची - 834009
A Teacher Presents The Past, Reveals The Present, And Creates The Future.
HAPPY Teacher's Day
विकास कुमार
प्राचार्य
राम टहल चौधरी इन्टर महाविद्यालय
रांची

YBN UNIVERSITY
Established by the Jharkhand Act of 15, 2017 Gazette Notification No. 505 dated 17th July 2017, Published by Govt. of Jharkhand as per Section 2(f) of UGC Act 1956
Rajaulatu, Namkum, Ranchi-834010
APPROVALS
"A LIFE OF JOY AND HAPPINESS IS POSSIBLE ONLY ON THE BASIS OF KNOWLEDGE AND SCIENCE."
HAPPY Teacher's DAY
Sri Ramjee Yadav
Chairman
Mob.: 97095 00400, 70612 61557
Helpline : ybnuniversity2017@gmail.com • Website : www.ybnu.ac.in

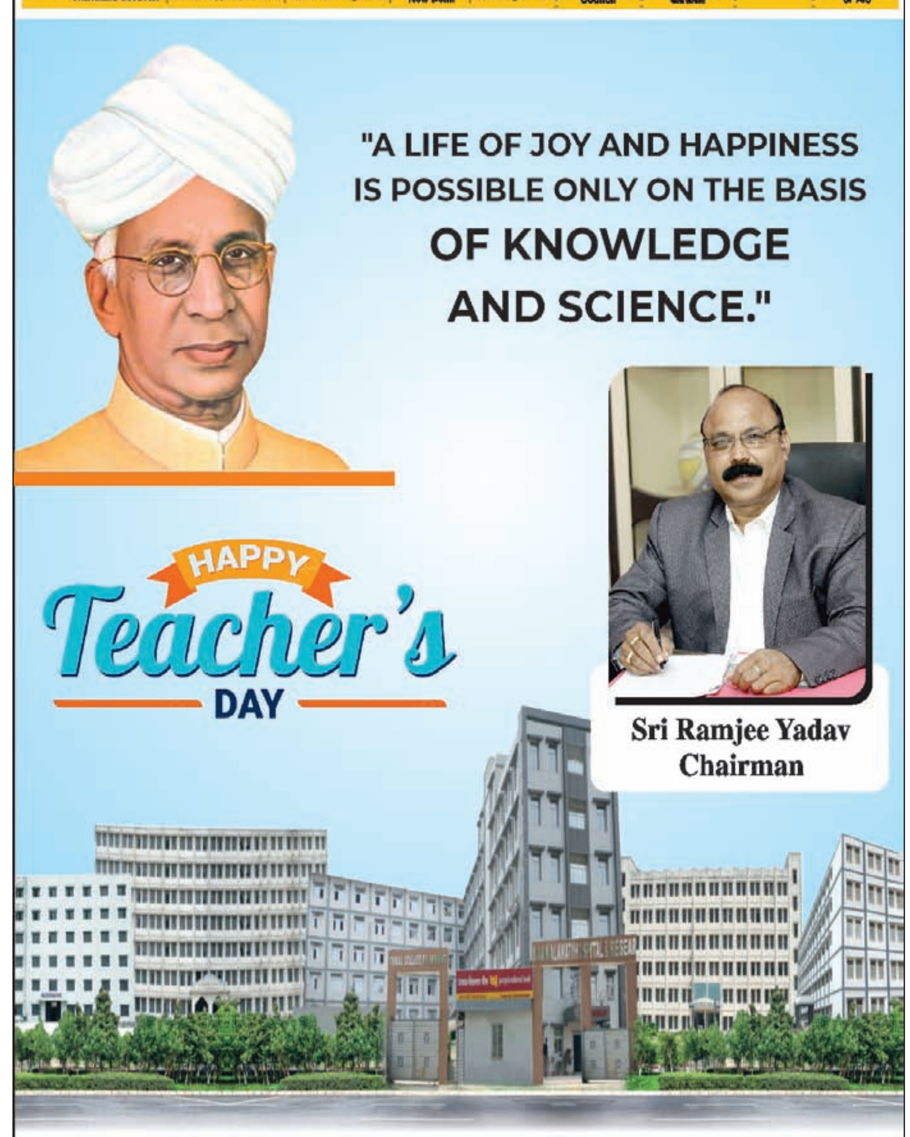

SARALA BIRLA UNIVERSITY
SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
अमृतं तु विद्या
Happy Teachers' Day
5 September 2025
गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णुः गुरूर्देवो महेश्वरः।
गुरूः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।।
info@sbpsranchi.com
www.sbpsranchi.com

भारत के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण पखवाड़ा 17 से : डॉ राधेश्याम अग्रवाल

17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच 4 महापुरुषों ने जन्म लिया है

सभी महापुरुष गांव, गरीब, किसान, अंत्योदय को समर्पित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित सेवा पखवाड़ा के निमित्त दो सत्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल शामिल हुए। डॉ राधामोहन अग्रवाल ने कहा कि आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक का पखवाड़ा भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पखवाड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन है। साथ ही 25 सितंबर को अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है और फिर 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती है। उन्होंने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि इस पखवाड़े में जन्म लेने वाले सभी महापुरुष अंत्योदय के पथिक हैं जिन्होंने गांव, गरीब , किसान,जवान की सेवा में अपना जीवन न्योछावर किया। भाजपा इस पखवाड़ा को सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाते हुए अनेक सामाजिक,सांस्कृतिक कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सेवा पखवाड़े के कार्यक्रम को हम सभी को मिलकर धरातल पर उतारना है। उन्होंने राज्य के कार्यकताओं से कार्यक्रम में रिकॉर्ड स्तर पर जन भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि सेवा पखवाड़ा जनता जनार्दन से सीधा संवाद का अवसर है। हम अपनी नीतियों,कार्यक्रमों विचारों को लेकर जन जन तक जाएं।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि आगामी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जायेगा। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, निवर्तमान अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, कार्यक्रम के संयोजक महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, आरती कुजूर, विकास प्रीतम सिन्हा, सहित प्रदेश पदाधिकारी गण, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी गण, पखवाड़ा के लिए गठित प्रदेश और जिला की टोली शामिल हुई।कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने विषय प्रवेश आदित्य साहू ने और धन्यवाद ज्ञापन सुनीता सिंह ने किया।

जीएसटी में ऐतिहासिक बदलाव झारखंड के विकास के लिए वरदान : डॉ प्रदीप वर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी झारखंड के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) में किये गये हालिया बदलाव केवल कर सुधार नहीं, बल्कि आर्थिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और जनता के विश्वास की नयी गाथा है।

डॉ वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उठाया गया यह कदम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को नयी ऊंचाई देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सुधारों से छोटे व्यापारियों, किसानों, छात्रों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। छोटे व्यापारियों के लिए पंजीकरण, रिटर्न और कर निर्धारण की प्रक्रियाएं बेहद सरल होंगी, जिससे छोटा कारोबार अब बड़ी ताकत बनेगा। शिक्षा क्षेत्र में जीएसटी छूट से छात्रों और अभिभावकों का आर्थिक बोझ घटेगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अधिक सुलभ होगी। कृषि उपकरणों पर कर में रियायत किसानों के लिए बड़ी राहत है, जो झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी। उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे राज्य में नये उद्योग और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

डॉ वर्मा ने कहा कि झारखंड जैसे विकासशील राज्य के लिए यह सुधार एक आर्थिक क्रांति साबित होगा। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार होगा और आत्मनिर्भर झारखंड की दिशा में ठोस कदम आगे बढ़ेगा। उन्होंने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी सरकारों ने दशकों तक जटिल और बोझिल कर व्यवस्था थोपकर न तो व्यापारियों को राहत दी, न ही आम जनता को कोई सुविधा। पुरानी सरकारें केवल टैक्स की राजनीति करती रहीं, जबकि आज मोदी सरकार कर को बोझ नहीं, बल्कि विकास का साधन बना रही है।

डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि आज देश और झारखंड, दोनों मोदी सरकार की दूरदर्शी नीतियों का लाभ देख रहे हैं। जीएसटी सुधार इसका जीवंत प्रमाण है, जो विकास, विश्वास और आत्मनिर्भरता की राह को और मजबूत करेगा।

मोदी सरकार जनता को सुविधा दे रही और राज्य सरकार कर रही है विरोध : राधामोहन अग्रवाल

जनविरोधी सरकार के विरुद्ध झारखंड की जनता करे आंदोलन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल ने राज्य की हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ 50 हजार करोड़ का घाटा सह कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को अपने वादों के अनुरूप जीएसटी दरों में भारी कटौती कर राहत दी है। वहीं दूसरी ओर झारकंड सरकार अपने दो हजार करोड़ का घाटा का रोना रोते हुए विरोध दर्ज कर रही। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने तो कभी पैसे की कमी का रोना नहीं रोया। आज दुनिया का औसत विकास दर मात्र 3% है तो भारत का विकास दर पिछली तिमाही में 7.8% रहा है। कहा कि जबकि प्रधानमंत्री ने बजट में 12 लाख तक की आय पर टैक्स जीरो कर दिया है, जिससे भारत सरकार को तीन लाख करोड़ रुपये की आय घटी और अब जीएसटी में स्लैब घटाया तो 50 हजार करोड़ रुपये का घाटा होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को जनता की भलाई के लिए उठाये कदम का स्वागत करना चाहिए था, लेकिन अपनी सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और नाकामियों को छुपाने के लिए राज्य सरकार पैसे का रोना रोती है। उन्होंने देश की 144 करोड़ जनता के हित में मोदी सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसले का भारतीय जनता पार्टी स्वागत और अभिनंदन करती है। देश की जनता को यह मोदी सरकार की ओर से त्योहारों के लिए बड़ा तोहफा है। कहा कि जीएसटी दरों में आम जनता से जुड़ी दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं पर भारी कमी की गयी है। अब जीएसटी की दरें दो कर दी गयी, जिसमें 5%और 18% शामिल है, जबकि विलासिता की वस्तुओं पर 40% का स्लैब किया गया है। कहा कि खाने पीने की चीजें हों या फिर बच्चों की पढ़ाई लिखाई की वस्तुएं, मेडिकल कीट हों या किसानों के लिए कृषि यंत्र सभी सस्ते किये गये है। कहा कि आयुष्मान भारत योजना के बाद अब हेल्थ इंश्योरेंस को भी बहुत सस्ता कर दिया गया है। कहा कि गंभीर बीमारियों की दवाइयां भी अब बहुत सस्ती हो गयी हैं। कहा कि निर्माण क्षेत्र में सीमेंट का दाम घटने से आम आदमी की घर बनाने में बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को जवाब देना चाहिए कि आखिर अमीर गरीब के लिए एक जैसा टैक्स स्लैब लाने की बात कर राहुल गांधी जनता को कैसी अर्थ व्यवस्था देने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सारा धन 22 पसेरी करना चाहते हैं। प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रवक्ता अजय साह भी शामिल थे।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने डॉ राधामोहन अग्रवाल के बयान पर किया पलटवार, कहा

जीएसटी कम करने की जगह लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल के बयान पलटवार करते हुए कहा कि जीएसटी के माध्यम आवश्यक वस्तुओं की कीमत को कम करने की जगह लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से गब्बर सिंह टैक्स में एकरूपता लाने की बात कहती रही है। वहीं कौंसिल की बैठक में इस स्लैब के कारण सभी राज्यों ने अपने लिए क्षतिपूर्ति की मांग की है। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भी 2000 करोड़ रुपये की क्षति का अनुमान किया है, जिसे बीजेपी के महामंत्री ने नकारने का काम किया है। झारखंड एक वेलफेयर स्टेट है, इसे सहयोग की आवश्यकता है।

मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि नेशनल न्यूज ब्रांड कास्टिंग एसोसिएशन ने लिख कर वित्त मंत्री से मुलाकात कर मांग की थी, कार हायरिंग और उनके स्टाफ कैमरा में न्यूज रिपोर्टर पर जो खर्च आयेगा, उसे आइटीसी यानी इनपुट टैक्स क्रेडिट की सुविधा दी जाये। दूसरी मांग थी कि उनके एंड स्पेस पर जो जीएसटी लगता है, उसका समय टाइम चेंज कर दिया जाये। अभी बिल बनने के साथ टैक्स की लायबिलिटी बन जाती है, परंतु पेमेंट आने में 120 से 180 दिन तक लग जाते हैं, जिससे उनकी पूंजी ब्लाक हो जाती है। इसलिए पेमेंट के टाइम पर जीएसटी लगे तो आसान होगा, पर यह बात नहीं मानी गयी।

कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि इस उल्टे कर ढांचे के कारण व्यवसाय, उद्योग और एमएसएमइ (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी व्यापार करने में आसानी नहीं होगी। उन्होंने इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की बात कही, ताकि सभी को समान रूप से फायदा मिल सके।

जीएसटी सुधार केवल दरों में कमी नहीं, बल्कि संरचनात्मक बदलावों का बड़ा मार्ग : महेश पोद्दार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद (राज्यसभा), झारखंड महेश पोद्दार ने कहा कि मैं जीएसटी को देश की अर्थप्रणाली का अब तक का सबसे बड़ा रिफॉर्म मानता हूं। जीएसटी काउंसिल की बैठक ने यह साबित कर दिया कि यह व्यवस्था केवल कर संग्रह का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक सुधारों का जीवंत और गतिशील ढांचा है। दो दिनों की बैठक एक दिन में ही समाप्त। इस बैठक की सबसे बड़ी विशेषता रही कि सभी राज्यों ने एक ही दिन में सर्वसम्मति से निर्णय लिये। भारतीय संघीय ढांचे में ऐसी सहमति कल्पना के परे थी। बहुत छोटे व्यापारी निबंधन सीमा के बाहर हैं, लेकिन जो पंजीकृत व्यापारी हैं, उनके लिए यह सुधार रोजमर्रा के व्यवहार और कारोबारी माहौल को बदलने वाले हैं। जीएसटी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अब बेहद सरल हो गयी है। तीन दिनों के भीतर अनुमानी आधार पर पंजीकरण संभव होगा। रिफंड और कंप्लायंस नियमों में सुधार से नकदी प्रवाह की समस्या कम होगी। ईमानदार करदाता व्यापारी अब धोखेबाज प्रतिस्पर्धियों से सुरक्षित माहौल में व्यापार कर पायेंगे। देश ने देखा है किस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके कुछ देशी साथी इसे डूबा जहाज बता रहे थे। उन्हीं के वित्त मंत्री कर बढ़ोतरी को देख हाय तौबा कर रहे थे। इस आत्मविश्वास का नतीजा है कि जीएसटी में अब चार की जगह दो स्लैब, गलती की गुंजाइश कम, कंप्लायंस बेहतर।

जीएसटी ने दी बड़ी राहत : डॉ अभिषेक

रांची (आजाद सिपाही)। डॉ अभिषेक रामाधीन ने कहा की 33 जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी घटाकर शून्य% कर दिया गया है। अधिकांश अन्य दवाओं पर घटा कर 5% कर दिया गया है। चिकित्सा उपकरणों, डायग्नोस्टिक किट, सर्जिकल उपकरणों, ग्लूकोमीटर और ऑक्सीजन उपकरणों पर 5% कर दिया गया है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर 18% से घटा कर 0% जीएसटी कर दिया गया है। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

जीएसटी राहत एलान चुनावी हथकंडा, गब्बर सिंह टैक्स की वसूली का हिसाब दे मोदी सरकार : विनोद पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने केंद्र सरकार के हालिया जीएसटी राहत एलान को चुनावी हथकंडा बताते हुए कहा कि यह कदम जनता के हित में नहीं, बल्कि भाजपा की मजबूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह राहत वास्तव में जरूरी थी, तो पिछले सात वर्षों से जनता पर तथाकथित गब्बर सिंह टैक्स क्यों थोपा गया?

विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि वर्षों तक दाल-चावल, बच्चों की कॉपी-किताब, दवाइयों और कृषि उपकरणों तक पर टैक्स वसूलने का हिसाब कौन देगा। जब जनता महंगाई से त्रस्त है तो पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतें क्यों नहीं घटाई गयीं? बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर केंद्र की चुप्पी क्यों है? उन्होंने सवाल किया कि जब किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी मांग रहे थे, तब केंद्र पीछे क्यों हटा।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने लगातार जनकल्याणकारी मदों में कटौती की। मनरेगा का बजट घटा कर गरीबों की जीवनरेखा कमजोर की गयी। मिड डे मील और शिक्षा मद में कमी की गयी, जबकि झारखंड सरकार अबुआ आवास, अबुआ स्वास्थ्य, सर्वजन पेंशन और मंइयां सम्मान जैसी योजनाओं के जरिए गरीबों और जरूरतमंदों को राहत पहुंचा रही है। खाद्य सुरक्षा मद में कटौती के बावजूद हेमंत सरकार ने हर घर को 5 किलो अतिरिक्त चावल देने का फैसला किया।

विनोद पांडेय ने कहा कि बेरोजगारी चरम पर होने के बावजूद केंद्र नौकरियां देने में विफल रहा, जबकि राज्य सरकार ने सहिया साथी, फेलोशिप और रोजगार सृजन योजनाओं पर गंभीरता से काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को झारखंड सरकार पर टिप्पणी करने से पहले केंद्र की जनविरोधी नीतियों का जवाब देना चाहिए। भाजपा का राहत पैकेज सिर्फ चुनावी छलावा है और जनता इसे भलीभांति समझती है। समय आने पर झारखंड की जनता इस राजनीतिक नौटंकी का जवाब देगी।

झामुमो के सवाल

- केंद्र ने मनरेगा, मिड डे मील, शिक्षा और खाद्य सुरक्षा बजट में लगातार कटौती की, जबकि झारखंड सरकार ने अबुआ आवास, अबुआ स्वास्थ्य, सर्वजन पेंशन, मंईयां सम्मान जैसी लोकप्रिय योजनाएं लागू की।
- पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेंडर के दाम क्यों नहीं घटाये गये? बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर भाजपा खामोश क्यों है?
- झामुमो ने साफ कहा कि हेमंत सरकार जनता के हित में लगातार काम कर रही है और भाजपा का राहत पैकेज सिर्फ चुनावी छलावा है।

मोदी सरकार के जीएसटी रिफॉर्म पर रक्षा राज्य मंत्री का बयान

आत्मनिर्भर बन रहे भारत को मजबूत बनायेगा जीएसटी रिफॉर्म : संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। त्योहार के मौसम में राष्ट्र को जीएसटी रिफॉर्म के तहत दिये गये ऐतिहासिक उपहार के लिए रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया है। श्री सेठ ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि नये भारत में नये जीएसटी रिफॉर्म का यह कदम आत्मनिर्भर भारत को और भी मजबूती प्रदान करेगा। इस सुधार से मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों को आगे बढ़ाने में और भी मदद मिलेगी। यह मोदी सरकार की 140 करोड़ देशवासियों को दी गयी, वो सौगात है, जो विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से वादा किया था कि इस दीपावली जीएसटी में नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म से देशवासियों को डबल बोनस मिलने वाला है।

श्री सेठ ने कहा कि अब टैक्स के केवल 5% और 18% के 2 ही स्लैब होंगे। इस सुधार का फायदा देश के आम जन के जीवन में देखने को मिलेगा। स्वास्थ्य बीमा, स्वास्थ्य संबंधी जरूरी चीज, शिक्षा से जुड़ी जरूरी चीज; इन सबको पूर्णतः जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। जीवन रक्षक दवाएं भी जीएसटी से मुक्त हो चुकी हैं। रोजमर्रा के जीवन में उपयोग होने वाली सामग्री, किसानों के लिए जरूरी उपकरण, छोटे और मध्यम वर्ग के द्वारा उपयोग की जाने वाली गाड़ियां जैसी वस्तुओं पर जीएसटी को न्यूनतम किया गया है। निःसंदेह यह कदम देश की जनता के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन लाने वाला होगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता है कि वह देश के हर वर्ग की जरूरत का ध्यान रखते हैं। मोदी सरकार का यह निर्णय आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ते भारत का वह कदम है, जो हमें विकसित भारत तक ले जाने में सफलता दिलायेगा। इस सुधार का फायदा गरीब एवं मिडिल क्लास से लेकर हर छोटे-बड़े उद्यमी को होगा।

जीएसटी में सुधार मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत : अन्नपूर्णा

जीवन जीने में आसानी को नया बल मिलेगा

अगली पीढ़ी का जीएसटी से विकसित भारत की दिशा मजबूत हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने जीएसटी परिषद द्वारा लिये गये ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मार्गदर्शन में परिषद ने कर ढांचे को सरल बनाते हुए अब केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत जीएसटी स्लैब को बनाये रखने और 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस कदम से रोजमर्रा की उपभोग वस्तुएं, किसानों के उपकरण, शिक्षा सामग्री, स्वास्थ्य सेवाएं और इलेक्ट्रॉनिक सामान सस्ते होंगे।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह सुधार मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देने के साथ-साथ महिलाओं, किसानों और छोटे उद्यमियों को भी व्यापक लाभ पहुंचायेगा। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के जीवन जीने में आसानी और आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में एक ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को गति देगा और विकसित भारत के लक्ष्य को और सशक्त बनायेगा।

जीएसटी पर आठ वर्ष बाद खुली केंद्र सरकार की आंख : कांग्रेस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि देश में सरकार एनडीए की है, लेकिन सिस्टम कांग्रेस का चल रहा है। दूध, दही, पेंसिल किताबों, कृषि उपकरण, जीवन रक्षक दवाओं, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी लगाकर कमाई करने वाली सरकार की आंखें आठ वर्षों बाद खुली तब उसे आम आदमी की तकलीफ दिखाई पडी। जीएसटी स्लैब में केंद्र सरकार की ओर से कमी किए जाने की घोषणा पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मोदी सरकार की जीएसटी नीति का नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्ष 2016 में ही विरोध किया था। केंद्र की जीएसटी नीति का कांग्रेस मुखर विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी से आम उपभोक्ता, किसान और छात्रों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का पूरा विश्लेषण सरकार के समक्ष रखा था, लेकिन केंद्र सरकार ने लोगों की परेशानियों को दरकिनार कर औद्योगिक समूहों को लाभ पहुंचाने की नीयत से बेतुका स्लैब जारी रखा गया। उन्होंने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने दो प्रमुख नीतियों जातिगत जनगणना और जीएसटी स्लैब में संशोधन का निर्णय लेकर बता दिया कि कांग्रेस की नीतियां जनहित की रही है।

सैनिकों को इमरजेंसी चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए लगाये भीष्म क्यूब्स

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। सैनिकों को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा देने के लिए पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में बेहद अत्याधुनिक सुविधा बहाल की गयी है। भीष्म क्यूब्स की स्थापना कर सैनिकों को इमरजेंसी में जीवन रक्षक दवाइयां उपलब्ध कराने और अन्य चिकित्सीय सुविधा देने का इंतजाम किया गया है। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में दो अत्याधुनिक भिष्म क्यूब्स स्थापित किये गये। जो कि बहुत अल्प समय में गंभीर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किये गये हैं। यह पहल महानिदेशक (इन्फेंट्री) और आइसीआइसीआइ फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों द्वारा संभव हुआ।

'गोल्डन ऑवर' में मिलेगी इलाज की सुविधा: आसानी से स्थापित किये जाने योग्य प्रत्येक भिष्म क्यूब जीवन-रक्षक दवाइयों और आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है। ताकि आपात स्थित में तुरंत चिकित्सा सहायता मिल सके। इसकी सबसे बड़ी शक्ति 'गोल्डन ऑवर' यानी संकट की घड़ी में प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने की क्षमता है।

सैनिकों को चार दिनों तक दिया प्रशिक्षण

सभी सैनिकों द्वारा सही उपयोग और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, ग्रीनजीनोम इंडिया प्रा. लि द्वारा चार दिवसीय प्रशिक्षण कैप्सूल आयोजित किया गया। 1 से 4 सितम्बर तक यह प्रशिक्षण पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में आयोजित किया गया। जिसमें प्रत्येक जवान आत्मविश्वास के साथ इस सुविधा को संचालित कर सके और फील्ड में तुरंत चिकित्सा सहायता पहुंच सकें।

चिकित्सकों की मौजूदगी में हुआ प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में सिविल डाक्टरों ने भी भाग लिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जरुरत पड़ने पर यह अत्याधुनिक उपकरण आसानी से सिविल चिकित्सा मशीनरी के साथ एकीकृत हो सके। इस पहल के साथ, भारतीय सेना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह तकनीक और करुणा को जोड़ने में अग्रिणी है। सेना अपने सैनिकों के जीवन की सुरक्षा और जरूरत पड़ने पर समय पर सहायता पहुंचाने के संकल्प को मजबूती से दोहराती है।

कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने रंधीर गुप्ता

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रंधीर गुप्ता को बनाये जाने के बाद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार की शाम शहर के ब्लॉक स्थित चेकनाका के समीप गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुन्ना पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, जिला महासचिव संजय साव, नगर अध्यक्ष बलराम साव, संजीव खंडेलवाल, दानिश कुरैसी, अनिल मुंडा, गगन करमाली, पिंटू नायक, जे होरा, जे के अग्रवाल, सूरज पासवान सहित कई कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ रंधीर गुप्ता का माल्यार्पण व फूलों का गुच्छा देकर स्वागत किया। वहीं रंधीर गुप्ता ने कहा कि वे पिछड़ी जाति के लोगों के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत होकर उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे। साथ ही समाजिक विकास में भी सहभागिता निभायेंगे। ओबीसी मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर उन्होंने प्रदेश के पदाधिकारियों के प्रति आभार भी जताया।

अज्ञात शव की पहचान को लेकर लोगों से अपील

कुजू (आजाद सिपाही)। कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने गत 9 माह पूर्व मिले अज्ञात शव की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए आम लोगों से अपील की है। कहा है कि विगत 10 दिसंबर 2024 को ओपी क्षेत्र अंतर्गत बिरसा चौक के समीप से कुजू पुलिस ने एक शव बरामद किया था। जिसका उम्र करीब 35 वर्ष, रंग सांवला एवं लम्बाई करीब 5 फीट 5 इंच है। 9 माह बीत जाने के बाद भी अभी तक उक्त शव की पहचान नहीं हो पाई है। शव की पहचान सुनिश्चित करने हेतु ओपी प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से शव संबंधित किसी तरह की सूचना दूरभाष संख्या 6205271895 और 8580133365 पर देने की बात कही है।

करम अखड़ा में शामिल हुई विधायक, की पूजा-अर्चना

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शहर के विभिन्न करम अखड़ा में विधायक ममता देवी ने शामिल होकर क्षेत्रवासियों के साथ करम परब की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर उन्होंने करम गोसाई की पूजा-अर्चना की और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि करम परब हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, सामाजिक एकता और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। विधायक ने कहा कि करम परब सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि यह हमें पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने और समाज में भाईचारे को बढ़ाने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मैं कामना करती हूं कि करम गोसाई की कृपा से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहे। इस अवसर पर विधायक ने युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण कलाकारों को करम नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए प्रोत्साहित किया। मौके पर जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान ,पंकज तिवारी, बलराम साहु, रंधीर गुप्ता, संजय साव, अनिल मुंडा, गगन करमाली, गोपाल मुंडा आदि उपस्थित थे।

पत्थर माइंस में डूबने से युवक की मौत

भदानीनगर (आजाद सिपाही)। भदानीनगर ग्राम पाली स्थित पत्थर माइंस में डूबने से एक युवक की मौत हो गई, जानकारी अनुसार बिरजू बेदिया उम्र 30 वर्ष पिता कलसू बेदिया जो कल दोपहर से लापता था जिसे लेकर परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किया जा रहा था, जिसके बाद गुरुवार सुबह पत्थर माइंस के पास उसका एक कपड़ा मिला जिसके बाद ग्रामीणों को अंदेशा हो गया कि बिरजू बेदिया पत्थर माइंस के पोखर में ही डूबा हुआ है, और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गयी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग रस्सी झगर के माध्यम से काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। जिसके बाद सैंकड़ों की संख्या में भीड़ जुट गई और ग्रामीणों द्वारा शव को उक्त स्थल पर रखकर मुआवजा राशि को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, और माइंस के पूर्व व वर्तमान संचालक घटनास्थल पर मौजूद थे। लेकिन संचालक और ग्रामीणों के बीच वार्ता सफल नहीं हो सका। खबर लिखे जाने तक संध्या छह बजे तक माइंस संचालक से वार्ता नहीं होने के कारण परिजन शव के साथ घटना स्थल पर डटे है।

गोला में हर्षोल्लास के साथ करमा संपन्न

गोला (आजाद सिपाही)। गोला में करमा का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बुधवार देर रात को करमा डाल की पूजा की गयी। तत्पश्चात गांव के पहान द्वारा करमा धरमा का कहानी सुनाया गया। इस दौरान करमईतिन अखरा में परंपरागत वस्त्र धारण किये हुए थे। वहीं मांदर और नगाड़े के थाप पर करमा पर्व का लोकगीत रात भर चलता रहा। क्षेत्र के चोकाद, सोसो कलां, मगनपुर, हेमतपुर, बेटूलखुर्द आदि गांव के अखरा में करमा पूजा की गयी। इस अवसर पर पूर्व मुखिया बजरंग कुमार महथा ने कहा कि यह पर्व भाई-बहनों के प्यार का प्रतीक है।

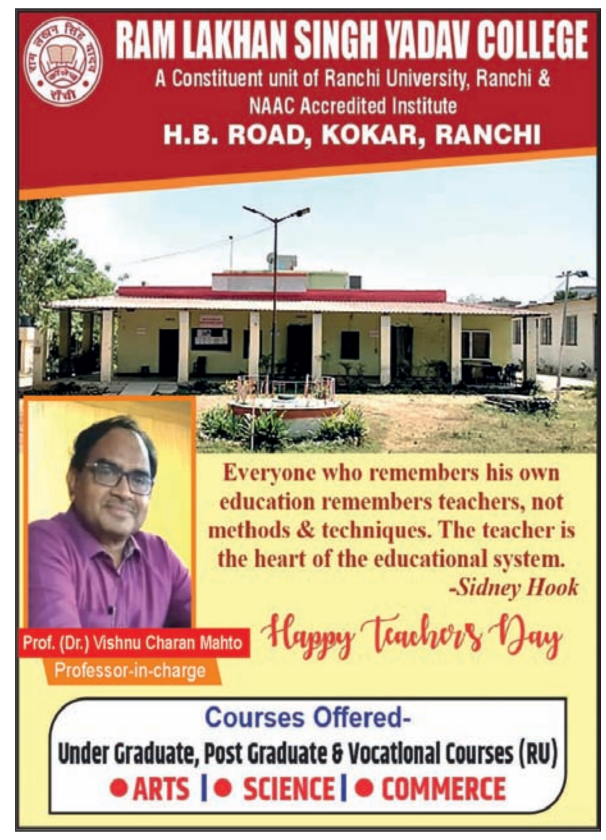

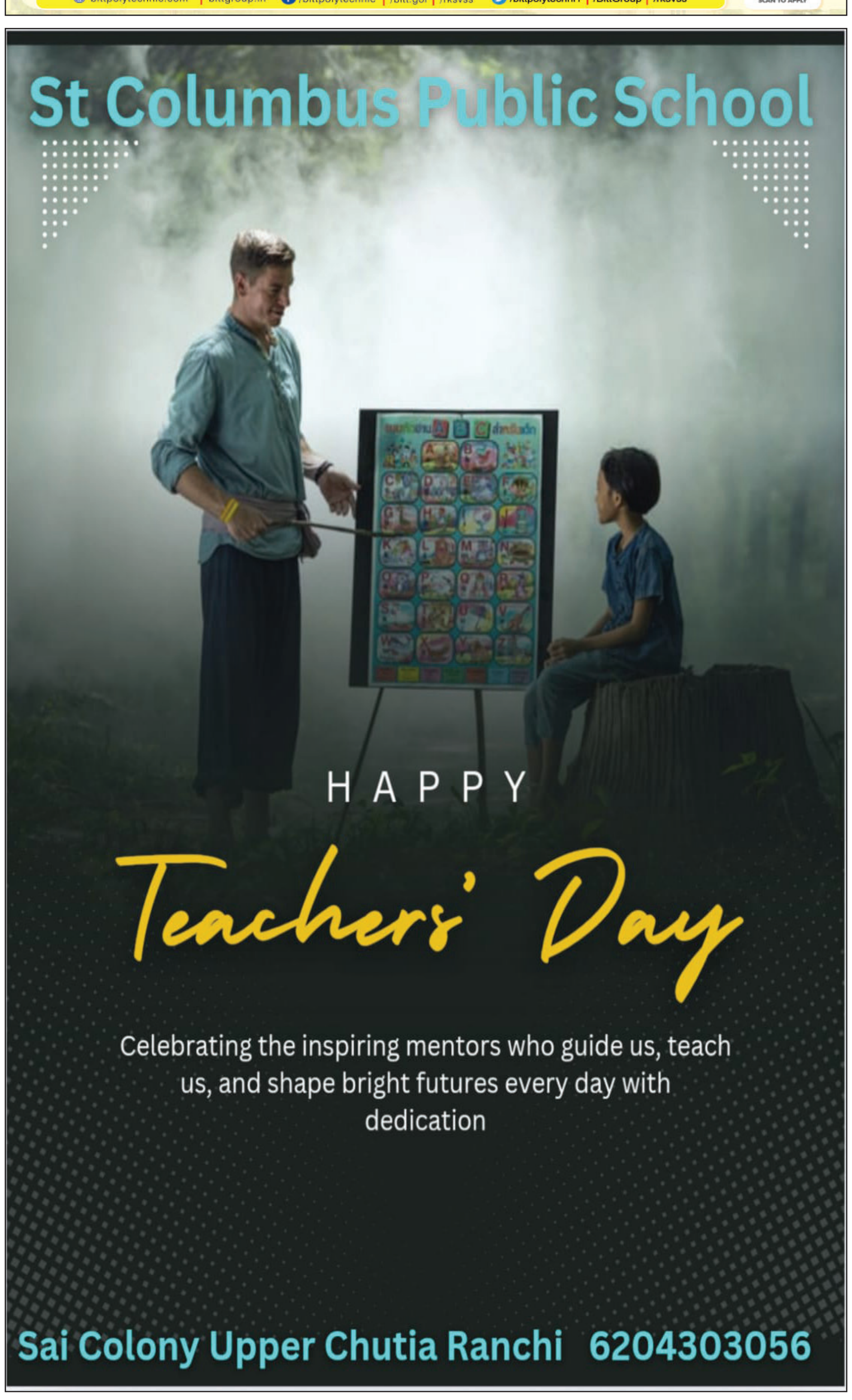

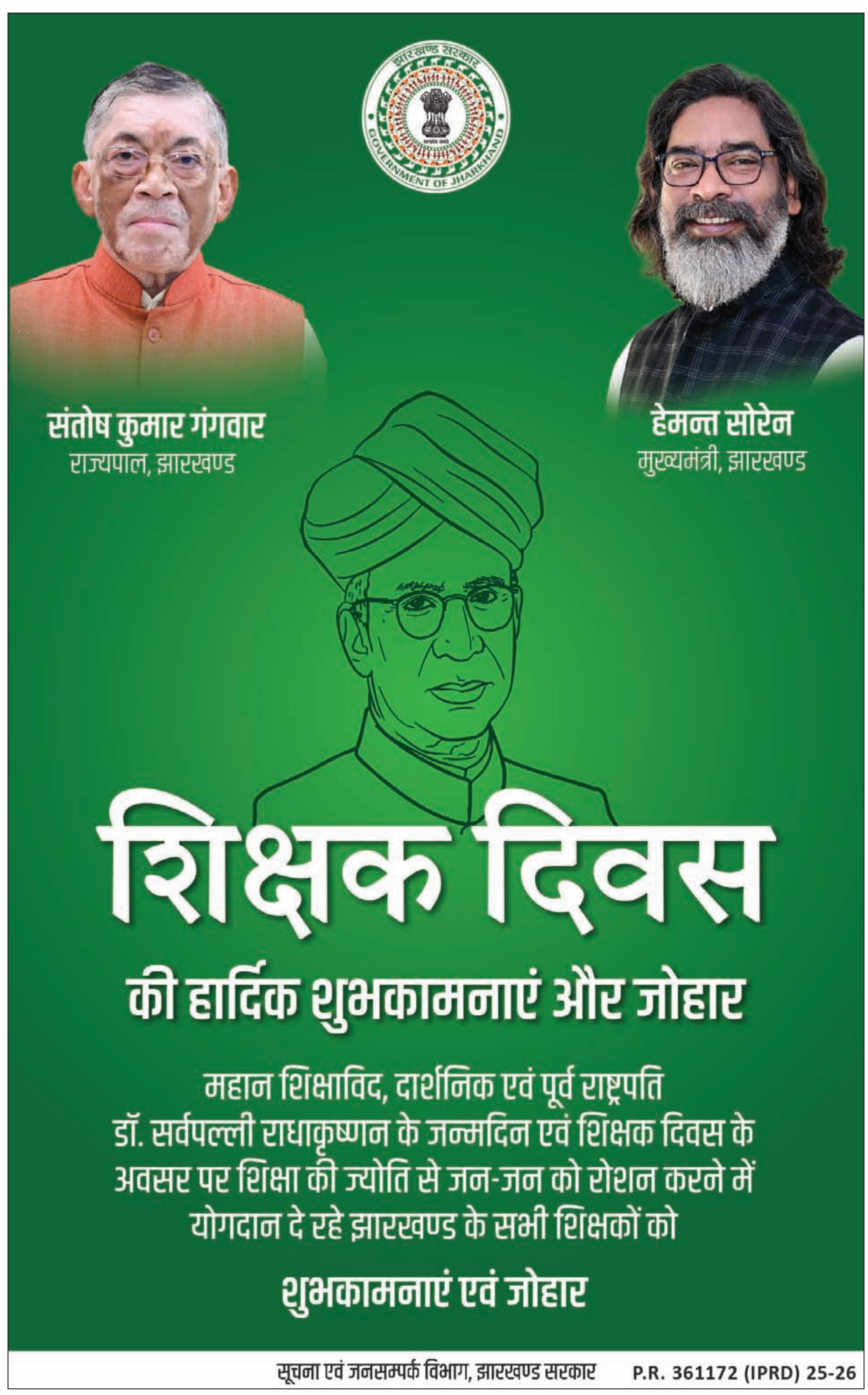

हजारीबाग में महापुरुषों की प्रतिमाओं को बनाया जा रहा निशाना

सिदो-कान्हू के बाद अब नीलांबर और पीतांबर की प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त

आदिवासी नेता विजय सिंह भोक्ता ने कहा कि हजारीबाग में अब आदिवासियों को उकसाने की कोशिश हो रही है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर में महापुरुषों की प्रतिमाओं को खंडित करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो दिन पूर्व शहर के सिदो-कान्हू चौक पर सिदो-कान्हू की प्रतिमा खंडित किये जाने के बाद अब नीलांबर-पीतांबर चौक स्थित 1857 क्रांति के वीर योद्धा नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की गयी है। असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा का धनुष तोड़ दिया। इसके बाद आदिवासी समाज में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का आरोप है कि यह सुनियोजित साजिश के तहत हो रहा है। इसमें आदिवासी महापुरुषों को निशाना बनाया जा रहा है। आदिवासी नेता विजय सिंह भोक्ता ने कहा कि हजारीबाग में अब आदिवासियों को उकसाने की कोशिश हो रही है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाये और सभी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीओ बैजनाथ कामती, सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह, कोर्रा प्रभारी अजीत कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है।

हजारीबाग के अनुमंडल अधिकारी वैधनाथ कामति ने बताया कि प्रशासन इन घटनाओं को लेकर गंभीर है और हर एक पहलू पर जांच की जा रही है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि नीलांबर-पीतांबर चौक पर स्थापित महान क्रांतिकारी नीलांबर-पीतांबर भोगता की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त करने का प्रयास अत्यंत निंदनीय है। तत्काल ही जिला प्रशासन से बात कर पूरी जानकारी दी और इस घटना को गंभीरता से लेने को कहा। वहीं कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने दोषियों को शीघ्र चिन्हित कर उन पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही जीप चेयरमैन उमेश मेहता, समाजसेवी बटेश्वर मेहता, कांग्रेस नेता बिनोद कुशवाहा, कांग्रेस नेत्री रेणु कुमारी ने कहा कि हम अपने वीर शहीदों का अपमान किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेंगे। घटना पर आदिवासी नेता महेंद्र बेक, रमेश हेंब्रम, विक्की धान समेत अन्य नेताओं ने घटना पर दुख जाहिर किया है।

शिव शिष्य साहब हरींद्रानंद की तृतीय पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शिव शिष्यता के जनक और इस कालखंड के प्रथम शिव शिष्य साहब हरींद्रानंद की तृतीय पुण्यतिथि पुराना विधानसभा में गुरुवार को शिव शिष्यों द्वारा पुण्य स्मृति दिवस के रूप में मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह नौ बजे से शिव नाम संकीर्तन एवं जागरण भजन से हुआ। तत्पश्चात वरेण्य गुरुभ्राता साहब हरीन्द्रानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर मुख्य सलाहकार अर्चित आनंद ने बताया कि देश विदेश में शिवशिष्यों ने अपने स्तर पर पुण्यस्मृति दिवस का आयोजन किया। इसमें वृद्धाश्रम, अनाथालय में सहयोग सहित वृक्षारोपण भी कर रहे हैं। श्रद्धाजलि सभा में प्रो रामेश्वर मंडल, अर्चित आनंद, बरखा आनंद, डॉ अमित कुमार, अनुनीता आनंद, अभिनव आनंद एवं निहारिका आनंद आदि उपस्थित रहे। भारत के विभिन्न राज्यों से आये लोगों ने वरेण्य गुरुभ्राता के तृतीय पुण्य स्मृति दिवस में भाग लिया। विभिन्न राज्यों सहित नेपाल आदि अन्य देशों से कई लोग आये।

विदित हो कि हृदय संबंधी रोग की वजह से 4 सितंबर 2022 को साहब हरींद्रानंद शिवलीन हुए। बिहार के सिवान जिले के अमलोरी ग्राम में 31 अक्टूबर सन 1948 को साहब हरींद्रानन्द का जन्म हुआ था। इनकी कर्मभूमि भी बिहार रही। सरकारी नौकरी से अवकाश ग्रहण के पश्चात झारखंड आ गये। वरेण्य गुरुभ्राता हरींद्रानंद व्यापक्ता और प्रसिद्धि वैश्विक स्तर पर रही। अपने जीवन काल में साहब हरींद्रानंद ने जनमानस को शिव के गुरु स्वरूप से जोड़ने के लिए सन 1975 ई से लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने लोगों को बताया कि शिव गुरु हैं। इस धरती का एक एक मानव चाहे वह जिस जाती, धर्म का हों, शिव को अपना गुरु बना सकता है। इस धरती का हर मानव शिव शिष्य होने की पात्रता धारित करता है। जैसे चंदा मामा सबके मामा हैं, वैसे ही शिव घर घर के बाबा हैं। भगवान शिव से हम सभी संतान, पैसा, परिवार, प्रसिद्धि, ऐश्वर्य मांगते हैं। उनसे ज्ञान कोई नहीं मांगता। वह पंचानन, सदाशिव, दक्षिणामूर्ति विश्व गुरु हैं। उन्हें जगत गुरु कहा गया है।

समाज में छुआछूत की भावना को दूर करते हुए काम करना है : नीरज हिरोड़िया

वनबंधु परिषद् की राष्ट्रीय माहिला समिति की वार्षिक बैठक संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वनबंधु परिषद् की राष्ट्रीय माहिला समिति की वार्षिक बैठक का समापन 4 सितंबर को हुआ। सत्र का आरंभ जयश्री गोयल के स्वागत नृत्य से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनिता जाजू ने स्वागत उद्बोधन दिया। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय समिति ने मंच पर अपना स्थान ग्रहण किया।

केंद्रीय सहमंत्री एवं राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर नीरज हिरोड़िया भी उपस्थित हुए। उन्होंने महिला समिति को एकजुट होकर कार्य करने का सलाह दी। साथ ही, हमें समाज में एक समान रह कर कार्य करने एवं परिवार, पर्यावरण की सुरक्षा की ओर आगे आकर कार्य करना है। समाज में छुआछूत की भावना को दूर करते हुए कार्य करना है, जिससे मेरा भारत समृद्धि एवं सशक्त बने। श्री हिरोड़िया ने प्राचीन इतिहास से लेकर आज तक की परिस्थिति व्यवस्थाओं पर और प्रकाश डाला। गुरुकुल योजना द्वारा शहरी बच्चों में सनातन संस्कारों को विकसित करने की पहल पर जोर दिया। समितियों की रिपोर्टिंग के साथ संस्था के विभिन्न आयामों पर अलग-अलग समिति के सदस्यों ने विचार व्यक्त किये। सभी समिति को प्रशिक्षण भी दिया गया। इसमें बताया गया कि कैसे काम करना है। समाज को एक साथ लेकर चलना है। सभी स्टेट से आये अच्छा काम करने वाली समिति को सम्मानित किया गया। सभी पदधारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला। सचिव रेनू कनोडिया ने संचालन किया।

लिटिल फ्लावर प्ले स्कूल में हेल्दी हैबिट्स पर जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लिटिल फ्लावर प्ले स्कूल, हरमू में डेली वैलनेस एंड न्यूट्रिशन सेंटर के तत्वावधान में एक विशेष हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ वेलनेस कोच सुजीत कुमार ने कहा कि आज के समय में बच्चों का एक्टिव रहना और उन्हें हेल्दी लाइफ जीना सिखाना बेहद जरूरी है। इसलिए बच्चों को अभी से यह समझना होगा कि उनकी दिनचर्या कैसी हो, फिटनेस कैसी हो और कैसे वे अपने वर्तमान को बेहतर बनाकर अपने भविष्य और करियर को मजबूत कर सकते हैं।

वरिष्ठ वेलनेस कोच इंदिरा ने कहा कि हमारा मिशन है कि देश का हर बच्चा अच्छी शिक्षा के साथ-साथ अच्छी सेहत भी पायें। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की प्रधानाध्यापिका इंदिरा सिन्हा एवं शिक्षकों अमित प्रजापति, रेखा कुमारी, शिवानी सिंह, इरफाना कादरी और नरसिम्हा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इरफाना कादरी ने भी कार्यक्रम की सराहना की। सुजीत और इंदिरा ने कार्यक्रम का समापन करते हुए कहा कि हमारी कोशिश है कि ऐसे प्रोग्राम हर स्कूल, कॉलेज, संस्थान और सोसाइटी में आयोजित हों।

श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम मंडल, रांची द्वारा अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को खाटू नरेश श्याम बाबा को चांदन द्वादशी के पावन अवसर पर संध्या 6:30 बजे से 9 बजे तक श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया। भोग के मुख्य अशोक धानुका ने अपने पूरे परिवार के साथ, जिनमें ललिता धानुका, निमिषा धानुका, मनन धानुका, सिद्धी धानुका,आनंद धानुका, मनीषा धानुका, रिद्धि धानुका, राजेश अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रबीन जैन ने श्याम बाबा को खीर चूरमा का भोग अर्पित किये।

सर्व प्रथम मंडल के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका एवं धानुका परिवार द्वारा गणेश पूजन कर मंदिर में विराजे वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी पूजन कर विभिन्न प्रकार के फल एवं मिष्ठान अर्पित कर श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमे का भोग अर्पित किया। बाद में भक्तगण कतारबद्ध होकर प्राप्त कर रहे थे। श्री श्याम मंडल के कार्यकर्ता आये हुए भक्तजनों को शुद्ध पेयजल दे रहे थे।

श्री श्याम मंडल के मीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विकाश पाड़िया, प्रदीप अग्रवाल, प्रियांश पोद्दार, संजय सारस्वत, अजय साबू, प्रमोद बगड़िया, महेश सारस्वत, अमित जलान आदि का सहयोग रहा।

चडरी सरना समिति का करमा महोत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को चडरी सरना समिति के द्वारा कर्म पूजा महोत्सव बहुत ही हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया।करम राजा को चडरी गांव के सभी घरों में बर्मन कर करम देव का आशीर्वाद लिया। चडरी के पाहन राहुल मुंडा, बिल्लू मुंडा, छोटू मुंडा, विकास मुंडा, आकाश मुंडा एवं पनभौरा दीपक मुंडा द्वारा पूरे रीति रिवाज के साथ पूजा पाठ किया गया। माता बहने अपने भाइयों के लंबी उम्र अपने परिवार की सुख समृद्धि झारखंड की तरक्की की कामना के साथ पूजा में निष्ठा से शामिल हुए करम पूजा में चडरी सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने इस अवसर में कहा कि जिस दिन आदिवासी समाज अपनी रूढ़िवादी परंपरा को भूलेगा समाज नष्ट हो जायेगा। बबलू मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज को सबसे कमजोर समझा जा रहा है। इसीलिए इस समाज को नष्ट करने के लिए कई तरह का षड्यंत्रकारी ताकत लगे हुए है, लेकिन हमारा समाज जागरूक हो गया है, ऐसे मनसा रखने वाले लोगों को समाज के लोग सबक सिखाने का काम करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बबलू मुंडा, सुरेंद्र लिंडा, कुमोद कुमार वर्मा, सबलू मुंडा, प्रेम लिंडा, विक्की मुंडा, संजय नायक,अमन दीप मुंडा, संजय लकड़ा, दुर्गा तिर्की, सागर भगत और चंदू भगत आदि उपस्थित थे।

रांची रेलवे स्टेशन में पारा थ्रो बॉल के खिलाड़ियों का स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीते 29 अगस्त से 31 अगस्त तक तमिलनाडु के कोयंबटूर मे चौथा राष्ट्रीय पारा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया है। इस खेल में कड़ी मेहनत करने के बाद दोनों ही वर्ग ने रजत पदक जीता और इस जीत के खुशी में केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री सह रांची संजय सेठ के द्वारा वीडियो कॉल करके झारखंड के दोनों ही टीम को हार्दिक बधाई दी।

गुरुवार को दोनों वर्ग के खिलाडी का रांची रेलवे स्टेशन मे समाजसेवी चंदन श्रीवास्तव, पारालंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के मुख्य संरक्षक विजय दत्ता द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस प्रतियोगिता में झारखंड टीम में सनोज महतो (कप्तान), मुकेश कंचन, पवन लकड़ा, चंदन लोहरा, मुकेश कुमार, राकेश रंजन, कमलेश उरांव, राजेश कुमार मेहता, अंगद कुमार सिंह, प्रमोद कुमार महतो, महिला वर्ग से महिमा उरांव (कप्तान), प्रतिमा तिर्की, निक्की कुमारी, पुष्पा मिंज, अनीता तिर्की, असुंता टोप्पो, संजुक्ता एक्का, सरिता भूटकुमारी मुंडा, सुनीता कुमारी, जयश्री कुमारी, पूनम कुमारी, शकुंतला लकड़ा, तारामणि लकड़ा भाग लिये थे। पारा थ्रोबॉल एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष राहुल मेहता, सचिव सरिता सिन्हा, उपाध्यक्ष पत्रस तिर्की, संरक्षक जगदीश सिंह जग्गू एवं राधा सिंह, टीम के मैनेजर शैलेंद्र सिन्हा भी टीम को बधाई दी।

महत्वपूर्ण खबरें

कल सदगुरु सदानंद महाराज के भजन सत्संग की होगी अमृत वर्षा

रांची (आजाद सिपाही)। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 6 सितंबर को अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक परमहंस डॉ संत शिरोमणि श्रीश्री 108 स्वामी सदानंद महाराज अपनी वाणी से भजन सत्संग प्रवचन के माध्यम से अमृत वर्षा का रसपान करायेंगे। तत्पश्चात गुरु पूजन, गुरु महाराज से आशीर्वाद एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने सभी भक्तगणों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

किसी भी व्यक्ति की मां को राजनीति में घसीटना बेहद गलत : रंजन यादव

रांची (आजाद सिपाही)। युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने गुरूवार को प्रेस वार्ता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की मां को राजनीति में घसीटना बेहद गलत है। रंजन यादव ने प्रधानमंत्री से अपील करते हुये कहा कि वे अपनी मां के नाम पर राजनीति न करें और इस बहाने देश के असली मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से ध्यान न भटकायें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विरोध करेंगे, लेकिन मां को राजनीति से दूर रखा जाये। उनका नाम राजनीति में इस्तेमाल करना उचित नहीं है। इस दौरान उन्होंने एक पोस्टर भी जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री को आईना दिखाने की कोशिश की गयी है। उस पोस्टर में लिखा है कि मां तो मां होती है। इस मौके पर आरजेडी प्रवक्ता अनीता यादव ने भी अपना मत रखते हुये कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने एक प्रेस वार्ता में अपनी मां का मुद्दा उठाते हुये भावुकता दिखायी, लेकिन उनकी भावुकता यह दशार्ता है कि किस तरह परिवार को राजनीति का माध्यम बनाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब संसद में राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी पर कई बार अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। तब इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों नहीं बनाया गया।

दूधमटिया जंगल से युवक का शव बरामद, आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। कुजू पुलिस ने क्षेत्र के तोपा विद्युत स्टेशन के समीप दूधमटिया जंगल से देर रात एक युवक का शव बरामद किया है। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त नुकीला पत्थर बरामद किया है। साथ ही तोयरा सड़क मार्ग के कई स्थानों पर खून के थक्के का सैंपल लिया है। वहीं, शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक युवक का शिनाख्त सुद्दी पाली (भुरकुंडा) निवासी योगेंद्र महतो (35 वर्ष) पिता भीखन महतो के रूप में की गयी है। युवक अपनी पहली पत्नी के मायके मांडू थाना अंतर्गत ग्राम तोयरा में त्योहार मनाने को लेकर पहुंचा था।

बता दें कि 15 साल से पहले योगेंद्र महतो का तोयरा बस्ती निवासी नेहरू महतो की पुत्री संग विवाह हुआ था, लेकिन विवाह के कुछ दिनों बाद घरेलू विवाद की वजह से उक्त विवाहिता की संदेहास्पद स्थिति मौत हो गयी थी। इसके बाद मायके वाले युवक के ऊपर विवाहिता की हत्या करने का आरोप लगा रहे थे और बदले की भावना पाल रखा था। वहीं, योगेंद्र की दूसरी शादी रिकवा गिद्दी में हुई। घटनास्थल पर मृतक के दूसरी पत्नी के परिजनों ने बताया कि पहली पत्नी के भाई ने उसे त्योहार मनाने बुला कर लाया था। बाद में उसे खिला-पिला कर पत्थरों से कुचल कर मार दिया गया। इस संबंध में कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि आपसी रंजिश का मामला प्रतीत होता है। योगेंद्र की हत्या के आरोप में साला दीपक महतो को गिरफ्तारी किया गया है।

रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की संगठन सृजन अभियान की बैठक संपन्न

परामर्श के बाद जिलाध्यक्ष का चयन होगा : फूलो देवी नेताम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक ग्रामीण जिला अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो की अध्यक्षता में गुरुवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित किया गया। इस बैठक में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक एवं जिला कमेटी के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित हुए। बैठक में बारी-बारी से सभी की राय ली गयी और तय हुआ कि पर्यवेक्षकों की टीम सभी प्रखंडों में जाकर पंचायत एवं बुथ स्तर के कार्यकर्ताओं से भी संवाद कर जमीनी हकीकत से अवगत होगी। राज्यसभा सांसद एवं एआइसीसी की सीडब्ल्यूसी सदस्य फूलो देवी नेताम ने कहा कि अहमदाबाद अधिवेशन के बाद कांग्रेस पार्टी ने संगठन सृजन अभियान को पूरे देश में चलाने का निर्णय लिया है। मुझे रांची जिला ग्रामीण का पर्यवेक्षक बना कर यहां भेजा गया है। मैं पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड और विधानसभा स्तर तक सभी कार्यकर्ताओं से परामर्श करूंगी और उसी आधार पर नये जिला अध्यक्ष का चयन सुनिश्चित करूंगी। साथ ही, कार्यकारिणी समितियों का गठन तथा राजनीतिक मामलों की समितियां बनायी जायेगी। कार्यक्रम में झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने असम दौरे के अनुभव साझा करते हुए बताया कि वहां कांग्रेस पार्टी पंचायत स्तर तक बेहद मजबूत है। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, सुरेश बैठा, जिला पर्यवेक्षक परविंदर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन डॉ राकेश किरण महतो ने किया। इसके साथ ही चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, बेलस तिर्की, सुनील सहाय ,माधो कच्छप, सुनील उरांव और कार्यालय प्रभारी राजीव रंजन राजू सहित अन्य मौजूद थे।

हर्षोल्लास के साथ विसर्जित की गयी करम की डालियां

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। सरना धर्म सोतोः समिति केंद्र डौगड़ा में करम पर्व बुधवार की रात हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरुवार को सभी करम डालियों को जलाययों में विधिविधान विसर्जित कर दिया गया। धर्मगुरु बगरय ओड़ेया एवं भैयाराम ओड़ेया की अगुवाई में भगवान सिड़बोंगा की पूजा-अर्चना की गयी और समाज में सुख, शांति व खुशहाली की कामना की गयी। इससे पूर्व अखाड़ा में नौ प्रकार के बीजों से तैयार जावा एवं करम डाली स्थापित की गयी। जावा फूल को सौहार्द और खुशहाली का प्रतीक मानते हुए पुरुषों ने इसे कान में और महिलाओं ने बालों में लगाकर एक-दूसरे को करम की शुभकमानाएं दी। इसके बाद पूरी रात अखाड़ा में गीत-संगीत और नृत्य का कार्यक्रम चलता रहा। बृहस्पतिवार को करम डाली का विधिवत विसर्जन किया गया। इस अवसर पर धर्मगुरु सोमा कंडीर ने करम कथा के माध्यम से लोगों को संदेश दिया कि करम केवल त्योहार नहीं, बल्कि जीवन को समृद्ध बनाने का अवसर है। यह आत्मचिंतन और अपनी गलतियों को सुधारने का दिन है। करम पर्व समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का संदेश देता है तथा ऊंच-नीच, लोभ, लालच और अहंकार जैसी बुराइयों को दूर करता है। कार्यक्रम में बिरसा कंडीर, मंगा ओड़ेया, सुखराम पुर्ती, सुगना पहान, टुटी ओड़ेया, नरनसिंह तोपनो, मधियाना धान, जीतनाथ पहान, बुधराम मुंडा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। जोजोटोली में भी मना करम महोत्सव खूंटी के जोजो टोली अखड़ा में सार्वजनिक करम पूजा महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुगुन दास मुंडा, सुभासिनी पूर्ति, मथुरा कंडीर, मदन मोहन मिश्रा, योगेस वर्मा, विश्राम टुटी, गोमा तोपनो, आनंद तिड़ू, फागु मुंडा, वीणा तिर्की, तुलसी तोपनो आदि गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

संस्कृति हमारी पहचान है, इसे बचाये रखना सबकी जिम्मेदारी : सविता महतो

विधायक सविता महतो ने कुकडू पारगामा में इंद मेला का किया शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। कुकडू प्रखंड क्षेत्र के पारगामा में एक दिवसीय प्रसिद्ध इंद मेला का आयोजन किया गया। इस मेला में मुख्य अतिथि के रूप में ईचागढ़ की विधायक सविता महतो शामिल हुईं। जहां विधायक सविता महतो को मेला समिति के अध्यक्ष स्वपन चंद्र महतो ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। विधायक सविता महतो ने कहा संस्कृति हमारी पहचान है, इसे बचायें रखना सबकी जिम्मेदारी है। युवा पीढ़ी को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। मेला में झूमर संस्कृतिक व नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झूमर सांस्कृतिक कार्यक्रम में जंगल महल महिला झूमर दल ऊपर बाटरी, कोटशीला, पुरुलिया के महिला झूमर शिल्पी अंबिका महतो, गोविंदलाल महतो, झूमर उस्ताद भोलानाथ महतो व राजदूत महतो के द्वारा झूमर प्रस्तुत किया गया। वहीं रघु एंड माही डांस ग्रुप के द्वारा आदिवासी, बंगला एवं हिंदी गानों में रंगारंग नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध इंद मेला में झामुमो के कई नेता, पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान समेत आसपास के हजारों लोग उपस्थित हुए और संस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। मौके पर लालटू महतो, कृत्तिवास महतो हरिकृष्ण महतो, कृष्ण किशोर महतो, सचिन गोप सुदामा हेंब्रम, युधिष्ठिर मांझी समेत कई वरिष्ठ झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

बहेराटांड़ में करमा मिलन समारोह में झूमे ग्रामीण

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी बजार टांड़ स्थित बहेराटांड़ में करमा पूजा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बहेरा टॉड पैट्रोल गोदाम स्थित कार्यक्रम स्थल पर मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रैयत विस्थापित मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता तथा विशिष्ट अतिथि खलारी पश्चिमी जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, सिस्टा एनके एरिया अध्यक्ष देवपाल मुंडा, विधायक प्रतिनिधि अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग व रैविमो प्रवक्ता रामलखन गंझू, कन्हाई पासी, प्रभाकर गंझु, नागदेव सिंह आदि उपस्थित थे। सबसे पहले सभी अतिथियों ने करमा स्थल पर पूजा अर्चना किया। उसके बाद सरना प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। वहीं सभी अतिथियों समारोह में क्षेत्र के भुइयां टोली, चांद ग्रुपबिरसानगर, करकट्टा बस्ती, सरना, मैनेजर बंगला, न्यू शांतिनगर, कृत धौड़ा, बहेरा टाड सहित विभिन्न करमा पूजा समिति के खोड़हा टीम के द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। अतिथियों ने भी टीमों के साथ मांदर बजाकर नृत्य किया। वहीं खोड़हा टीमों को आयोजन समिति द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बुल्ला गंझू, बाबूलाल गंझू, राहुल गंझू, गोविन्द भोगता, बबलू गंझू, विजय गंझु, पवन गंझू, सुशील उरांव, नीरज उरांव,ल सोनू उरांव, रोहित गंझू आदि का सराहनीय योगदान रहा।

पिपरवार में आज निकाला जायेगा जुलूस ए मोहम्मदी

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में ईद मिलाद उन नबी के मौके पर आज जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जायेगा, जिसको लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है। जानकारी के अनुसार ईद मिलाद उन नबी के मौके पर बचरा, राय, पुरानीराय, कल्याणपुर न्यू मंगरदाहा और बहेरा में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं सुबह में जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जायेगा। बचरा में सुबह 7 बजे जुलूस निकाला जायेगा, जो पूरे इलाके का भ्रमण करेगा। वहीं रात्रि में जलसा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य जगहों में भी सुबह में जुलूस ऐ मोहम्मदी निकाला जायेगा। बचरा अंजुमन के सदर इस्लाम अंसारी, राय अंजुमन के सदर जुल्फिकार अली, न्यु मंगरदाहा अंजुमन के सदर मोहम्मद ताज एंव कल्याणपुर अंजुमन के सदर इदरीस अंसारी ने क्षेत्र के लोगों से जुलूस में शामिल होने की अपील की है। इधर ईद मिलाद उन नबी त्यौहार को लेकर कोयलांचल क्षेत्र के सभी मस्जिदों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। बचरा जामा मस्जिद में आकर्षक विद्युत सज्जा की गयी है।

डीएवी जोन जी के क्षेत्रीय सहायक अधिकारी विपिन ने किया डीएवी बचरा का निरीक्षण

कार्यक्रम का शुभारंभ करते सहायक अधिकारी।

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में गुरुवार को दव पब्लिक स्कूल जोन जी के क्षेत्रीय सहायक अधिकारी विपिन राय का आगमन हुआ। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर अभिलाषा कुमारी ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्रीय सहायक अधिकारी विपिन राय ने स्कूल का औचक निरीक्षण किया। वहीं स्कूल के शिक्षकों से कई बातों की जानकारी ली। इस मौके पर विद्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसकी शुरूआत क्षेत्रीय सहायक अधिकारी विपिन राय और प्राचार्या डॉ अभिलाषा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सहायक अधिकारी विपिन राय ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ पद्धति,विद्यार्थियों की प्रगति, कक्षा का अनुशासन,अतिरिक्त कक्षाएं,विद्यालय की साफ सफाई आदि विषयों पर चर्चा की।उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षकों को शिक्षण में नवाचार लाने की बात कही जिस विद्यालय के परीक्षा परिणाम मे सुधार लाया जा सके। उन्होंने विद्यालय में सकारात्मक सीखने का माहौल बनाने पर विशेष बल दिया।इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

समाजसेवी ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

रडगांव (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के टिंपुर पूरान टोला में 25 केवीए के ट्रांसफार्मर को हटाकर 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिसका उद्घाटन समाजसेवी संतोष गुप्ता ने फीता काटकर किया। ट्रांसफार्मर लगभग एक माह से जलने से ग्रामीण पानी की समस्या से परेशान थे। अंधेरे के कारण विषैला सांपों का समस्या से जूझ रहे थे साथ ही बच्चों के पढ़ाई बाधित हो रही थी। गांव के लोग रोशनी होने पर बहुत खुशी जाहिर किये, बाबूलाल पुरान (वार्ड सदस्य प्रतिनिधि) मदनलाल पुरान, अरुण पुरान, भरत पुरान, आशुतोष पुरान शिवेशवर पुरान, तारकेश्वर पुरान, अरविंद पुरान, अनिरुद्ध पुरान, प्रदीप पुरान, कुंदन सिंह मिशन पुरान, छोटे पुरान, संतोष पुरान, सुखलाल पुरान, शंकर पुरान के साथ अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

7 करोड़ की लागत से बननेवाली सड़क का विधायक अमित ने किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। विधायक अमित कुमार महतो ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सोनाहातू प्रखंड के तिलाई पिड़ी से चोकाहातु भाया सावडीह, पापरिदा गांव तक सड़क मरम्मती कार्य का शिलान्यास चोकाहातु गांव की एक वृद्ध महिला मो सरनो देवी से कराया। 7 करोड़ की लागत से इसका निर्माण कार्य किया जायेगा। इस दौरान विधायक ने कहा कि गांवों का विकास किया जायेगा. लोगों की भावना का ख्याल रखा जायेगा। उन्होंने विकास कार्य में ग्रामीणों से सहयोग करने को कहा। मौके पर कामेश्वर महतो, गोपाल सिंह मानकी, निशिकांत गंझू, रोहिताश चौधरी, राजू सिंह मुंडा, बासुदेव महतो, दीनबंधु महतो, संतोष कुमार महतो सहित कई लोग मौजूद थे।

जान हथेली पर लेकर खूंटी-सिमडेगा और गुमला पथ पर यात्रा कर रहे लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। राजधानी रांची को खूंटी, गुमला और सिमडेगा जिले के अलावा ओड़िशा और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली सबसे प्रमुख खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा सड़क पर छोटे या बड़े वाहनों में गुजरना इन दिनों जान हथेली पर लेकर चलने के बराबर हो गया है। 19 जून को हुई भारी बारिश के कारण पेलौल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल टूट गया। इसके कारण वाहनों का आवागमन कुंजला से जुरदाग, गम्हरिया अंगराबारी होकर अथवा मार्टिन मंगला, इट्टे गनालोया होकर हो रहा है। कुछ वाहन कर्रा से तोरपा वाली सड़क पर गुजरते हैं। ग्रामीण सड़कों पर वाहनों के भारी दबाव के कारण लगभग सभी सड़कें पूरी तरह जर्जर हो गई हैं। इसके कारण आये दिन दुर्घटनाएं होरही हैं। अधिकतर भारी वाहनों का आवागमन जुरदाग हो कर हो रहा है।

तीन महीने में भी नहीं बना डायवर्सन : बनई जैसे महत्वपूर्ण पुल के टूटे तीन महीने हो चुके हैं, पर अब न तो डायवर्सन का निर्माण कार्य शुरू हो सका है और न ही पुल निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल की जा रही है। यह अलग बात है कि लगभग एक माह पहले ही डायवर्सन निर्माण के लिए लगभग एक करोड़ 80 लाख रुपये की निविदा निकाली गयी थी। खूंटी के विधायक रामसूर्या मुंडा ने भी कहा था कि निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। बताया जाता है कि बारिश कम होने के तुरंत बाद डायवर्सन का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा।

टूट गयी हैं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें : लगातार भारी वाहनों का परिचालन होने से अब ये वैकल्पिक सड़कें भी टूटने लगी हैं। जगह-जगह गड्ढे बन गये हैं और फ्लैंक पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। फ्लैंक की जगह दोनों ओर बने गड्ढों की वजह से वाहन चालक सड़क से नीचे वाहन उतारने से भी बच रहे हैं, क्योंकि गाड़ियों के फंसने का डर बना रहता है। अंगराबारी-तुपुदाना पथ पर बेड़ा पुल के पास मिट्टी का काफी कटाव हो गया है। इसके कारण सड़क खतरनाक हो गई है। कभी भी वहां कोई हादसा हो सकता है। कुछ वर्षों पूर्व माहिल-गानालोया के बीच बनई नदी पर बना पुल दब चुका था, जिसकी मरम्मत कराई गयी थी। अब इस पुल से होकर कई भारी वाहनों के गुजरने और पुल के नीचे से बालू के अवैध उत्खनन से इस पुल पर भी टूटने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल टूटने के बाद से लगातार समस्या बढ़ती जा रही है। अब कई ग्रामीण सड़कें भी टूट चुकी हैं और दिन-ब-दिन इनकी स्थिति और बिगड़ रही है।

गम्हारिया गांव में सबसे ज्यादा संकट : इस सड़क पर सबसे गंभीर स्थिति गम्हारिया गांव की है। यहां सड़क के बीचोंबीच लगभग चार फीट का गहरा और चौड़ा गड्ढा बन चुका है। इस गड्ढे से गुजरते समय कई वाहनों का आधा हिस्सा धंस जाता है, जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जाता है। हालात इतने खराब हैं कि स्कूली बच्चों, ग्रामीणों और मवेशियों की जान हर वक्त खतरे में रहती है। जलमीनार (नल जल योजना) की टूटी पाइपलाइन ने स्थिति को और खतरनाक बना दिया है। पाइप से लगातार पानी रिसकर गड्ढे में जमा हो रहा है, जिससे गड्ढा और भी गहरा होता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह किसी भी समय जानलेवा साबित हो सकता है।

प्रशासन और नेताओं पर आरोप : ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक न तो विभागीय अधिकारी और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधि इस मुद्दे का लेकर गंभीर दिख रहे हैं। नेता सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग के अधिकारी केवल लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं।

कोयलांचल क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया करमा पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाकों में करमा पूजा धूमधाम और बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। बचरा के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों में करमा पूजा का उत्साह जोरों पर रहा। हर मोहल्ले और टोला में करम डाली की पूजा कर परंपरा को बढ़ाया गया। बारिश की फुहारो के बीच इस बार काफी धुमधाम के साथ करमा पूजा मनाया गया। प्रकृतिक पर्व करमा का उत्साह सभी जगह पर देखा गया। परंपरा के मुताबिक निर्जला उपवास कर रहीं कुंवारी कन्याओ ने मांदर, ढोल और झाल की धुन के बीच करम डाल रोपा। सांध्य बेला में पुजारी के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की गयी। दुल्हन की तरह सजाकर माता जावा रानी को करम डाल के आगे रखा गया फिर कथा शुरू हुई। कथा के बाद उपवास करने वालों ने जल और फल ग्रहण किया। फिर शुरू हुआ नाच-गान का दौर। इस दौरान करम डाल के चारों ओर सामूहिक नृत्य किया गया। नाच गान का यह दौर देर रात तक जारी रहा। बचरा के बसंत बिहार, वन विहार,अशोक विहार, माईर्न्स कॉलोनी, टीएच कॉलोनी, 122 कॉलोनी, 172 कालेनी, 64 कॉलोनी, एलो कॉलोनी, बिशुझापा, वहीं ग्रामीण इलाकों में बेती, बहेरा, किचटो, कल्याणपुर, कारो, बिलारी, हफुआ, बन्हे, बुंडू, राय, पुरानीराय, बमने बचरा बस्ती आदि सभी जगह पर करमा पूजा धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। बचरा बिशुझापा और वनबीआर कालोनी मे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि करमा पूजा को लेकर पुलिस गश्त की टीम ने रात भर क्षेत्र का गश्त करती रही।

उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षक दिवस मना

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम बालवाटिका के विद्यार्थियों से सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं को सम्मानपूर्वक मंच तक पहुंचाया। इसके बाद प्राचार्या डॉ सिस्टर निर्मला सैमुअल एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद दीप प्रज्वलन कर रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद कक्षा नर्सरी से कक्षा दस तक के सभी विद्यार्थियों ने बारी-बारी से अपने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्राचार्या डॉ सिस्टर निर्मला सैमुअल ने अपने संबोधन में शिक्षकों की कार्यशीलता और लगन की प्रशंसा करते हुए कहा उनका धन्यवाद किया तथा कहा कि शिक्षक हमारे देश के वो स्तंभ हैं जो बंद वर्ग कमरों में देश का भविष्य गढ़ते हैं, परंतु आज इस अर्थयुग में शिक्षकों के इस योगदान और महत्व को धीरे - धीरे भुला दिया जा रहा है। आज विश्व में शिक्षकों की जगह एआई ले रहा है लेकिन विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच जो भावनात्मक संबंध है वो एआई नहीं दे सकता है। एआई किसी का आदर्श या प्रेरणास्त्रोत नहीं बन सकता है लेकिन शिक्षक बन सकते हैं और बनते भी हैं, इसीलिए शिक्षकों का महत्व एवं उनकी भूमिका कभी समाप्त नहीं हो सकती। इस कार्यक्रम के लिए मंच संचालन विद्यालय के विद्यार्थी हेड गर्ल आर्या चौधरी, खुशी कुमारी, नैयर शान अहमद आदि ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

खूंटी में गणेश महोत्सव का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। बिरसा वाहिनी फाउंडेशन के तत्वावधान में खूंटी जिले मुख्यालय में आयोजित गणेश महोत्सव का भव्य समापन गुरुवार को हो गया। 26 अगस्त से शुरू गणेश महोत्सव में खूंटी एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा से ओतप्रोत होकर भाग लिया। उल्लेखनीय है कि बिरसा वाहिनी फाउंडेशन की इस पहल ने खूंटी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिचय को और सुदृढ़ आधार दिया है। 26 अगस्त को गणपति बप्पा के भव्य आगमन के बाद छह दिनों तक पूरे विधि विधान से गणपति की पूजा अर्चना, संध्या आरती एवं संध्या आरती के बाद महाप्रसाद वितरण आदि का कार्यक्रम रखा गया था। सीआरपीएफ 94 बटालियन के अधिकारीगण एवं जवान भी इस महोत्सव में पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। गणपति बप्पा की प्रतिमा का भव्य तरीके गुरुवार को विसर्जन किया गया। शोभा यात्रा में आतिशबाजी एवं खूंटी के ही प्रेम ताशा ग्रुप का संगीत मुख्य आकर्षण रहा। बिरसा वाहिनी फाउंडेशन की संस्थापिका सह राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रिया मुंडा ने गणेश महोत्सव को मिले अपार जनसमर्थन के लिए खूंटी जिले के वासियों का धन्यवाद दिया एवं गणपति बप्पा से खूंटी समेत समस्त झारखंडवासियों के सुख समृद्धि की कामना की।

सुदेश महतो ने मेला का किया उद्घाटन

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के कुकड़ु में साप्ताहिक गणेश पूजा महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार की रात आयोजित कुंदन कुमार नाइट कार्यक्रम का उद्घाटन आजसू पार्टी के सुप्रीमो एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने फीता काटकर किया। इस दौरान आयोजन समिति की ओर से उन्हें भगवान गणेश का मुखौटा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन महासचिव हरेलाल महतो, अशोक साव, सत्यनारायण महतो, सुनील सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि और हजारों की भीड़ मौजूद थी। सुदेश महतो ने लोगों को संबोधित करते हुए शांतिपूर्ण माहौल में उत्सव का आनंद लेने की अपील की और भगवान गणेश से सभी की मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। रातभर कुंदन कुमार नाइट का लोगों ने लुत्फ उठाया। कुंदन कुमार और लेडी कलाकारों की जलवा से दर्शक जमकर मनोरंजन किया। मौके पर हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

सात दिवसीय प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ के सलगाडीह स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 2025 बैच के फिटर इलेक्ट्रीशियन टर्नर और वेल्डर ट्रेड के 140 नव प्रवेशित छात्रों के लिए सात दिवसीय प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। 4 सितंबर को समापन समारोह में त्रिवेणी अर्थमूवर्स प्राइवेट लिमिटेड, गर्ग इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड समेत टाटा स्टील फाउंडेशन के अधिकारी गण भी शामिल हुए। गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशिक्षण व प्लेसमेंट पहल की सराहना की और प्रशिक्षुओं को मेहनत कर उज्ज्वल भविष्य बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य विशाल आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

रांची मंडल में खानपान, बैटरी चालित कार, एमपीएस और डब्ल्यूवीएम के लिए ई-नीलामी

अधिसूचना संख्या: सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन/2025 दिनांक : 04.09.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा रांची मंडल में ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटेलॉग पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं: **क्रम संख्या:** 1। **श्रेणी:** खानपान। **कैटेलॉग संख्या: आरएनसीसीएटीजी33। परिसंपत्ति का विवरण:** रांची मंडल में जीएमयू और एसएमयू श्रेणियों के अंतर्गत 48 अदद खानपान इकाइयों के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू:** 08.09.2025 को सुबह 10.30 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख:** 09.09.2025 को सुबह 11.10 बजे। **क्रम संख्या:** 2। **श्रेणी:** एमपीएस। **कैटेलॉग संख्या: आरएनसीएमपीएस27। परिसंपत्ति का विवरण:** रांची मंडल के 10 अदद बहुउद्देशीय स्टॉल के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू:** 09.09.2025 को अपराह्न 3.45 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख:** 09.09.2025 को अपराह्न 5.45 बजे। **क्रम संख्या:** 3। **श्रेणी:** डब्ल्यूवीएम। **कैटेलॉग संख्या: आरएनसी डब्ल्यूवीएम18। परिसंपत्ति का विवरण:** रांची मंडल में 13 अदद डब्ल्यूवीएम की स्थापना और परिचालन के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू:** 15.09.2025 को सुबह 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख:** 15.09.2025 को दोपहर 1.30 बजे। **क्रम संख्या:** 4। **श्रेणी:** बैटरी चालित कार (विविध स्टैटिक)। **कैटेलॉग संख्या: आरएनसीबीओसी। परिसंपत्ति का विवरण:** रांची मंडल के रांची और हटिया में बैटरी चालित कार के परिचालन एवं रखरखाव हेतु ई-नीलामी। **नीलामी शुरू:** 16.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख:** 16.09.2025 को दोपहर 12.40 बजे। **द्रष्टव्य:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉटवार विवरण ऊपर दिए गए कैटेलॉग में उपलब्ध है।

(PR-598)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे

मुस्कान के साथ सेवा

मराठा आरक्षण विरोध कहां तक

देश ने आरक्षण की एक और लड़ाई देखी, इस बार मुंबई में। मराठा आरक्षण को लेकर पांच दिनों तक भारत की आर्थिक राजधानी में हंगामा मचा रहा। प्रदर्शनकारी आखिरकार माने, लेकिन अपनी कई मांगें मनवा कर। प्रदर्शन खत्म हो चुका है, पर इससे जुड़े कुछ सवाल अब भी बाकी हैं - अपनी मांग को लेकर कोई आंदोलन किस हद तक जा सकता है और क्या विरोध-प्रदर्शन का अधिकार छीना जा सकता है?

अदालत की सख्ती : बॉम्बे हाइकोर्ट ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल से जवाब मांगा है कि आंदोलन के दौरान सरकारी संपत्ति को जो बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा, उसका जिम्मेदार कौन है? जरांगे की तरफ से बताया गया कि आंदोलन शांतिपूर्ण था, किसी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि यह माना गया कि आम जनता को असुविधा हुई। गौरतलब है कि यह आंदोलन खत्म भी तभी हुआ, जब हाइकोर्ट ने सख्ती दिखाई - भले इसके लिए सरकार ने जरांगे की मांगें मानीं।

आंदोलन से परेशानी : आम लोगों को हुई असुविधा पर हाइकोर्ट की नाराजगी बिल्कुल सही है। अपनी बात मनवाने के लिए किसी शहर की रफ्तार को रोक देना उचित नहीं माना जा सकता। दुर्भाग्य से दक्षिण मुंबई को जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ी, कई लोकल ट्रेन कैंसल हुईं। कभी न थमने वाली मुंबई का कुछ हिस्सा आरक्षण आंदोलन में जकड़ गया।

> विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा है। सरकार से असहमति जताना और जिम्मेदारों तक अपनी बात पहुंचाना हर नागरिक का हक है। अगर किसी समुदाय-वर्ग को लगता है कि सरकार उसके हितों की अनदेखी कर रही है, तो उसे विरोध जताने से नहीं रोका जा सकता।

प्रशासन की जिम्मेदारी : लेकिन यहां जितनी जिम्मेदारी आंदोलनकारियों, उनके नेता जरांगे की है, उतनी ही एडमिनिस्ट्रेशन की भी। मुंबई में भीड़ का उमड़ना कोई नयी बात नहीं है। गणेश पूजनोत्सव के दौरान ही देश के तमाम हिस्सों से लोग गणपति बप्पा के दर्शन को मुंबई पहुंचते हैं। तो क्या आंदोलन की जानकारी होने के बाद हालात को संभालने के लिए उचित इंतजाम किये गये थे? अगर परमिशन पांच हजार की थी, तो इससे कई गुना ज्यादा भीड़ कैसे महानगर में दाखिल हो गयी?

संतुलन जरूरी : विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा है। सरकार से असहमति जताना और जिम्मेदारों तक अपनी बात पहुंचाना हर नागरिक का हक है। अगर किसी समुदाय-वर्ग को लगता है कि सरकार उसके हितों की अनदेखी कर रही है, तो उसे विरोध जताने से नहीं रोका जा सकता। लेकिन, मामला है हद का - कि उस विरोध की सीमा क्या होगी? जिस तरह विरोध का अधिकार नहीं छीना जा सकता, उसी तरह यह भी नहीं हो सकता कि एक का प्रदर्शन दूसरे के लिए आफत बन जाये। महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जरूरत है कि इस सवाल को भी सुलझा लिया जाये, वरना फिर कोई शहर किसी आंदोलन के बोझ से दबा होगा।

अभिमत
आजाद सिपाही

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं। समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं।

शिक्षक दिवस : समाज के निर्माता शिक्षक

मो नेजातूल्लाह

समाज के विकास और राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना गया है, लेकिन शिक्षा को सही दिशा देने वाला वह व्यक्ति - जिसे हम शिक्षक कहते हैं। शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान नहीं कराते, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र, व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि को गढ़ते हैं। यही कारण है कि उन्हें समाज का शिल्पकार कहा जाता है।

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं।

समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं। एक जागरूक शिक्षक गांव और शहर के बीच की दूरी को मिटाने में योगदान देता है। वह समाज को अंधविश्वासों, कुरीतियों और संकीर्णताओं से मुक्त करने का प्रयास करता है। यही कारण है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के बाद तक अनेक शिक्षकों ने समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

> आज के युग में जब तकनीक और इंटरनेट शिक्षा का नया माध्यम बन चुके हैं, तब भी शिक्षक की महत्ता कम नहीं हुई है।

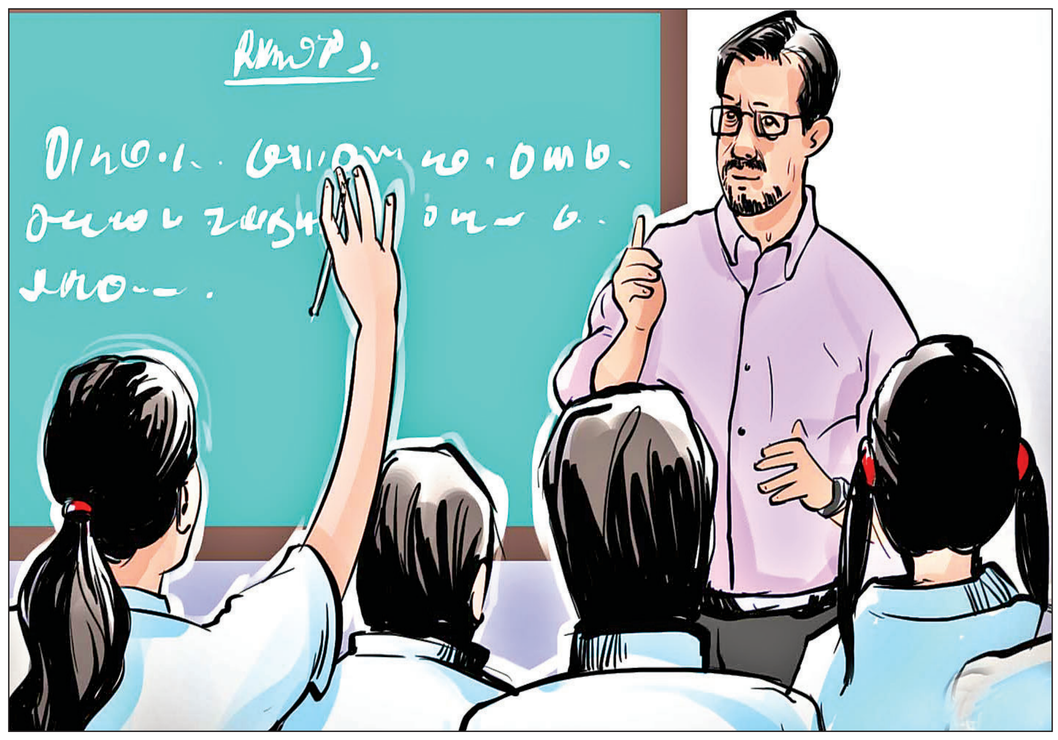

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षक का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में चरित्र, मानवता और सामाजिक मूल्यों का संचार करना भी है। वे कहते थे - जो शिक्षक अपने विद्यार्थियों से प्रेम नहीं करते, वे कभी उन्हें सही शिक्षा नहीं दे सकते। उनके अनुसार, शिक्षक को सदैव एक आजीवन शिक्षार्थी (Lifelong Learner) बने रहना चाहिए, क्योंकि जो स्वयं सीखना बंद कर देता है, वह दूसरों को कभी सच्ची शिक्षा नहीं दे सकता।

आज के युग में जब तकनीक और इंटरनेट शिक्षा का नया माध्यम बन चुके हैं, तब भी शिक्षक की महत्ता कम नहीं हुई है। डिजिटल माध्यम जानकारी दे सकते हैं, लेकिन सही दृष्टिकोण, सही मूल्य और मानवीय संवेदनाएं केवल एक शिक्षक ही दे सकता है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल नौकरी पाने योग्य नहीं बनाते, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक, संवेदनशील इंसान और समाजोपयोगी व्यक्तित्व बनाने का कार्य करते हैं।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षक का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में चरित्र, मानवता और सामाजिक मूल्यों का संचार करना भी है। वे कहते थे - जो शिक्षक अपने विद्यार्थियों से प्रेम नहीं करते, वे कभी उन्हें सही शिक्षा नहीं दे सकते। उनके अनुसार, शिक्षक को सदैव एक आजीवन शिक्षार्थी (Lifelong Learner) बने रहना चाहिए, क्योंकि जो स्वयं सीखना बंद कर देता है, वह दूसरों को कभी सच्ची शिक्षा नहीं दे सकता।

यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि शिक्षक केवल पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और समाज निर्माता भी होता है।

शिक्षकों के बारे में विभिन्न विद्वानों ने जो विचार प्रस्तुत किया :-

1. शिक्षक राष्ट्र निर्माता है : मौलाना आजाद का मानना था कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं होता, बल्कि वह नये युग की सोच और सामाजिक चेतना का जन्मदाता होता है। जबकि डॉ. कलाम कहते थे झ शिक्षक एक छोटे से कक्षा-कक्ष में बैठे बच्चों की ज़िंदगी को प्रभावित करके पूरे राष्ट्र को बदल सकता है।

2. शिक्षक चरित्र निर्माता है : मौलाना आजाद के अनुसार, शिक्षक का सबसे बड़ा कर्तव्य विद्यार्थियों के भीतर सद्गुण, चरित्र, संवेदना और राष्ट्रभक्ति का विकास करना है।

3. शिक्षक का उद्देश्य केवल पढ़ाना नहीं है : मौलाना आजाद कहते थे कि गुरु का कार्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व का निर्माण करना उसकी सच्ची ज़िम्मेदारी है।

4. सामाजिक न्याय और सद्भाव का प्रेरणास्त्रोत : शिक्षक समाज में समानता, भाईचारा और एकता की भावना जाग्रत करता है।

5. शिक्षक और देश की प्रगति : मौलाना आजाद विश्वास करते थे कि यदि भारत को प्रगति के शिखर तक पहुँचाना है तो शिक्षकों को सशक्त बनाना होगा और उनके योगदान का सम्मान करना होगा।

एक बार जब डॉ कलाम सर से उनकी जीवन की पहचान के बारे में पूछा गया तो वे कहते हैं - मैं सबसे पहले खुद को एक शिक्षक मानता हूं, और यही मेरी सच्ची पहचान है।

यह भी सत्य है कि यदि समाज को सशक्त, शिक्षित और प्रगतिशील बनाना है तो शिक्षकों की भूमिका को समझना और उन्हें उचित सम्मान देना आवश्यक है। शिक्षकों के बिना समाज अधूरा है, क्योंकि वही भविष्य की नींव तैयार करते हैं।

अनेक विद्वानों ने शिक्षक के बारे में अपने विचार प्रकट किए हैं, लेकिन अंततः यह कहा जा सकता है कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक, राष्ट्र के निमार्ता और मानवता के सच्चे संरक्षक हैं। उनकी भूमिका जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही अपरिहार्य भी। एक अच्छा शिक्षक केवल एक विद्यार्थी का जीवन नहीं बदलता, बल्कि आने वाली पूरी पीढ़ी का भविष्य संवार देता है।

(लेखक : सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, पुंदाग, रांची के प्रिंसिपल हैं।)

कोल्हान की खबरें

जदयू ने राहुल गांधी का फूंका पुतला, जताया आक्रोश

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बिहार में महागठबंधन की वोट अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को लेकर की गयी कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में जदयू ने विरोध जताया। गुरुवार को महानगर अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में समिति ने साकची में राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। मौके पर जदयू प्रदेश महासचिव अंजली सिंह, जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, महिला मोर्चा की अध्यक्ष अमृता मिश्रा सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा महिला शक्ति का अपमान पूरे देश का अपमान है। अजय कुमार ने कहा कि कांग्रेस चुनावी बौखलाहट में इस तरह की भड़काऊ और असंवेदनशील टिप्पणी कर रही। जो लोकतांत्रिक और सामाजिक मयार्दा पर गहरी चोट है। इस अवसर पर कुलविंदर सिंह पन्नू, विकास साहनी, आकाश शाह, नीरज सिंह, ममता सिंह सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रानीडीह कोकोटोला में शहीद मोटका गोप का 36वां शहादत दिवस 23 सितंबर को

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पोटका विधानसभा क्षेत्र के बागबेड़ा स्थित रानीडीह कोकोटोला में शहीद मोटका गोप का 36वां शहादत दिवस इस वर्ष 23 सितंबर को भव्य रूप से मनाया जायेगा। इस संबंध में गुरुवार को खासमहल कुंडू भवन में झामुमो जमशेदपुर प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष बहादुर किस्कू ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। मौके पर सैकड़ों छात्र-छात्राओं के बीच शिक्षा सामग्री का वितरण किया जायेगा। इसके साथ ही खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। विजेता टीम को पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। प्रेस वार्ता में बहादुर किस्कू के साथ पुकलु सरदार, लखन सोरेन, अनुप शर्मा, मैनूल खान समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएवी स्कूल के मनीषी ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, शिक्षक दिवस पर दिया खास तोहफा

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। शिक्षक दिवस के मौके पर जमशेदपुर के डीएवी स्कूल के छात्र मनीषी ने क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर शहर और राज्य का नाम रोशन किया। मनीषी झारखंड के पहले क्रिकेटर बने हैं, जिन्होंने एक पारी में 6 बल्लेबाजों को एल्बीडब्लू आउट कर उपलब्धि हासिल की। दुनिया के स्तर पर यह रिकॉर्ड अब तक केवल पांच क्रिकेटरों में मार्क एलॉर्ट, चमीडां वास, ताबिश खान, ओबी रोबिस्लान और क्रिस राइट के नाम दर्ज था। मनीषी अब इस सूची में छठे खिलाड़ी के रूप में शामिल हो गये। उन्होंने स्कूल में पढ़ाई के दौरान ही अंडर-16 स्टेट टीम में खेलना शुरू किया और इसके बाद राहुल द्रविड़ अकादमी के मार्गदर्शन में अंडर-19 स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। उनका अगला लक्ष्य झारखंड रणजी टीम में जगह बनाना है। मनीषी की कामयाबी ने साबित कर दिया जमशेदपुर जैसे शहर से भी विश्वस्तरीय खिलाड़ी हो सकते है।

बिस्टुपुर में दिनदहाड़े 30 लाख की लूट, व्यापारियों में दहशत

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। 24 घंटे के भीतर दो बड़ी लूट की वारदातों ने पूरे शहर के व्यापारियों में दहशत का माहौल बना दिया। बुधवार को सोनारी थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी दुकान में हुई लूट की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई थी कि गुरुवार को अपराधियों ने बिस्टुपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े 30 लाख की लूट को अंजाम दे डाला। मिली जानकारी के मुताबिक कारोबारी साकेत अग्रवाल गुरुवार को बैंक में रुपये जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान बिस्टुपुर गुरुद्वारा के पास पहले से घात लगाये इनोवा सवार अपराधियों ने उन पर हमला कर रुपयों से भरा बैग छीन लिया। अपराधियों ने भागते वक्त कारोबारी की आंखों में लाल मिर्च पाउडर फेंका और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की। घटना के बाद से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही बिस्टुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही ताकि अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की जा सके। साथ ही पूरे शहर में गहन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उधर लगातार हो रही वारदातों से व्यापारियों में भय का माहौल है। सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे। खबर लिखे जाने तक पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लगातार लूट की घटनाओं पर बरसे विधायक सरयू राय, कहा-पुलिस पूरी तरह विफल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। शहर में लगातार हो रही लूट की घटनाओं पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। गुरुवार को बिस्टुपुर में 30 लाख रुपये की लूट की वारदात और उससे एक दिन पहले सोनारी में ज्वेलरी शॉप में हुई लूट पर उन्होंने कहा कि इससे साफ हो गया है कि पुलिस पूरी तरह विफल है। उन्होंने कहा कि बिस्टुपुर जैसे पॉश इलाके में दिनदहाड़े लूट कैसे हो गयी। पुलिस का सूचना तंत्र और खुफिया तंत्र आखिर कर क्या रहा था। भारी भरकम राशि गोपनीय सूचनाओं पर खर्च की जाती है, लेकिन उसका कोई लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा। सरयू राय ने कहा कि थाने की पुलिस अगर सक्रिय रहती तो इस तरह की घटनाएं नहीं घटतीं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जितना ध्यान पुलिस हेलमेट चेकिंग पर देती है, उसका आधा भी अपराध नियंत्रण में लगाये तो अपराधियों के हौसले पस्त हो जायेंगे। लगातार दो दिनों में हुई लूट से आम जनता और व्यापारियों में आक्रोश व भय का माहौल है। विधायक ने पुलिस प्रशासन से शहर की कानून-व्यवस्था पर तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की।

जमशेदपुर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर भाजपा ने शासन-प्रशासन पर बोला हमला

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर में अपराध की घटनायें बेकाबू हो चुकी हैं, शहर में लगातार दूसरे दिन हुई सनसनीखेज लूट ने शहर की ध्वस्त कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। बुधवार को सोनारी थाना क्षेत्र में वर्धमान ज्वैलर्स में दिनदहाड़े छह हथियारबंद अपराधियों ने लाखों रुपये के आभूषण लूट लिए और दुकान मालिक को पिस्तौल की बट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके अगले ही दिन, गुरुवार को बिष्टुपुर गुरुद्वारा के समीप दिन के उजाले में व्यवसायी साकेत अग्रवाल से अपराधियों ने बंदूक के दम पर 30 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। भाजपा ने जिला प्रशासन

और राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला। महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि जमशेदपुर में अपराधियों का दुस्साहस चरम पर है। बिष्टुपुर में व्यवसायी से 30 लाख की लूट साबित करती है पुलिस प्रशासन अपराधियों के आगे पूरी नतमस्तक हो गए हैं। यह शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। एक औद्योगिक नगरी, जो देश की आर्थिक प्रगति की रीढ़ है, वहां व्यापारी और आम नागरिक अपनी मेहनत की कमाई और जान की सुरक्षा के लिए प्रतिदिन संघर्ष कर रहे हैं। दिनदहाड़े गोलीबारी और लूट की वारदातें पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता और सरकार की नाकामी का जीता-जागता सबूत हैं। झामुमो-कांग्रेस-राजद की गठबंधन सरकार अपराधियों को संरक्षण देने में मशगूल है। उन्होंने कहा भाजपा लौहनगरी को भयमुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

बालू घाटों की नीलामी पर भाजपा का विरोध

आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले में बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया शुरू होते ही भाजपा नेता सावन गुप्ता ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया सरकार बड़े कारोबारियों को फायदा पहुंचाने के लिए बालू घाटों को समूह में नीलाम कर रही है।ग्रुप ए (चांडिल) की नीलामी लगभग 25 करोड़ रुपये से और ग्रुप बी (सरायकेला) की नीलामी लगभग 20 करोड़ रुपये से शुरू होगी।उन्होंने कहा इतनी बड़ी रकम के कारण छोटे कारोबारी टेंडर प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने मांग की घाटों की अलग-अलग नीलामी हो, जिससे छोटे व्यापारी भी शामिल हो और राजस्व में वृद्धि हो सके।

मोदी सरकार का ऐतिहासिक दिवाली तोहफा, जीएसटी में भारी राहत : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने जीएसटी में किए गए बड़े सुधार का स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया।श्री काले ने कहा यह निर्णय आम जनता, किसानों, छात्रों, कारोबारियों और मध्यमवर्ग के लिए राहत भरा है।काले ने बताया रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर टैक्स घटाकर 5% कर दिया गया। किसानों को भी राहत देते हुए ट्रैक्टर, टायर, पार्ट्स और कृषि यंत्रों पर टैक्स 5% कर दिया गया।स्वास्थ्य क्षेत्र में इंश्योरेंस टैक्स मुक्त और मेडिकल उपकरणों पर टैक्स घटकर 5% रह गया। शिक्षा क्षेत्र में पेंसिल, नोटबुक और ग्लोब्स टैक्स मुक्त कर दिए गए। वहीं टीवी, एसी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर टैक्स 28% से घटाकर 18% किया गया।काले ने कहा यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। देश के हर वर्ग को लाभ मिलेगा और भारत विकास के नये आयाम स्थापित करेगा।

पूर्व सीएम रघुवर करमा पूजा की शोभायात्रा में हुए शामिल

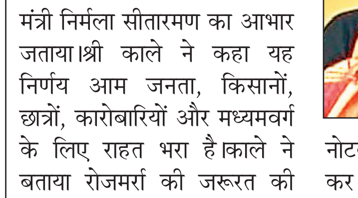

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। करमा पूजा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान भालूबासा चौक पर भव्य सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओड़िशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास ने शामिल होकर श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को शर्बत, खाद्य पदार्थ और ठंडा पानी वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने आदिवासी समाज के उरांव, मुंडा, भुइयां, तुरी और मुखी समाज के अखाड़ों के प्रमुख जनों को माला पहनाकर अभिनंदन किया। रघुवर दास ने कहा कि करमा पूजा प्रकृति के प्रति श्रद्धा और आदिवासी संस्कृति की समृद्ध परंपराओं के प्रतीक है। यह पर्व हमें एकजुटता, भाईचारे और पर्यावरण प्रेम का संदेश देता है। मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, गुंजन यादव, टुनटुन सिंह, राजन सिंह, बबुआ सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घाटशिला की जनता का अपमान बर्दाश्त नहीं, सांसद आदित्य साहू माफी मांगें : विक्टर सोरेन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। राज्यसभा सांसद आदित्य साहू द्वारा कुख्यात अपराधी सूर्या हांसदा को हीरो बताते हुए दिया गया हालिया बयान विवादों में आ गया है। गुरुवार को झारखंड युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विक्टर सोरेन ने इसे घाटशिला की जनता और उनके जनप्रतिनिधियों का सीधा अपमान करार दिया। विक्टर सोरेन ने कहा जिस व्यक्ति पर हत्या, अपहरण, रंगदारी और आगजनी जैसे 32 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हों, उसे घाटशिला की जनता के प्रतीक बताना शर्मनाक है। श्री सोरेन ने मांग की सांसद आदित्य साहू सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि इस अपमानजनक बयान का उपचुनाव में जनता करारा जवाब देगी।

करम पूजा महोत्सव में शामिल हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू सुप्रीमो

करम पर्व समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और खुशहाल जीवन शैली का प्रतीक: सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। महादेव टोली सरना समिति के तत्वावधान में रांची के चुटिया में करम पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो एवं विशिष्ट अतिथि आजसू के ही केंद्रीय सचिव हरीश जी, केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता, केंद्रीय सदस्य राजू नायक, छात्र संघ नेता रोशन कुमार नायक, उज्जवल कुमार, प्रकाश महतो, बबलू कुमार, उदय सिंह अमित कुमार, बबलू रौनक कुमार, रवि कुमार, चेतन कुमार आदि उपस्थित हुए। इस अवसर पर सुदेश महतो ने करम डाली के समक्ष पूजा अर्चना कर समस्त झारखंडवासियों को करम पर्व की शुभकामनाएं दी। कहा कि परंपराओं को मजबूती के साथ आगे बढ़ाना है। करम पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और खुशहाल जीवन शैली का प्रतीक है। यह पर्व भाई-बहन के अटूट संबंध, सामाजिक समरसता और प्रकृति के साथ गहरे लगाव को दर्शाता है। इससे पहले समिति के लोगों ने अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह और बुके देकर किया। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष सूरज मुंडा, अमित मुंडा, संदीप तिर्की, राम उरांव, रोहित कच्छप, रवि लोहरा, मुन्नी मुंडा सहित अन्य का योगदान रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो एवं अन्य गणमान्य।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार घायल

बेड़ो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर लिटिल एंजल स्कूल के समीप गुरुवार की शाम 7.30 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बेड़ो के बस्ती निवासी स्कूटी सवार शिशिर किस्पोट्टा (40) गंभीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों की मदद और लिटिल एंजल स्कूल के शिक्षकों के सहयोग से शिविर को बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉ विनिता प्रसाद ने घायल का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार शिविर स्कूटी पर सवार होकर रांची की ओर से आ रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दिया।

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री से मिलकर बलिया होते हुए मऊ तक ट्रेन चलाने की मांग की

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे रेलवे गुड्स शेड ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा, जिसमें रांची से बलिया, मऊ तक ट्रेन चलाने की मांग की है। उल्लेख किया है कि झारखंड की राजधानी रांची में छपरा, बलिया, गाजीपुर और मऊ के सैकड़ों लोग रहते है। इन लोगों को अपने गांव में आने-जाने में काफी असुविधा होती है। रांची से मऊ तक सीधी ट्रेन की सुविधा हो जाने से छपरा, बलिया, गाजीपुर और मऊ के लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस पर सांसद संजय सेठ ने जल्द ही रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर ट्रेन चलवाने की बात कहीं। वहीं, ज्ञापन सौंपने वालों में एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर यादव, पिंटू सिंह, अवधेश यादव, साधु यादव, नवीन सोनी, अशोक गोप आदि शामिल थे।

दिल्ली के जंतर मंतर में जुटेंगे हजारों कुड़मी: शीतल ओहदार

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। टोटेमिक कुड़मी/कुरमी (महतो) समाज के अगुआ शीतल ओहदार ने गुरुवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि छह सितंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर में अपने संवैधानिक मांगों को लेकर हजारों की संख्या में कुड़मी समाज के लोग एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन करेंगे। इसमें झारखंड सहित बंगाल और उओडिशा के टोटेमिक कुड़मी भी शामिल हो रहे हैं। गुरुवार सुबह से ही ट्रेन-बस और अन्य परिवहन माध्यम से झारखंड के विभिन्न जिलों से समाज के महिला-पुरुष दिल्ली के लिए रवाना हो गये। शीतल ओहदार ने बताया कि छोटानागपुर पठारी क्षेत्र में निवास करने वाले कुड़मीयों को 6 सितंबर 1950 को डी-शेड्यूल किया गया था। प्रथम जनगणना 1901 एवं 1911 में कुड़मियों को 'एबोरिजिनल कम्युनिटी' 1921 में 'एनीमिस्ट' और साल 1931 में 'प्रिमिटिव ट्राइव' की सूची में रखा गया था, लेकिन हमारी जमीन के अंदर विभिन्न प्रकार के खनिज-अयस्क के अपार भंडार को देखते हुए पूंजीपतियों की गिद्ध दृष्टि इस पर पड़ी और एक साजिश के तहत तत्कालीन सरकार के कुछ नेताओं की मिलीभगत से हमें अनुसूचित जनजाति में न रखकर पिछड़े वर्ग की श्रेणी में रखा गया। इस तरह कुड़मियों को डीसीड्यूल कर उनके संवैधानिक अधिकार को छीन लिया गया। कुड़मीयों को लगातार 75 वर्षों तक संघर्ष करने के बाद भी संवैधानिक अधिकार से वंचित किया गया है। इसी संघर्ष को मुकाम तक ले जाने के संकल्प के साथ छह सितंबर को समाज के हजारों लोग दिल्ली के जंतर-मंतर में जुटेंगे और अपने संवैधानिक हक अधिकार को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे। बाद में केंद्रीय गृह मंत्री को मांग पत्र भी सौंपा जाएगा। उन्होंने उक्त आंदोलन में शामिल होने वाले सभी लोगों से अपील की कि वे अपने साथ पारंपरिक अंगवस्त्र पीला गमछी और सफेद धोती अवश्य रख लें।

हादसे में जगुआर जवान की मौत, पांच घायल

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों पर गुरुवार को हुए सड़क दुर्घटनाओं में जगुआर के एक जवान की मौत हो गयी। जबकि पांच लोग घायल हो गये। मृतक की पहचान सचिना नंद के रूप में हुई। वह पलामू जिले का रहने वाला था। वह पेशे से जगुआर का जवान था। जानकारी के मुताबिक सचिनानंद बाइक से जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गयी। घटना बुधवार की देर रात की बताई जा रही है। उधर, गुरुवार की शाम छह बजे रातू चट्टी स्थित फन कैशल पार्क के पास दो बाइक की टक्कर में चार लोग घायल हो गये। दोनों बाईक में दो- दो लोग सवार थे। स्थानीय लोगों ने सभी घायलें को अस्पताल पहुंचाया। वहीं, शाम 5.30 बजे काठीटांड-ठाकुरगांव मार्ग स्थित डायट के पास एक बाइक सवार ने पैदल चल रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। बाइक सवार नशे में धूत था।

फीया संस्था के प्रतिनिधि ने ली जल जंगल जामीन से जुड़ी समस्याओं की जानकारी

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। नवागढ़ पंचायत में फीया स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधि ने गुरुवार को नवागढ़ पंचायत में वर्तमान समय में चल रहे जल, जंगल एवं जमीन से संबंधित समस्याओं की जानकारी मुखिया से ली। साथ ही भविष्य में सुव्यवस्थित ढ़ग से कैसे सुरक्षित रखा जाय इस पर अध्ययन कर कार्य योजना बनाने की बात कही। संस्था से आये दिल्ली के प्रतिनिधि ऋशव ने कहा की यह पंचायत में लोगों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। इस मौके पर मुखिया भुवनेशवर बेदिया, अशोक जोसेफ, प्रदीप महतो, संतोष बेदिया, नरेन्द्र नाथ बेदिया, जगदीश भोगता, संजय बेदिया और बिंदेश बेदिया आदि उपस्थित थे।

अकीदत के साथ महेशपुर में आज निकलेगा जुलूस-ए-मोहम्मदी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। अंजूमन इस्लामिया कमेटी अहले सुन्नत वल जमात महेशपूर के जानीब से पैगंबर मोहम्मद सल्लाहो अलैहे एवं सलम के यौमे पैदाईश के मौके पर शुक्रवार को पूरे अकिदत के साथ ईद मिलादुन्नबी पर जुलुस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा। अंजुमन के सदर जाकीर खान वो इस्लाह ए मोआशराह कमेटी अनगड़ा के सदर परवेज खान ने बताया कि जुलूस की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसमें अनगड़ा प्रखंड के विभिन्न मुस्लिम आबाद गांव के अकीदत मंद लोग हजारों की तादाद में हिस्सा लेंगे। शुक्रवार की सुबह नौ बजे महेशपूर इमामबाड़ा के पास लोगों का जुटान होगा। वहां पवित्र कुरान ए पाक की तिलावत और नबी के शान में सलाम पेश करने के बाद मस्जिद ए फातमातुज्जोहरा महेशपूर के इमाम मौलाना जफर रजा की अगुवाई में जुलूस का आगाज होगा। जो विभिन्न रास्तों से होते हुए गांव में दाखिल होगी और महेशपूर इमाम बाड़ा के पास पहुंच कर समापन होगा। शाम में मिलाद-उन-नबी का जलसा और मदरसा गौशीया फैजाने मुस्तफा के बच्चों के जरिए नात खानी आदि कार्यक्रम आयोजित होगा।

बदहाल सड़क और गंदगी से बेड़ो बस्ती के लोग परेशान

जिम्मेदारों से मिलता है सिर्फ आश्वासन, नहीं होता समस्या का समाधान

अनुज कुमार गुप्ता

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय बेड़ो बस्ती के लोगों को विकास देखे वर्षों बीत गये हैं। यहां के लोग सड़क की बदहाली और गंदगी की समस्या से जूझ रहे हैं। सांई मंदिर रोड, गायत्री नगर और रांची-गुमला मुख्य मार्ग से पुराने पोस्ट ऑफिस वाली सड़क बदहाल हो चुकी हैं। इन पर चलना भी मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में तो स्थिति और नारकीय बन गई है। सुगम आवागमन को लेकर हर दिन चुनौती मिल रही है। सड़क पर अनेक अनियमित गड्ढे हैं। सड़क उखड़ चुका है। कहीं-कहीं सड़क का अस्तित्व भी खत्म हो गया है। राह में बने गड्ढे पानी से लबालब भरे हैं। तालाब जैसी शक्ल में सड़कें तब्दील हो चुकी हैं। छोटे-बड़े सभी वाहन हिचकोले खा रहे हैं। जिसपर चलना कदम-कदम पर चुनौतीपूवर्ण है। अंदाज से सभी को वाहन चलाना पड़ रहा है। कब कहां कौन वाहन फंस कर अनियंत्रित हो जाए कोई नहीं जानता है। बस्ती में घुसने से ही सड़क की दुर्दशा शुरू हो जाती है। यहां की सड़क अस्तित्व विहिव हो गई है। वाहन हिचकोले खाते हुए चल रहे हैं। दो पहिया और साइकिल सवार लोग अक्सर इन गड्ढों में गिर कर चोटिल होते रहते हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, छात्रों, बुजुर्गों, बीमार लोगों, दो पहिया चालक और साइकिल सवारों की हो गई है। गड्ढ़ों में गिरकर चोटिल होना आम बात है। जबकि यह तीनों पथ प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाला मुख्य संपर्क पथ है। इसके बावजूद कई वर्षों से यह पथ उपेक्षित पड़ा है। बस्ती के लोगों ने बताया कि गांव में जाने के लिए पक्की सड़क नहीं रहने से बरसात के मौसम में उन्हें घोर संकट का सामना करना पड़ता है। लेकिन आज तक बस्ती की सड़कों को लेकर जिम्मेदारों ने सुध नहीं लिया। सड़क का पक्कीकरण नहीं होने से यातायात में बहुत परेशानी होती है। हालांकि जब भी चुनाव का समय आता है तो सांसद, विधायक, उनके प्रतिनिधि एवं सहयोगी आश्वासन की घुट्टी पिलाकर चले जाते हैं। चुनाव जीतने के बाद प्रतिनिधि को इस बेड़ो बस्ती की याद नहीं आती है। बस्ती वासियों ने प्रशासन से मांग की है कि यथाशीघ्र सड़क नहीं बनाई गई तो वे सड़क पर उतर कर उग्र आंदोलन करंगे।

प्रखंड के विभिन्न गांव में मना करमा पूजा

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जोरार बस्ती में युवा सरना समिति, खिजरी गांव के तुम्बागुटू, पतराटोली में करम पूजा समिति, आरा, टाटी, पिंडारकोम, सहेरा, कुटियातु, सरवल, चरनाबेड़ा, हहाप, भुसुर, पाहनटोली, कोचबोंग, खरसीदाग के साथ विभिन्न गांवों में भक्ति भाव से करमा पूजा का आयोजन हुआ। इसे लेकर आदिवासियों ने गांव के अखरा और कई लोगों ने घर के आंगन में करम डाली को गाड़ कर सामूहिक रुप से पूजा की। वहीं, बहनों ने भाईयों की सलामती के लिए निर्जला व्रत रखा। करम डाली के पास बैठकर व्रतियों ने करमा-धरमा के अगाध प्रेम की कहानी सुनी। इस दौरान भाइयों की लंबी उम्र के लिए बहनों ने करम डाली में रक्षा सूत्र बांधा। देर रात तक करम डाली के समक्ष ढोल, नगाड़ा एवं मांदर की थाप पर गीत-नृत्य चला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रंजीत बड़ाईक, ज्ञानी मुंडा, रंजन मुंडा, रामावतार केरकेट्टा, कामेर्ला कच्छप, मुन्ना बड़ाईक, जतनु टोप्पो, अनिल टोप्पो, राज बड़ाईक, विकास सोनार, नवीन राव, बच्चन बड़ाईक आदि की भूमिका सराहनीय रही।

बिरसा जैविक उद्यान में जिराफ मिष्टी की मौत

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। बिरसा जैविक उद्यान चकला में हाल के दिनों जानवरों की मौत की खबर पर्यटकों के लिए निराशा का सबब बनी हुई है। जैविक उद्यान प्रशासन से जानवरों की मौत के कारण पूछे जाने पर प्रशासन चुप्पी साध ले रहा है। बतातें चलें कि एक महीना पहले ही एशियाई शेर की मौत की खबर अखबारों में छपी थी। जिसकी भरपाई के लिए कोलकाता के जैविक उद्यान से मिष्टी नामक जिराफ को आठ अगस्त को लाया गया था। ठीक 25 दिनों के बाद जिराफ की भी मौत हो गयी। जानवरों के रख रखाव और खान पान के बारे में पूछे जाने पर निदेशक जब्बार सिंह ने गोल मटोल जवाब देकर टालने का प्रयास किया। वहीं, डॉ ओम प्रकाश ने बताया कि बुधवार की रात को जिराफ गिर गया था। जिसकी खबर मिलते ही वे तुरंत जैविक उद्यान पहुंचे थे। तब तक जिराफ की मौत हो गयी थी। मौत के कारणों की पुष्टि के लिए नमूना संग्रह कर कांके वेटनरी कॉलेज भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पचा चल सकेगा।

मानवता की सेवा करना ही मुख्य उद्देश्य: मौलाना अब्दुल क्यूम कासमी

इटकी (आजाद सिपाही)। गुलाम टोली स्थित मदरसा दीनीया अरबिया प्रागंण में गुरुवार को समारोह आयोजित हुआ। जिसमें जमीयत उलेमा-ए-हिंद रांची जिला के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। अपने संबोधन में जमीयत-ए-उलेमा के जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल कय्यूम कासमी ने कहा कि मानवता की सेवा करना ही मुख्य उद्देश्य है। जिस मंच के लिए हमारे बुजुर्गों ने अद्वितीय बलिदान दिया हैं, उसी मंच से काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। कहा कि हमें भविष्य में भी अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाना होगा, ताकि जमीयत के मिशन को और आगे बढ़ाया जा सके। इस मौके पर मौलाना अब्दुल क्यूम कासमी, हाजी शाह उमैर, हाजी मुस्लिम, हाजी एहसान, हाजी मोइन, मौलाना जाहिद, मौलाना अलीमुद्दीन, मौलाना रशीद, हाफिज तजम्मुल, हाफिज अब्दुल अजीज, मौलाना अबुल कलाम, काजी उजैर, मुफ्ती सलमान कासमी, कारी सोहेब अहमद, मुफ्ती अबू ओबैदा, मुफ्ती हशमतुल्लाह, हाफिज आरिफ आदि उपस्थित रहे। इससे पहले मदरसा दीनीया के कारी तैयब ने पाक कुरान की तिलावत पढ़कर समारोह की विधिवत शुरूआत की। मौके पर जमीयत उलेमा इटकी के अध्यक्ष मौलाना सईद, जिला नायब सदर हाजी मोइन, मो अकील, कारी इमाम, कारी अंसारुल्लाह, अंजुम जमाल, हाजी कैसर, हाफीज वसीम, मौलाना अब्दुल माजिद, अब्दुर रशीद आदि उपस्थित थे।

भड़काऊ गाना बजाने पर रहेगी पाबंदी: अताउल्लाह

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र में शुक्रवार को जश्न ए मिलाद उन नबी अकीदत के साथ मनाई जायेगी। फुटकलटोली के हर गली मोहल्ले में सुबह 6.30 बजे ही जुलूस ए मोहम्मदी निकाली जायेगी। इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। इस दौरान सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन मौजूद होंगे। काठीटांड चौक में एकत्रित जुलूस को उलिमाओं के द्वारा संबोधित किया जाएगा। वहीं, प्रखंड अंजुमन कमेटी के सदर अताउल्लाह अंसारी ने बताया कि जुलस के दौरान भड़काऊ गाने बजाने पर पाबंदी रहेगी। इसके अलावा नाश पान पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि हाथ मे इस्लामी झंडा लेकर चले। ऐसा कोई काम न करे जिससे नबी की शान में गुस्ताखी हो और राहगीरों को परेशानी न हो। उधर, मानव सहयोग समिति के अध्यक्ष असलम अंसारी ने बताया कि जश्न ए मोहम्मदी के जुलूस का स्वागत मानव सहयोग समिति की ओर से किया जायेगा। समिति की ओर से काठीटांड चौक में लोगों के बीच पानी, गुड़, खजूर, केला और चने का भी वितरण किया जायेगा।

कांके चौक में दुर्गा पूजा पंडाल का हुआ भूमि पूजन

कांके (आजाद सिपाही)। श्री दुर्गा पूजा समिति कांके चौक की ओर से पिछले कई वर्षो से शिव मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा आयोजित की जा रही है। इस वर्ष भी धूमधाम से दुर्गापूजा मनाने के लिए पूजा पंडाल का भूमि पूजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार मनीष ने किया। पंडित सुभाष द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोंच्चार से पूजा संपन्न कराया। इस मौके पर समिति के संस्थापक मदन कुमार महतो, संरक्षक विनोद साहू और अशोक कुमार महतो आदि उपस्थित थे।

दो बैटरी चोर को पकड़ कर पुलिस ने भेजा जेल

रातू (आजाद सिपाही)। पुलिस ने दो नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उनकी पहचान चटकपुर स्थित शिव मंदिर के समीप रहने वाले अमित कुमार यादव उर्फ मोबिल और गौतम लोहरा उर्फ गब्बर के रूप में हुई है। इन पर छाता टोंगरी में रहने वाले राजू राय के ट्रैक्टर से बैटरी चोरी करने का आरोप है। चालक ने बताया कि बुधवार को बैटरी लेकर भागते हुए दोनों को दौड़ाकर पकड़ने के बाद पुलिस को सौंपा गया गया। वबहीं, वाहन मालिक ने रातू थाने में उसके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज करायी थी।

ओड़िशा और बुढ़मू के बीच आज होगा टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

बुढ़मू ने जामताड़ा और ओड़िशा ने कानीजाड़ी को सेफा में हराकर फाइनल में बनायी जगह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा के संयुक्त तत्वावधान में मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में शुक्रवार को दीपक ब्रदर्स बुढ़मू और बांडा मुंडा ओडिशा के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले गुरुवार को खेले जा रहे शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट के पांचवें दिन का पहला सेमीफाइनल मैच दीपक ब्रदर्स बुढ़मू और वेस्टर्न डायमंड एफसी जामताड़ा के बीच खेला गया। पहले हाफ में बुढ़मू की टीम 7वें मिनट में मीका के बेहतरीन गोल से 1-0 से आगे हो गई। वहीं, दूसरे हाफ में बुढ़मू के ही मीका और इजराइल ने 2-2 गोल की बदौलत पांच गोल से आगे हो गई। जामताड़ा की ओर से रोहित तिग्गा ने एक मात्र गोल किया। इस तरह बुढ़मू की टीम जामताड़ा को 5-1 से हराकर फाइनल में पहुंचनेवाली पहली टीम बन गई। इससे पहले मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि सोंस-चान्हो के समाजसेवी शाबीर खान, विशिष्ट अतिथि रांची रेफरी एसोशिएसन के हेड फरीद खान, राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी संतोष उरांव, संत जॉन स्कूल रांची के हेड कोच जोशेफ तिग्गा, आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी लखो उरांव आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। वहीं, गुरुवार को दूसरा सेमीफाइनल द रॉयल स्टार क्लब कानीजाड़ी और अमित ब्रदर्स बांडा मुंडा ओडिशा के बीच खेला गया। पहले हाफ में बांदा मुंडा ओडिशा की ओर से टिकलो ने 8वें और 17वें मिनट में दो बेहतरीन गोल कर मध्यांतर के पहले हाफ तक 2-0 गोल से बढ़त दिला दी। फिर एकमात्र गोल कानीजाड़ी की ओर से छोटेलाल ने दूसरे हाफ के 25वें मिनट में किया। बराबरी करने में कानीजाड़ी की टीम असफल रही और उड़ीसा की टीम 2-1 गोल से जीतकर फाइनल में पहुंचनेवाली दूसरी टीम बन गई। बुढ़मू के मीका और इसराइल को संयुक्तरूप से और बांदा मुंडा ओडिशा के टिकलो को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच के सफल संचालन में खेल प्रभारी फांसिस जेवियर खलखो, अध्यक्ष मो. साकिब, मैच के स्कोरर रंजीत खलखो, विनोद खलखो, लखो उरांव आदि की भूमिका सराहनीय रही।

सब जूनियर अंडर 14 गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की टीम बनी विजेता

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। सब जूनियर अंडर 14 गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की टीम विजेता बनी। टीम में पिठोरिया थाना क्षेत्र के चारीहुजीर गांव की शिवानी कुमारी, नंदनी कुमारी और सीता कुमारी में शामिल रहीं। बतातें चलें कि तीनों गरीब परिवार से हैं। शिवानी और सीता के माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। जबकि नंदनी की मां झाड़ू- पोछा का काम करती है, वहीं, पिता मजदूरी हैं। तीनों अपनी प्रतिभा के दम पर झारखंड की टीम में जगह बनाई हैं। राइट टू किक के कोच आनंद प्रसाद गोप की अगुवाई में गुरुवार को चारीहुजीर मैदान में स्वागत समारोह आयोजित कर तीनों विजेता बेटियों को सम्मानित किया गया। लगे हाथ तीनों की माताओं को भी फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। कोच आनंद प्रसाद गोप ने कहा कि आने वाले समय में यहां से प्रशिक्षित किशोरी-युवतियां राज्य, राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा के बल पर उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

स्पीकर देने से मना करने पर युवक की गला घोंट कर हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के बसुआ पतरा में बरामद चंपा उरांव का शव मामले में पुलिस के तकनीकी अनुसंधान के बाद हत्यारोपी नेयाशीद बक्स को गिरफ्तार कर गुरुवार की अपराह्न 4 बजे जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार नेयाशीद बक्स फोरी का रहने वाला है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित ईंट भट्ठा में ट्रैक्टर चलाने का काम करता था करीब दो माह पूर्व भी वह घर लौटा था घर आने के बाद मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था घटना के दिन आरोपी अपने दोस्त चंपा उरांव के साथ बाइक में मछली मारने नदी किनारे जंगल गया था। इससे पूर्व दोनों ने शराब पी लिया था। नदी से लौटने के दौरान चंपा उरांव के पास एक काला ब्लूटूथ स्पीकर को नेयाशीद बजाने के लिए मांगा। इस पर चंपा ने गाली गलौज करते हुए स्पीकर देने से इनकार कर दिया। इसी बात पर दोनों के बीच धक्का मुक्की शुरू हो गई और देखते ही देखे झगड़ा बढ़ गया। आरोपी ने चंपा को जमीन पर पटक दिया और उसके सीने में चढ़कर गला दबा दिया। इसके बाद आरोपी ने अपने सफेद गमछे से चांपा का गला कसकर बांध दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। हत्या के बाद आरोपी घबराकर घटना स्थल से भागने लगा। इसी दौरान उसका रुमाल गमछा और ब्लूटूथ स्पीकर भी घटना स्थल पर छूट गया। भागने क्रम में करीब 1 किलोमीटर दूर खेत में उसका जींस और बरसाती चप्पल भी गिर गया। इसके बाद आरोपी अपने रिश्तेदार शमशेर अंसारी के घर जाकर रात गुजारी और अगले दिन अपनी बहन के घर भरनो चला गया।

गुरुवार की सुबह आरोपी अपने घर का लौटा तो पुलिस ने उसे दबोच लिया पूछताछ में उसने पूरे घटनाक्रम का खुलासा करते हुए हत्या की बात स्वीकार कर ली। छापामारी दल में थाना प्रभारी महेंद्र करमाली, उदेश्वर पाल, जमाल अंसारी, नौशाद परिया, पंकज महतो अशफाक अंसारी विमल बर्मन और यावर खान शामिल थे।

प्राकृतिक पर्व करमा धूमधाम से मनाया

सिसई (आजाद सिपाही)। भादो महीने के शुक्ल पक्ष एकादशी को मनायी जाने वाली प्राकृतिक पर्व करमा पूजा सिसई प्रखण्ड क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जो भाई बहनों के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लम्बी उम्र के लिए विशेष रूप से व्रत रखती हैं और करम डाली गाड़कर पूजा अर्चना करती हैं। यह उत्सव मुख्य रूप से झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा जैसे राज्यों के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया जाने वाला त्योहार है जो प्रकृति से जुड़ा हुआ भाई बहनों के अटूट प्रेम का प्रतीक है। कुदरा पंचायत में शाम को गांव के पाहान पुजार, बुजुर्ग तथा युवतियां नये वस्त्र पहनकर मांदर की थाप पर नाचते गाते हुए करम डाली काटने के लिए बगीचा स्थित करम पेड़ के पास पहुंचे और करम पेड़ की पूजा कर तीन डालियां काटकर नगर भ्रमण कराते हुए घर के आंगन व अखरा में विधिपूर्वक गाड़ा गया। व्रती महिलाएं एवं युवतियां रात को सजी हुई थालियों के साथ करम राजा का पूजन कर अपने भाइयों की लंबी उम्र की प्रार्थना की। प्रखंड क्षेत्र में लोग मांदर के थाप पर पारंपरिक लोक गीत संगीत व नृत्य करते हुए रातभर महिला पुरुष व बच्चे थिरकते रहे और उत्सव का आनंद उठाते रहे। अहले सुबह करम डाली को पास के तालाबों और नदियों में विसर्जित किया गया।

करम डाली के विसर्जन के साथ करमा संपन्न

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्राकृतिक एवं भाईचारे का करमा पर्व बिशुनपुर प्रखंड में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस निमित्त गांव के बैगा पूजा के द्वारा बुधवार की शाम कर्मा की डाली काटकर पूजा स्थल पर लाया गया। जहां विधिवत करमा डाली को जमीन में लगाने के बाद पूजा अर्चना की गयी। इस मौके पर विकास भारती द्वारा संचालित ज्ञान निकेतन में भी करमा पूजा का आयोजन किया गया। जहां लोगों को संबोधित करते हुए संस्था के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि करमा पर्व प्राकृतिक एवं भाईचारे का पर्व है। इस पर्व को लोग खेती बारी से निकलने के बाद मनाते हैं। गांव के किसान कर्मा त्यौहार पर अपने खेत खलियान एवं अन्य जगहों पर भी कर्मा की डाली को गाड़ कर अच्छी फसल की कामना करते है। उन्होंने कहा कि करमा पर्व प्रकृति का पर्व है। इसमें करमा की डाली की पूजा की जाती है। पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प लिया जाता है। त्योहार में खासकर बच्चियां एवं महिलाएं अपने भाई की लंबी आयु के लिए पूरे गांव के लोग एक जगह इकट्ठा होकर करती है। उन्होंने लोगों को करमा पर्व की बधाई दी। इस मौके पर महेंद्र भगत थाना प्रभारी, अर्जुन कुमार यादव, केदार साहू, भिखारी भगत, चंपा भगत, संजय कुमार पांडे, जगत ठाकुर, पंकज सिंह कौशल कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे। इधर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र में रात्रि में करमा देव का पूजा उपरांत गुरुवार सुबह पवित्र नदियों में विसर्जन के साथ ही करमा पर्व हर्षोल्लास संपन्न हो गया। गुरुवार की सुबह ज्ञान निकेतन एवं आश्रम की छात्र छात्राएं सहित महिलाओं ने विदाई गीत के साथ नाचते गाते कम डाली को नदी में प्रवाहित किया और भाइयों के सुख समृद्धि की कामना की।

सड़क जाम की घोषणा के बाद मरम्मत शुरू

घाघरा (आजाद सिपाही)। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के संयोजक विजय सिंह द्वारा 24 घंटे में सड़क मरम्मति नहीं होने की स्थिति में सड़क जाम की घोषणा के बाद घाघरा चांदनी चौक स्थित नेशनल हाइवे सड़क जो जर्जर और गड्ढे होकर जानलेवा हो गये थे जिसकी मरमती शुरू हुई। तत्पश्चात सड़क जाम और अन्य कार्यक्रम को झारखंड नवनिर्माण दल द्वारा वापस ले लिया गया है। विदित हो कि पिछले एक सप्ताह से भी ज्यादा दिनों से स्थानीय सांसद-विधायक, जिला प्रशासन के उदासीनता के कारण चांदनी चौक स्थित नेशनल हाईवे सड़क जर्जर होकर गड्ढे हो गए थे जहां बस, एम्बुलेंस, टेंपो, इत्यादि छोटी-बड़ी गाड़ियां तथा स्कूल के छात्र-छात्राओं को भी साइकिल में आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जिसे देखते हुए झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक द्वारा कड़े कदम उठाते हुए 24 घंटे का जिला प्रशासन और सरकार को अल्टीमेटम दिया गया था कि अगर सड़क मरम्मति कार्य शुरू नहीं हुई तो सड़क जाम जनहित में किए जायेंगे। तत्पश्चात सड़क मरम्मति का कार्य शुरू किये गये और आवागमन सुलभ बनाया गया। इस कार्य में प्रखंड व जिले के प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों तथा आम जनों का भी अपेक्षित सहयोग रहा जिसके कारण जिला प्रशासन को 24 घंटे में सड़क मरम्मति कर आवागमन सुलभ बनाना पड़ा। इस कार्य के लिए झारखंड नवनिर्माण दल व ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट प्रखंड समिति ने मीडिया कर्मियों तथा आम जनों को बधाई दी है।

लगातार बारिश से किसान का कच्चा घर गिरा

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला में लगातार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को बारिश से हानि हो रही है। गुमला प्रखंड के बिंदा पंचायत अंतर्गत टेंसेरा गांव निवासी सुरेंद्र साहू का कच्चा मकान लगातार हो रहे बारिश से ध्वस्त हो गया। घटना गुरुवार दिन के 2 बजे की है। बारिश के कारण सभी लोग घर पर ही थे। इसी बीच मवेशियों को रखने वाला गोहार घर भर भरा कर गिर गया जिससे मवेशी दब गए और उन्हें चोट भी लगी। मवेशी किसी तरह निकल कर बाहर आए वहीं घर के सदस्यों ने घर से बाहर निकल कर अपनी जान बचाई। घर के धवस्त होने से किसान बेघर हो गया। घर में रखें सामान भी नष्ट हो गए घटना की सूचना पीड़ित ने वृद्धा पंचायत की मुखिया सत्यवती देवी को दिया मुखिया ने प्रशासन से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। पीड़ित ने बताया घटना में अनाज भी नष्ट हो गया।

जामटोली में पेड़ से टकरायी बाइक, युवक की हुई मौत

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कोहीपाट पंचायत अंतर्गत जामटोली गांव में पेड़ में टकराने से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की घटना स्थल पर मौत हो गयी। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में सिरकोट ग्राम निवासी आकाश महली, इटकीरी ग्राम निवासी सोनू महली, मृतक कार्तिक लोहरा घोड़ा टांगर ग्राम निवासी शामिल है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा भिजवाया जहां चिकित्सक ने कार्तिक लोहरा को मृत घोषित कर दिया। जबकि दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु सोनू महली को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रतिबंधित मांस को बेचने आये दो लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। थाना क्षेत्र के गोरियाडीह गांव में प्रतिबंधित मांस की बिक्री करने आए दो व्यक्तियों को ग्रामीणों ने पकड़ा। इसके बाद इसकी सूचना ग्रामीणों ने घाघरा थाना को दी। घटना की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी पुनीत मिंज दलबल के साथ गोरियाडीह गांव पहुंचे। जहां दोनों आरोपियों के साथ मोटरसाइकिल और झोले में रखे प्रतिबंधित मांस को कब्जे में लेकर थाना आये। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि अहले सुबह ग्रामीण गांव में घूम रहे थे। इसी क्रम में पैशन प्रो एक मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति झोले में मांस लेकर बिक्री करने के नियत से पहुंचे। इसी क्रम में पूछताछ पर पता चला कि वह प्रतिबंधित मांस है। जिसकी बिक्री करने दोनों व्यक्ति आये हुए हैं। ग्रामीणों की मदद से दोनों को पकड़ा गया और इसकी सूचना घाघरा थाना को दी गये। इस संबंध में थाना प्रभारी पुनीत मिंज से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सूचना मिलने पर दोनों आरोपियों को पकड़कर थाना लाया गया है। पूछताक्ष में एक व्यक्ति ने अपना नाम टोटो निवासी सोनू कुरैशी, सीसी कतरी ग्राम निवासी एनुअल खान बताया है। मामले की छानबीन के साथ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ईद मिलादुन्नबी को लेकर बज्म ए रब्बानी ने किये कई कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। ईद मिलादुन्नबी को लेकर बज्म ए रब्बानी ट्रस्ट एंड एजुकेशनल फाउंडेशन की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें 4 से 7 वर्ष तक के बच्चों के लिए पेंटिंग की प्रतियोगिताका आयोजन किया गया। वहीं 8 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए तकरीर और क्विज की प्रतियोगिता तथा 13 वर्ष से अधिक आयु के छात्र-छात्राओं के लिए क्विज की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गुरुवार को प्रातः 10 बजे से शाम 5ः बजे तक अनवरत यह कार्यक्रम चला रहा। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लिया। बज्म ए रब्बानी एजुकेशन फाउंडेशन के सदर फिरोज उर्फ पप्पू रब्बानी ने बताया कि हजरत मोहम्मद के दुनिया में तशरीफ लाये हुए आज 1500 साल पूरे हो गये हैं, लेकिन आज भी उनके आने की खुशी इस जोश खरोश के साथ मनायी जाती है। इस अवसर पर मुसलमान जुलूस निकालते हैं। घरों को सजाते हैं। साथ ही विद्यार्थियों के लिए कई कार्यक्रम के आयोजन किये जाते है। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के निदेशक आफताब अंजुम की निगरानी में किया गया। ट्रस्ट के आमिर रब्बानी, तहसील रब्बानी, शादाब रब्बानी, हसन रब्बानी एखलाक रब्बानी, इम्तियाज रब्बानी, सफदर अली, उस्मान खान साबिर रब्बानी, रागिब रब्बानी, आजाद कुरेशी, मोहम्मद सामू, एजाज अहमद, फैजान अंसारी, अशफाक आलम सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

महिला के खोये मोबाइल से 65 हजार रुपये ट्रांसफर

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सदा थाना क्षेत्र के ढोठा टोली निवासी एक महिला ने गुमला थाना को आवेदन देकर 66 हजार 484 रुपए ऑनलाइन ठगी को लेकर कार्रवाई की मांग हेतु गुरुवार की शाम 7 बजे आवेदन दिया है। थाना को दिए आवेदन के अनुसार 3 सितंबर को डुमरी से गुमला आने के क्रम में रायडीह और गुमला के बीच मोबाइल गुम हो गया था और उसी दिन शाम उसे मोबाइल पर कॉल करने पर पालकोट रोड स्थित साहू नर्सिंग होम के पास बुलाकर महिला के बेटे को मोबाइल फोन एक लड़की के द्वारा दिया गया। जब घर आकर मोबाइल को चेक किया गया तो 66 हजार 484 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर दिख रहा है। चेक करने पर इतना ही राशि बैंक से कट गया है। जबकि मोबाइल लॉक अवस्था में ही मिला। मामले को लेकर पीड़ित महिला ने गुमला थाना को आवेदन देकर जांच के उपरांत कार्रवाई की मांग की है।

दो दिन से लापता अधेड़ का शव कुएं से बरामद

पालकोट (आजाद सिपाही)। पालकोट थाना क्षेत्र के झिकिरमा कबरा टोली गांव निवासी आश्मीन सोरेंग उम्र 50 वर्ष का शव कुए से बरामद आशंका जतायी जा रही है कि आश्मीन की मौत कुएं में गिरने से हुई है। मृतक के चचेरा भाइ जेम्स सोरेंग ने बतलाया कि मृतक आश्मीन 2 तारीख शाम से लापता था जिसे खोजबीन कर रहे थे। गुरुवार की सुबह कुआं के पास छाता मिला तो शंका हुआ कि कही कुआं में तो नहीं गिरा है और कुआं देखा गया तो शव कुआ में ही पड़ा था। जिसकी सूचना पालकोट थाना को दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध्रुव चंद्र मिश्र की अदालत ने गुरुवार की अपराह्न 4 बजे बिशुनपुर जालिमा निवासी शिवलाल उरांव को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाया। इसके अलावा 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि अदा नहीं करने पर छह माह अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ सकता है। घटना 14 जनवरी 2023 को जमीन विवाद में हत्या हुई थी। जिसमें आरोपी शिवलाल उरांव के द्वारा कुदाल से वार कर 60 वर्षीय किसान पाही उरांव का हत्या कर दिया था।

युवक के खाते से दस हजार की ठगी

कुंदा/ चतरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मेदवाडीह गांव के युवक रविरंजन यादव के खाता से साइबर अपराधियों ने 10 हजार 133 रुपया उड़ा दिया। साइबर अपराधी ने 28 अगस्त को शाम में मोबाइल नंबर 8409655392 से कॉल कर कहा कि इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक में आप पैन कार्ड नंबर वेरीफाइ करवा लीजिए, नहीं तो ब्रांच में आकर सही करवा लीजिए। आज अंतिम दिन है। अगर खाता में पैसा आप डालियेगा तो फंस जायेगा।

शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर मैं सभी विद्यार्थियों को संदेश देना चाहता हूं कि ज्ञान ही सबसे बड़ी ताकत है। आप सब भविष्य के दीपक हो।
शिव शंकर झा
उत्क्रमित उच्च विद्यालय, ओझाडीह, सारठ, देवघर।
हमेशा सीखने की आदत रखो, सवाल पूछो और अच्छे संस्कार अपनाओ। मेहनत और ईमानदारी ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है।
याद रखो – शिक्षा से ही जीवन सुंदर और सफल बनता है।

चतरा की खबरें

करमा पूजा झारखंडी सभ्यता संस्कृति और हमारे पूर्वजों की समृद्ध विरासत है : सत्यानंद भोगता

चतरा (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री सत्यानन्द भोगता एक दिवसीय दौरे पर चतरा विधानसभा क्षेत्र के कुन्दा प्रखंड पहुंचे। इस दौरान श्री भोगता ने झारखंड के पावन प्रकृति पर्व करमा पूजा के पावन अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बेरियाचक खेल मैदान में एवं ग्राम चाया में आयोजित करमा मिलन समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। साथ ही करम के डाली की पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश में सुख शांति की कामना करते हुए सभी उपस्थित लोगों को करमा पूजा की बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि करमा पूजा झारखंडी सभ्यता संस्कृति एवं हमारे पूर्वजों का समृद्ध विरासत है। यह भाई बहनों का पवित्र त्यौहार है। यह पर्व झारखंड बिहार छत्तीसगढ़ ओडिशा मध्यप्रदेश आदि राज्यों में भाद्रपद मास के एकादशी तिथि को धूमधाम से मनाया जाता है। उक्त कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष नवलकिशोर यादव, प्रखंड अध्यक्ष बैजनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष दिलीप यादव, राजद युवा नेता श्याम भोक्ता, राजद युवा नेता दीपक साहू, प्रमुख प्रतिनिधि जयराम भारती, कमलेश यादव, पूर्व मुखिया सुनीता देवी समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

पीएलवी ने चलाया नशा उन्मूलन अभियान

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निर्देशानुसार अधिकार मित्र कुमार विवेक रंजन और सरयु यादव के द्वारा प्रखंड के सेलवार गांव में नशा उन्मूलन अभियान चलाया गया। उपस्थित ग्रमीणों को नशा से हो रहे नुकसान के बारे में जागरूक किया गया। तथा इससे समाज में हो रहे दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। नालशा द्वारा जारी नि:शुल्क विधिक सहायतार्थ टोलफ्री हेल्पलाइन न 15100 की जानकारी दी गयी। उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशीली पदार्थ के व्यापार एवं सेवन करना दोनों कानूनन अपराध है। कड़ी से कड़ी सजा का प्रवधान है।ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यालय में 21 सिंतबर को लोक अदालत में अधिक अधिक संख्या में भाग लेने के जानकारी दिया गया।

भाजपा नेता के पुत्र का निधन

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के कोबना पंचायत अंतर्गत बहेरी गांव निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता सह हंटरगंज मंडल के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी के छोटे पुत्र रोहित कुमार का ब्रेन ट्यूमर से निधन हो गया। वह 22 वर्ष का था। उसका इलाज एक महीने से बेंगलुरु के टीएमसी नामक एक निजी अस्पताल में चल रहा था। सोमवार की मध्य रात्रि में उसका अचानक तबियत बिगड़ा, जिसके बाद उसने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उसका पार्थिव शरीर बेंगलुरु से सड़क मार्ग से गुरुवार दोपहर लगभग 12 बजे पैतृक गांव बहेरी लाया गया। शव के गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे गांव में मातम पसरा रहा। इसकी जानकारी मिलते ही उनके घर चतरा सांसद कालीचरण सिंह और विधायक जनार्दन पासवान सहित कई नेता पहुंचे और उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उनके निधन से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। इस दौरान सांसद श्री सिंह तथा विधायक श्री पासवान ने मृतक परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके अलावा सांसद और विधायक ने इसी गांव के अशोक लाल के घर पहुंचे। जहां दो दिन पूर्व कुएं में डूबने से अशोक के पुत्र की मौत हुई थी। मौके पर सांसद प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह,शिवकुमार चौबे, जैनेंद्र सिंह, अरुण चौरसिया, मुन्ना सिंह, गुंजित कुमार, अनुज कुमार सिंह, टुनटुन सिंह, अप्पू आर्य सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
गुरू ब्रह्मा, गुरूविष्णु: गुरू देवो महेश्वर:।
गुरु: साक्षात् परम ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नम:।।
निवेदक
दिलीप कुमार राय
प्रांतीय मीडिया प्रभारी
झरोटेक, झारखंड।
मो. नं.: 9934399159
जिसमें हमेशा सिखने की ललक रहती है वह जीवन में हमेशा आगे बढ़ता है।
सभी गुरुजनों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

आवश्यकता
G7 सिक्योरिटी गार्ड
Guard - 14000
Supervisor - 16000
In Hand Salary
CHOWKA HATA
Mobile No- 8969779654, 7004602184

Yogendra Mistri : 9199053376
Amin Macanic : 8617878251
NEW MOTOR KRAFT
(A Multi Brand Car Service Center)
SERVICE DENTING AND PAINTING BREAKDOWN SERVICE
AC WORK PICKUP AND DROP SERVICE FREE
Available Genuine Parts With Genuine Service Charges.
TATA SUZUKI HYUNDAI TOYOTA Mahindra
Add : Khelgaon Road, Khatanga, Ranchi, Jharkhand

A-1 SUREJA INDUSTRIES
GO Green HURRY-E
CHARGE ANYWHERE
No Charging Station Required
3 Hours Charging Time
100 km Cost ₹15
3 Years Warranty
Range Upto 130 - 200 Kms As Per Model
Available in Registration & Non Registration Models
CONTACT FOR DEALERSHIP
J.K SALES
Pillar No. 83, In Between O.T.C. Ground & Piska More, Ratu Road, Beside M-Bazar, Lakdi Tall, Ranchi
M.- 9386070011

VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि०
राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 150	Hindi	₹ 150
English	₹ 150	English	₹ 150
Mathematics	₹ 150	Mathematics	₹ 150
Science	₹ 150	Science	₹ 150
Social Science	₹ 150	Social Science	₹ 150
Sanskrit	₹ 150	Sanskrit	₹ 150
Hindi – B	₹ 150	Hindi – B	₹ 150
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 130	English Grammar– II	₹ 130
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 60	Hindi Practical	₹ 60
English Practical	₹ 60	English Practical	₹ 60
Maths. Practical	₹ 70	Maths. Practical	₹ 70
Science Practical	₹ 70	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 75	S. Science Practical	₹ 75
Sanskrit Practical	₹ 60	Sanskrit Practical	₹ 60
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 90
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 90
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 230
Science	₹ 220	Science	₹ 200
Social Science	₹ 230	Social Science	₹ 230
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 100	S. Science Practical	₹ 90

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

जबरन विस्थापित करने का करेंगे विरोध: अभिषेक

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल लोदना क्षेत्र के बरारी में चल रही आउटसोर्सिंग परियोजना के विस्तारीकरण में बाधक बनी छाता धौडा मुहल्ले को विस्थापित को लेकर प्रबंधन की ओर से दिये गये नोटिस के विरोध में लोगों ने गुरुवार को जमसं (बच्चा गुट) के महामंत्री अभिषेक उर्फ गुड्डू सिंह के साथ दुर्गा मंदिर में बैठक कर आंदोलन करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर गुड्डू सिंह ने कहा कि वे कोयला खनन के विरोधी नहीं है, लेकिन प्रबंधन ने मोहल्लेवासियों को मूलभूत सुविधाओं सहित विस्थापन नीति के बगैर विस्थापन करने की जबरन कोशिश की तो क्षेत्र के आउटसोर्सिंग परियोजना को चलने नहीं दिया जाएगा। कहा कि प्रबंधन ने पहले मुहल्ले के लोगों के साथ बैठक कर डिगवाडीह कांटा घर एवं जवाहर स्कूल के पास पुनर्वास करने की जो सहमति जताई है उसे अमल करते हुए मुहल्ले के साथ दुर्गा मंदिर का झरिया विधानसभा क्षेत्र में विस्थापन करे। बैठक के बाद गुड्डू सिंह ने समर्थकों के साथ जीएम से उनके कार्यालय में जाकर बात की। बैठक की अध्यक्षता संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष उमाशंकर शाही और संचालन क्षेत्रीय सचिव मृणाल कांत सिंह ने किया। इस मौके पर अमरजीत यादव, प्रमोद पाठक, संजय तिवारी, निर्मल पाण्डेय, भुवन राजभर, बिनोद और विशाल आदि उपस्थित रहे।

बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे ली थी शरण

वज्रपात की चपेट में आकर दो की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/सिंदरी। धनबाद जिले के सिंदरी थाना अंतर्गत मनोहरटांड में गुरुवार की शाम वज्रपात की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गयी। उनकी पहचान रोहित महतो और उत्तम मल्लिक उर्फ झंटू के रूप में हुई है। दोनों मनोहरटांड के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक इस दिन शाम चार बजे अचानक बारिश शुरू हो गयी। रोहित और उत्तम बारिश से बचने के लिए हीरक रोड से छाताबाद की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित बजरंग बली के मंदिर के पास स्थित पेड़ के नीचे शरण लेने पहुंच गये, तभी तेज आवाज के साथ हुए वज्रपात की चपेट में दोनों आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत इलाज के लिए स्थानीय एक क्लिनिक ले गये। वहां से बेहतर इलाज के लिए दोनों को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बतातें चलें कि मृतक उत्तम मल्लिक दो बच्चों का पिता था। उसका एक बच्चा पांच साल का है, जबकि दूसरा महज एक साल का है। वहीं, रोहित महतो की अभी शादी नहीं हुई थी। स्थानीय लोगों की मानें तो दोनों युवक दिहाड़ी मजदूरी कर अपना और परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में गम का माहौल है।

वज्रपात की चपेट में आकर मारे गये युवकों की फाइल फोटो।

ईद-मिलाद-उन-नबी को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च

डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। ईद-मिलाद-उन-नबी की पूर्व संध्या पर गुरुवार को डुमरी पुलिस ने क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च किया। यह फ्लैग मार्च डुमरी अनुमंडल कार्यालय से शुरू होकर डुमरी एवं निमियाघाट थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च का नेतृत्व डुमरी इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद ने किया। इस मौके पर डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल और निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार भी मौजूद थे। फ्लैग मार्च में पुअनि रूपेश कुमार, गोपाल कुमार, निकोलेश सोरेन, मणिलाल देवी गहलोत आदि शामिल थे। इस दौरान पुलिस ने आम लोगों से संवाद स्थापित करते हुए शांति बनाए रखने की अपील की। लोगों से कहा कि वे त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। किसी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जायेगी।

बड़्स गार्डेन स्कूल में हुआ कबड्डी और वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

राजगंज (आजाद सिपाही)। धनबाद क्रीड़ा भारती खेल महोत्सव के तहत दलूडीह बड्स गार्डेन स्कूल में गुरुवार को कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष फूल सिंह, जिला अध्यक्ष डॉ राजशेखर सिंह, सह मंत्री रितेश कुमार, राष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी कंचन सिंह एवं जिला महामारी पदाधिकारी डॉ ऋतुराज अग्रवाल बतौर अतिथि उपस्थित रहे। प्राचार्य प्रमोद चौरसिया और चेयरमैन एके पाल ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान कबड्डी में झांसी की रानी ग्रुप ने अहिल्या बाई ग्रुप को 10-8 और 10-9 से मात दी। जबकि राजा राममोहन राय हाउस ने विवेकानंद हाउस को 10-9 और 10-8 से हराया। वहीं, वॉलीबॉल मुकाबले में अटल हाउस ने नेहरू हाउस को 21-15 और 21-18 से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। इस अवसर पर फूल सिंह ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि खेलकूद और योग स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती ने प्राचार्य प्रमोद चौरसिया को संरक्षक घोषित कर सम्मानित किया। इसके बाद विजेता खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।

'लैब विजिट और फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप: अज्ञात को उजागर करना' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। सीएसआइआर जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुधवार को बरवा रोड परिसर स्थित सीएसआइआर-सीआइएमएफआर में हुआ। यह कार्यशाला 'लैब विज़िट' और 'फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप: अज्ञात को उजागर करना' विषयों पर केंद्रित थी। यह कार्यक्रम धनबाद के परघाबाद लिटिल एंजेल्स स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें 30 छात्रों और चार शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना था। मुख्य वैज्ञानिक एवं समन्वयक (एचआरडी, कौशल एवं जिज्ञासा) अमर नाथ ने छात्रों को विज्ञान को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया और उभरती प्रौद्योगिकियों एवं उनके भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी, जिज्ञासा, डॉ पल्लबी दास ने छात्रों को जिज्ञासा कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्हें फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप की अवधारणा से अवगत कराया। पहला सत्र लैब विज़िट पर आधारित था, जिसमें छात्रों ने सीएसआईआर-सीआईएमएफआर की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा किया। उन्होंने खनन, सामग्री परीक्षण और पर्यावरणीय विश्लेषण में उपयोग होने वाले उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों के प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखे। इस अनुभव ने छात्रों को यह समझने में मदद की कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी वास्तविक जीवन की औद्योगिक और सामाजिक चुनौतियों को कैसे हल करते हैं। जबकि दूसरा सत्र फोल्डस्कोप पर केंद्रित था, जो स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय (यूएसए) के एक प्रोफेसर द्वारा विकसित कम लागत वाला कागज आधारित सूक्ष्मदर्शी है। कार्यक्रम का संचालन मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रोजेक्ट लीडर (जिज्ञासा) दिलीप दिलीप कुम्भकार ने किया। वहीं, अमरेश चटर्जी, तन्मय, सुनीता कुमारी, रूपा कुमारी और सबिता रॉय ने स्वयंसेवकों के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्श को करें जीवन में आत्मसात: फादर डॉ जोशी वर्गीस

बोकारो (आजाद सिपाही)। सेक्टर चार एफ स्थित एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में गुरुवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। प्रधानाध्यापक फादर डॉ जोशी वर्गीस ने देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कहा कि डॉ एस राधाकृष्णन प्रख्यात शिक्षाविद, राजनेता एवं दार्शनिक थे। उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रुप में मनाया जाता है। उन्होंने शिक्षक के रुप में अपना जीवन समर्पित किया। वह भारतीय संस्कृति के संवाहक एवं विचारक थे। उनका मत था कि शिक्षा के माध्यम से ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है। वह विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों को अपने व्यवहार में उतारने की शिक्षा देते थे। विद्यार्थियों को सरल और रोचक शैली में शिक्षा प्रदान करते थे। विद्यार्थियों को डॉ एस राधाकृष्ण के आदर्श को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। कहा कि विद्यार्थियों को अनुशासन में रह कर आगे बढ़ना चाहिए। गुरु का सम्मान करना चाहिए, ताकि गुरु-शिष्य की परंपरा हमेशा बनी रहे। वहीं, शिक्षिका राजोश्री हलदर ने शिव-पार्वती की स्तुति करते हुए नृत्य प्रस्तुत किया। जबकि माधवी सरकार ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति की। इस दौरान बेहतर कौशल प्रदर्शन के लिए विद्यालय के कई शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर उप प्राचार्य राखी बनर्जभ, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी आदि उपस्थित थे।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी के कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर

बोकारो (आजाद सिपाही)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी के शनिवार को बोकारो में आयोजित कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गई है। सेक्टर एक बी स्थित अग्रसेन भवन में सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक कार्यक्रम आयोजित होगा। इसकी जानकारी आप के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने दी है। उन्होंने बताया कि आप के झारखंड प्रभारी शिवचरण गोयल और प्रदेश सह प्रभारी सुशील सिंह छह सितंबर को बोकारो पहुंचेंगें। उस दिन कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। जिसमें पूरे जिले से सक्रिय कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। इसके अलावा जोनल कमेटी और प्रदेश के कई अन्य वरीय पदाधिकारी भी शामिल होगें।

ईद-मिलाद-उन-नबी आज, बोकारो एसपी ने किया गांधीनगर क्षेत्र का दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

गांधीनगर/बेरमो। ईद-मिलाद-उन-नबी शुक्रवार को मनायी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने गुरुवार को गांधीनगर थाना क्षेत्र के जरीडीह बाजार एवं कुरपनिया क्षेत्र का दौरा किया। और व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जरीडीह बाजार झंडा चौक में अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने उन्हें चुनरी और श्रीफल देकर स्वागत किया। एसपी के ही बेरमो एसडीपीओ बीएन सिंह, बीटीपीस थाना प्रभारी पिंकु कुमार यादव, गांधीनगर थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह, कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति सहित कई अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर रिजू खान, अरशद, आरफीन, शान कुरैशी, बबलू सिद्दीकी, मोहम्मद इफ्तिखार, मोहम्मद इमरान फिरोज कुरैशी, मोहम्मद रिजवान, रोबिन कैसेरा, नरेश महतो, शंभू सोनी, प्रदीप साहू सहित कई गण्यमान उपस्थित थे।

बाजरा उत्पादन पर आइआइटी-आइएसएम ने आयोजित किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

धनबाद (आजाद सिपाही)। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के सालतोरा ब्लॉक स्थित सलमा ग्राम पंचायत में उच्च गुणवत्ता वाले बाजरा उत्पादन पर तीन दिवसीय (बुधवार से शुक्रवार) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह प्रशिक्षण कोल इंडिया लिमिटेड की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत आइआइटी-आइएसएम धनबाद की ओर से संचालित किया गया है। इसमें मौजूदा चरण का फोकस उद्यमिता, पैकेजिंग और वैल्यू चेन डेवलपमेंट पर है, ताकि ग्रामीणों और किसानों को ऐसे कौशल मिल सकें। जिससे वे बाजरा आधारित उद्यम शुरू कर बड़े बाजार तक पहुंच बना सकें। इससे पहले हुए प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को वैज्ञानिक तरीके से बाजरा की खेती की जानकारी दी गई थी। पहले दो दिन सत्र बोलपुर-शांतिनिकेतन के बंधन स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रिंसिपल प्रो सुदीप्तो भट्टाचार्य ने लिया। वे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से सर्टिफाइड एंटरप्रेन्योरशिप एजुकेटर, गोल्डमैन सैक्स स्कॉलर और लंदन बिजनेस स्कूल से सर्टिफाइड स्टार्ट-अप मेंटर हैं। उन्होंने ग्रामीणों को बिजनेस प्लानिंग, मार्केट रणनीति और स्टार्ट-अप से जुड़ी जानकारी दी। अंतिम दिन का सत्र कोलकाता के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग के डिप्टी डायरेक्टर और ब्रांच हेड डॉ विधान दास ने लिया। उन्होंने वैज्ञानिक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स पर प्रशिक्षण दिया, जिससे बाजरा उत्पादों को बेहतर मार्केट प्रतिस्पर्धा और पहचान मिल सके। प्रशिक्षण में पंचायत प्रतिनिधि, एनजीओ, कृषक बंधु, स्वास्थ्यकर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, कृषि अधिकारी और 100 से अधिक ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो नीलाद्रि दास (प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) और प्रो रश्मि सिंह (को-प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) कर रहे हैं। इनके साथ ही रोहित सिंह, सनी कुमार, सुमना बनर्जी और फिरदौस अंसारी की टीम सहयोग कर रही है।

छापामारी कर पुलिस ने दो जुआरियों को रंगहाथ दबोचा

बोकारो (आजाद सिपाही)। आम जनता से मिल रही शिकायतों के आधार पर एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर चास (मु.) थाना क्षेत्र से पुलिस ने छापामारी कर दो जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान हरीला गोड़ा निवासी कृष्णा महतो उर्फ मनोज और हरिडीह निवासी शिवनाथ महतो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मामरकुदर गांव की जनता से पुलिस को जुआ अड्डा संचालित होने की लगातार शिकायतें मिल रही थी। इस पर अंकुश लगाने और आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए एसपी के निर्देस पर एक छापामारी टीम का गठन किया गया। पुलिस ने चिन्हित स्थान पर छापामारी की और मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 10950 रुपए नगद, ताश के पत्ते और दो मोबाइल फोन बरामद करते हुए जब्त किया गया वहीं, पुलिस की छापामारी टीम में पिंड्राजोरा थाना प्रभारी, बरमसिया थाना प्रभारी सहित कुल 11 पुलिस अधिकारी एवं जवान शामिल थे।

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षक-शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

शिक्षक समाज सुधारक होते हैं, उनका सम्मान जरूरी: विजय झा

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर श्री कृष्णा मातृ सदन एवं सात्विक आइवीएफ की ओर से गुरुवार को हिंदी कन्या मध्य विद्यालय और गुजराती स्कूल कतरास सहित अन्य विद्यालय के सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही सात्विक आइवीएफ धनबाद की ओर से चिकित्सा शिविर का आयोजन कर निसंतान दंपतियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। इससे पूर्व कार्यकर्म का उद्घाटन डॉक्टर विश्वनाथ चौधरी, उषा चौधरी, महादेव चटर्जी, गुजराती स्कूल के प्रधानाध्यापक आशुतोष पांडेय, डॉक्टर शिवानी झा, समाजसेवी विजय कुमार झा, राखी कुमारी प्रभारी प्रधानाध्यापक हिंदी कन्या मध्य विद्यालय, मनीषा मीनू (न्यूट्रीशियन) की ओर से संयुक्त रूप से किया। इसके बाद डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, कन्या पाठशाला की पूर्व शिक्षिका स्वर्गीय प्राणी मिश्रा एवं डीएवी मिड्ल स्कूल कतरास के पूर्व शिक्षक स्वर्गीय चुनचुन मिश्रा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इसके बाद सभी शिक्षक और शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर, मोमेंटो और पौधा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजराती स्कूल के प्रधानाध्यापक आशुतोष पांडेय, मंच संचालन सामाजिक कार्यकर्ता गौतम मंडल और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर नेहा प्रियदर्शिनी ने किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विजय कुमार झा ने कहा कि डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन 1952 से लेकर 1962 तक उपराष्ट्रपति रहे। इसके बाद राष्ट्रपति बने। ऐसे महापुरुष डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को शिक्षक दिवस हम सभी नमन करते हैं। कहा कि शिक्षक समाज के सुधारक होते हैं। उनके बिना समाज अधूरा है। वहीं, डॉ शिवानी झा ने कहा कि डॉ राधाकृष्णन एक प्रतिष्ठित शिक्षक, विद्वान, दार्शनिक और राजनेता थे। राजनीति और शैक्षणिक परिदृश्य पर उनकी गहरी पकड़ थी। जबकि डॉ विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृशणन के साथियों और छात्रों ने उनका जन्मदिन मनाने का निर्णय लिया। इस पर उन्होंने कहा था कि उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। यही उनके लिए सम्मान होगा। डॉ नेहा प्रियदर्शिनी ने कहा कि शिक्षक हमारे जीवन को अज्ञानता से दूर कर ज्ञान की रोशनी भरते हैं। शिक्षक हमे एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। शिक्षक के बिना ज्ञान संभव नहीं है। इस दौरान निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 40 दंपतियों को चिकित्सा परामर्श दी गई। इस दौरान सम्मानित होने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं में राखी कुमारी प्रभारी प्रधानाध्यापिका, रेखा कुमारी सहायक शिक्षिका, मनीषा कुमारी सहायक शिक्षिका, श्रवण कुमार महतो, उमेश चंद्र महतो, रूपेश कुमार बर्मन, जावेद इकबाल, सीमा रानी, कविता शर्मा, वंदना कुमारी, संगीता बर्मन, सविता कुमारी, पिंकी कुमारी, ममता कुमारी, सूर्यनारायण तिवारी भूतपूर्व प्रधानाध्यापक कन्या हिंदी मध्य विद्यालय, महादेव चटर्जी, आशुतोष पांडेय प्रधानाध्यापक गुजराती स्कूल कतरास, सरिता वर्मा डिनोबली स्कूल कोराडीह, सरिता गुप्ता पूजा भारती कुमारी ज्ञान शिशु मंदिर रानी बाजार कतरास और रूबी हाजरा टाटा डीएवी आदि शामिल थे। इस मौके पर धीरज सिंह, विनोद सिंह, राणा प्रताप चौहान, शंकर चौहान, अनुज सिन्हा, अधिवक्ता सोमनाथ चटर्जी और डॉ विनय कुमार आदि उपस्थित थे।

जादू महतो आत्महत्या मामले में सबूर गोराई का नाम बेवजह ही घसीटा जा रहा : भाकपा-माले

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/पाथरडीह। नुनूडीह स्थित कॉमरेड एके राय स्मृति भवन में भाकपा माले (बीसीकेयू) की ओर से संवाददाता सम्मेलन की गयी। जिसमें बीसीकेयू के केंद्रीय उपाध्यक्ष हलधर महतो ने कहा कि कुलटांड़ बस्ती निवासी शिव शंकर उर्फ जादू महतो द्वारा आग लगाकर आत्महत्या करने के मामले में बीसीकेयू के नेता सबूर गोराई का नाम एक साजिश के तहत लिया जा रहा है। उक्त वीडियो जारी कर उन्हें फंसाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। प्रशासन को इसकी जांच करने की जरूरत है। कहा कि सबूर गोराई की प्रतिष्ठा का हनन बर्दाश्त नहीं करेंगें। कहा कि मिवान स्टील मोनेट कोल वाशरी में मजदूरों को एचपीसी के तहत मजदूरी दिलाने के लिए बीसीकेयू के बैनर तले सबूर गोराई ने प्रबंधन के साथ लंबी लड़ाई लड़ी है। एएलसी धनबाद से समझौता वार्ता के बाद एचपीसी लागू किया गया है। यही नहीं, एचपीसी का बकाया एरियर की राशि का भुगतान किया गया और ठेका मजदूरों को वार्षिक वोनस का भी भुगतान कराया है। उन्होंने कहा कि जादू महतो मिवान स्टील मोनेट कोल वाशरी में ठेका कार्य करते थे। मजदूरों का वेतन भुगतान करने एवं उनके उपर बकाया जीएसटी राशि नहीं देने का क्या मामला था। प्रबंधन उन्हें क्यों टर्मिनेट किया उससे किसी को कोई लेना देना नहीं है। वहीं, यूनियन के झरिया प्रखंड अध्यक्ष सबूर गोराई ने कहा कि कुलटांड़ बस्ती निवासी शिव शंकर महतो उर्फ जादू महतो के निधन से गहरा दुःख है। उनके परिवार के प्रति संवेदना भी हैं। पर जादू महतो के घायलावस्था में सोची समझी एक साजिश के तहत किसी ने यह बयान दिलवाया है। उन्होंने पुलिस से दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस मौके पर सुरेश प्रसाद गुप्ता, कृष्ण बल्लभ पासवान, शिव कुमार सिंह, आरएन घोष, बच्चन भारतीय, मो अलीम अंसारी, बरारी मस्जिद सदर, बिरेन गोराई, मंगल मुर्मू, इसफाक अंसारी आदि उपस्थित थे।

भारत और चीन को धमकाना बंद करें ट्रंप : पुतिन

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारत और चीन को टैरिफ के नाम पर धमकाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों (भारत-चीन) देश उनकी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। चीन की विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के बाद को मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि ट्रंप, भारत या चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और चीन का इतिहास हमलों से भरा है। अगर इन देशों का कोई नेता कमजोरी दिखाएगा तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है। दरअसल, ट्रंप भारत पर कई बार आरोप लगा चुके हैं कि भारत रूसी तेल खरीदता है और यूक्रेन जंग में रूस का साथ दे रहा है। ट्रंप अपने टैरिफ को जंग सुलझाने वाला हथियार बताते हैं।

बंगाल विधानसभा में अभूतपूर्व हंगामा 5 भाजपा विधायक किये गये निलंबित

विपक्षी विधायकों और मार्शल के बीच जमकर हाथापाई

- डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सदन में नारेबाजी और हंगामा
- ममता के भाषण के दौरान भाजपा विधायकों ने की नारेबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। बंगाल विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में अभूतपूर्व हंगामा देखने को मिला। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे ही प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ी हुईं विपक्षी भाजपा के विधायकों ने सीटों से खड़े होकर नारेबाजी शुरू कर दी। लगातार नारेबाजी एवं सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी ने पांच भाजपा विधायकों- मुख्य सचेतक डा शंकर घोष, अग्निमित्रा पाल, मिहिर गोस्वामी, अशोक डिंडा एवं बंकिम घोष को आज के लिए सदन की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया। डेढ घंटे से अधिक समय तक सदन में दोनों तरफ से लगातार नारेबाजी एवं हंगामा चलता रहा।

हंगामे की शुरुआत दिन के 1.50 बजे तब हुई, जब मुख्यमंत्री प्रस्ताव पर बोलने के लिए जैसे ही खड़ी हुईं, भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने आरोप लगाया कि प्रस्ताव पर हमारे सभी वक्ताओं को स्पीकर ने बोलने नहीं दिया। स्पीकर ने आरोपों को खारिज करते हुए प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों से बार-बार सीटों पर बैठने की अपील की लेकिन नारेबाजी जारी रही। यहां तक की सदन के बीचोंबीच आकर विपक्षी विधायक नारेबाजी कर रहे थे और कागज के टुकड़े भी फाड़ कर फेंकें। चेतावनी के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में सबसे पहले भाजपा के मुख्य सचेतक डा शंकर घोष को आज की शेष कार्यवाही के लिए सदन से निलंबित कर दिया। उन्होंने मार्शल को शंकर घोष को सदन से बाहर निकालने का निर्देश दिया। इस दौरान भाजपा विधायकों और मार्शलों के बीच जम कर हाथापाई हुई। इसी बीच घोष नीचे फ्लोर पर गिर पड़े। इससे माहौल और भी गरम हो गया। काफी मशक्कत के बाद मार्शलों ने शंकर घोष को आखिरकार जबरन खींच के सदन से बाहर निकाला।

ममता बनर्जी ने मोदी चोर के लगाये नारे

ममता ने सदन में भाजपा चोर, मोदी चोर, वोट चोर, गद्दी छोड़ जैसे नारे भी लगाए।ममता ने कहा कि देश से अब भाजपा की विदाई का घंटा बजा चका है। उन्होंने यहां तक कहा कि मैं भाजपा को धक्का देकर जीरो कर दूंगी। ममता ने कहा कि भाजपा का आजादी के आंदोलन से कोई सरोकार नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने अंग्रेजों की दलाली की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजों के साथ साजिश कर उसने (भाजपा) देश का विभाजन करा दिया और देश की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लेकर चला गया।

ज्ञान से चरित्र निर्माण तक की यात्रा

डॉ भारद्वाज शुक्ल

यह सर्व विदित है कि प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को हम शिक्षक दिवस मनाते हैं, यह केवल एक औपचारिक समारोह नहीं, बल्कि यह उस अटूट बंधन और गहरी श्रद्धा का प्रतीक है जो एक शिष्य अपने गुरु के प्रति रखता है। यह दिन गुरु शिष्य परंपरा के महत्व को बनाए रखने तथा गुरु के उपयोगिता और महत्व को समाज में अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से अति विशिष्ट है । यह दिन भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद, प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को समर्पित है। डॉ राधाकृष्णन स्वयं एक सर्वमान्य आदर्श शिक्षक थे, जिन्होंने कहा था, एक शिक्षक का काम सिर्फ पुस्तक और पाठ्यक्रम को पढ़ाना नहीं, बल्कि अपने छात्रों में जीवनोपयोगी मानवीय गुणों, व्यक्तित्व व राष्ट्रीय चरित्र का विकास करना है। खुद दीपक की तरह जल कर ज्ञान की लौ जलाने वाले तथा समाज के शिल्पकार शिक्षक ही होते हैं। एक सफल शिक्षक सिर्फ सूचनाओं का भंडार नहीं होता, वास्तविक शिक्षक न केवल हमें गणित के सूत्र और इतिहास की तारीखें सिखाते हैं, बल्कि वे हमें जीवन की हर चुनौतियों का सहर्ष विवेकपूर्वक सामना करना भी सिखाते हैं। हमें सही और गलत का अंतर करने तथा उचित निर्णय लेने में मार्गदर्शन करते हैं, हमारे भीतर अंतर्निहित आत्मविश्वास जगाते हैं और हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। वे हमारी कमजोरियों को पहचान कर उन्हें ताकत में बदलने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है जो अपने छात्रों में केवल अंक लाने की होड़ न जगाये, बल्कि उनमें चरित्र निर्माण, सोचने-समझने की शक्ति और समाज के प्रति जिम्मेदारी जगाये। आज के नित बदलते परिवेश में, जहां तकनीक जीवन के हर क्षेत्र में न केवल प्रभावी है बल्कि पूरी तरह हावी होते जा रहा है ऐसे में एक योग्य शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। वे केवल पाठ्यक्रम के संरक्षक नहीं रहे, बल्कि वे ऐसे मार्गदर्शक बन गये हैं जो छात्रों को यह सिखाते हैं कि डिजिटल दुनिया में उपलब्ध असीमित जानकारी का सही उपयोग कैसे किया जाये। वे छात्रों को आलोचनात्मक सोच विकसित करने, समस्या-समाधान करने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। एक सच्चा शिक्षक अपने छात्रों के लिए आजीवन पथ प्रदर्शक बना रहता है। दुनिया में विज्ञान और तकनीक का चाहे जितना भी बोलबाला हो जाय सच्चे शिक्षक की महत्ता कदापि कम नहीं हो सकती। उदात्त शिक्षक डॉ राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल धनार्जन या नौकरी पाना नहीं, बल्कि एक योग्य कर्तव्यनिष्ठ एवं आत्मनिर्भर राष्ट्रनिष्ठ इंसान बनाना है। जब उनके छात्र और मित्र उनका जन्मदिन विशेष रूप से मनाना चाहते थे, तो उन्होंने विनम्रता से आग्रह किया कि इस दिन को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए ताकि देश भर के शिक्षकों का सम्मान हो सके। उनका यह दृष्टिकोण शिक्षकों के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। एक शिक्षक के योगदान को किसी पेशे से तुलना नहीं की जा सकती। शिक्षक का कार्य कोई सामान्य पेशा नहीं अपितु राष्ट्र निर्माण का दायित्व है। वे समाज की नींव हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों को गढ़ते हैं। उनका काम सिर्फ कक्षाओं के संचालन तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यों, परंपराओं और संस्कृति को आगे बढ़ाना भी है । शिक्षक दिवस हमें उन सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन हमारे भविष्य को संवारने में लगा दिया। आइए, इस शिक्षक दिवस पर हम अपने समस्त शिक्षकों का हृदय से सम्मान करें, जिन्होंने हमें सिर्फ ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि बेहतर भविष्य निर्माण में सहयोगी बन कदम कदम पर मार्गदर्शन व दिशादर्शन भी किया।

(लेखक : डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।)

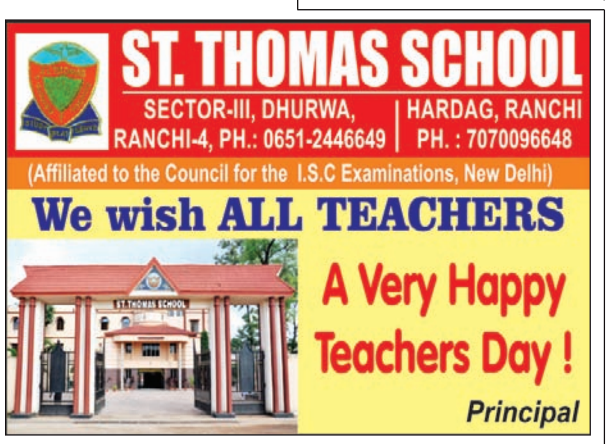

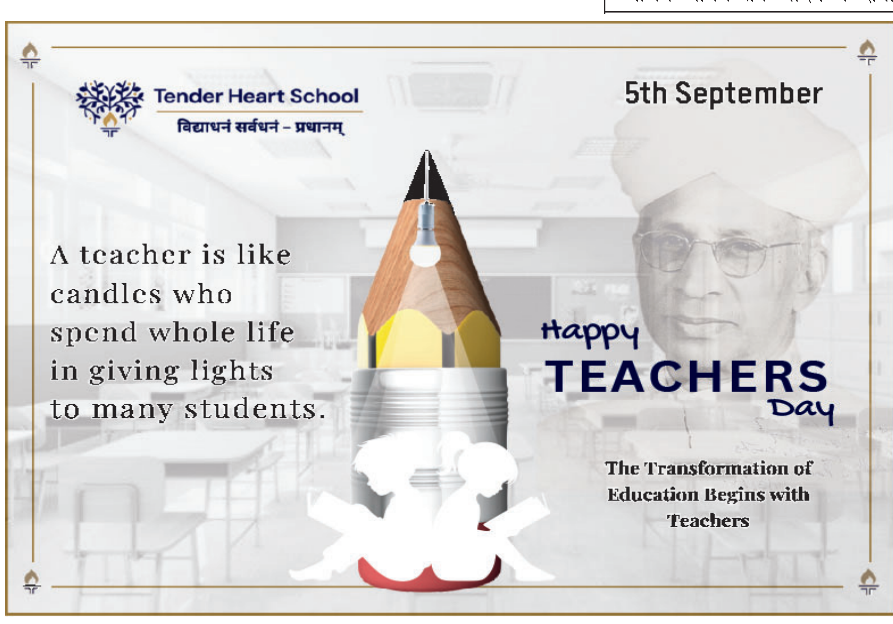

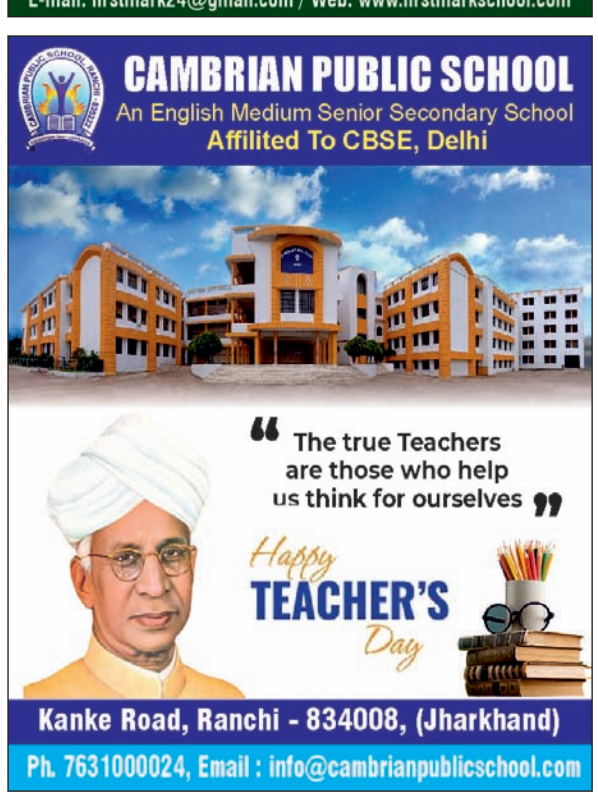

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**